THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 258 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.10 2080 गुरुवार, 7 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शाह ने लोकसभा में बताए नेहरू के दो ब्लंडर

नाराज विपक्ष ने किया जमकर हंगामा

बोले- नेहरू ने खुद शेख अब्दुल्ला से कहा था, कश्मीर मुद्दा यूएन ले जाना गलती थी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का आज 6 दिसंबर को तीसरा दिन था। लोकसभा में जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) बिल और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल पास हो गए। सदन में चर्चा के दौरान अमित शाह ने जवाहर लाल नेहरू को कोट किया। गृह मंत्री ने कहा- 'नेहरू ने शेख अब्दुल्ला को लिखा था कि कश्मीर मुद्दा यूएन ले जाना गलती थी।' शाह के बयान पर कांग्रेस समेत विपक्ष ने हंगामा किया। शाह ने कहा कि मैंने वही बात कही, जो खुद नेहरू ने अब्दुल्ला से कही थी। शाह ने ये भी कहा कि कश्मीर में सेना जीत रही थी, तभी सीजफायर कर दिया गया। नेहरू

की गलती से पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) बन गया। देश की जमीन का जाना नेहरू का ब्लंडर था।

लोकसभा में अमित शाह की स्पीच

यह बिल उन लोगों को अधिकार दिलाने का बिल है, जिनकी अनदेखी की गई। अच्छी बात ये रही कि 6 घंटे की बहस में किसी ने भी इसका विरोध नहीं किया। बिल पर प्रतिपक्ष के कुछ लोगों ने कम आंकने का प्रयास किया। किसी ने कहा कि सिर्फ नाम बदल रहा है। मैं कहना चाहता हूं कि नाम में ही सम्मान जुड़ा है। मदद से ज्यादा सम्मान व्यक्ति को आगे बढ़ाने का काम करता है।

जम्मू-कश्मीर में महाराजा हरि सिंह ने विलय का निर्णय लिया था, तब से अब तक कई बदलाव हुए। वहां आतंकवाद का लंबा दौर चला। किसी ने विस्थापित लोगों की केयर नहीं की। जिनको केयर करनी थी, वो इंग्लैंड में छुट्टी मना रहे थे। अगर उस समय उनके लिए काम किया गया होता तो वे विस्थापित नहीं हुए होते। ये बिल उनको प्रतिनिधित्व देने का है।

1947, 1965 और 1971 में जम्मू-कश्मीर से 41 हजार 844 परिवार विस्थापित हुए। इस बिल से इन लोगों को अधिकार मिलेगा। डीलिमिटेशन की प्रक्रिया पवित्र नहीं है तो लोकतंत्र पवित्र नहीं हो सकता।

महाराष्ट्र में विपक्ष नहीं पिएगा सरकार की चाय

नागपुर: महाराष्ट्र में विपक्ष ने शीतकालीन अधिवेशन की पूर्व संध्या पर सरकार द्वारा दी जाने वाली चाय पार्टी के बहिष्कार का निर्णय लिया है। बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि विपक्ष सरकार द्वारा दी जा रही परंपरागत चाय पार्टी का बहिष्कार करेगा। उन्होंने अतिवृष्टि से फसलों के नुकसान, आरक्षण को लेकर मराठा और ओबीसी समाज में उभरे मतभेदो का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सरकार इन मुद्दों को उलझा रही है, इसी वजह से यह निर्णय लिया गया है।

वडेट्टीवार ने कहा इस मौके पर कहा कि बेमौसम बारिश से किसानों को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए सरकार ज्यादा मात्रा में हर्जाना दे। बता दें कि विपक्ष ने फल उत्पादक किसानों के लिए 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेअर की मांग की है। जबकि कपास के लिए 35 रुपये और अनाज के लिए 25 हजार रुपये प्रति हेक्टेअर की मांग रखी गई है।

रेलवे संघर्ष समिति के संयोजक पटरियों के बीच लेटे

ऊपर से 10 बोगियां निकलीं

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना के बिहटा रेलवे स्टेशन ट्रैक पर बुधवार को रेलवे संघर्ष समिति के कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान ट्रेन आ गई। ट्रेन को आता देखकर प्रदर्शनकारी तो हट गए, लेकिन समिति के संयोजक पटरियों के बीचों-बीच लेट गए। इंजन समेत ट्रेन की 10 बोगियां उनके ऊपर से गुजर गईं, लेकिन उन्हें खरोंच तक नहीं आई। रेलवे संघर्ष समिति के संयोजक चंदन कुमार वर्मा के साथ 40 से ज्यादा लोग बिहटा-औरंगाबाद रेलवे लाइन परियोजना शुरू कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

इसी बीच, पटना-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल जाने वाली सुविधा एक्सप्रेस (82355) आ गई। इस ट्रेन का बिहटा स्टेशन पर स्टॉपेज नहीं था। वह रघुनाथपुर ही रुकती है। ट्रेन को ग्रीन सिग्नल मिला था। इसी वजह से ट्रेन

अपनी रफ्तार में बढ़ने लगी।

लोगों ने शोर मचाया तो लोको पायलट ने ट्रेन रोकी। प्रदर्शनकरियों का आरोप है कि यह रेलवे प्रशासन की लापरवाही है। प्रदर्शन की जानकारी रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन को पहले से दी गई थी। इस घटना की सूचना मिलने के बाद दानापुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सरस्वती चंद्र, सीनियर डीओएम प्रभास राघव मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारियों से उनकी समस्या पर बातचीत की।

ट्रेन गुजरने के बाद समर्थक पटरी पर चंदन के पास पहुंचे। लोगों ने महसूस किया कि उसकी सांस चल रही है। फिर लोगों ने उन्हें उठाया। घटना से आक्रोशित संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने रेलवे प्रबंधन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। ट्रेन के लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और रेलवे गार्ड को बर्खास्त करने की मांग भी की।

गर्वनर से मिले जेडपीएम नेता लालदुहोमा

सरकार बनाने का दावा पेश, 8 दिसंबर को शपथ ग्रहण

मिजोरम, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मिजोरम में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने आज सरकार बनाने का दावा पेश किया। लालदुहोमा ने बुधवार सुबह 10:30 बजे आइजोल के राजभवन में राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पद के दावेदार लालदुहोमा है। मंगलवार रात 8 बजे लालदुहोमा के घर विधायक दल की बैठक हुई। लालदुहोमा इंदिरा गांधी के सिक्योरिटी इंचार्ज और कांग्रेस के सांसद रह चुके हैं। मिजोरम में 40 सीटों पर हुए चुनाव में पार्टी ने 27 सीटें जीतीं। सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई है।

जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी शुरुआत में छह क्षेत्रीय दलों का गठबंधन था। जिसमें मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जोरम नेशनलिस्ट पार्टी, जोरम एक्सोडस मूवमेंट, जोरम डिसेंट्रलाइजेशन फ्रंट, जोरम रिफॉर्मेशन फ्रंट और मिजोरम पीपुल्स पार्टी शामिल थीं।

तूफान मिचौंग से चेन्नई में तबाही

72 घंटे से बिजली नहीं, इंटरनेट बंद; वायु सेना के हेलिकॉप्टर से खाना पहुंचाया जा रहा

चेन्नई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराया। उससे पहले तूफान ने चेन्नई में काफी तबाही मचाई। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश हुई।

बारिश के चलते कई इलाके पिछले दो दिनों से बाढ़ में डूबे हैं। कई इलाकों में %2 घंटे से

बिजली नहीं आ रही, इंटरनेट बंद है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर से बाढ़ में फंसे लोगों तक खाना पहुंचाया जा रहा है।

तमिलनाडु में तूफान की वजह से राज्य में 2 दिनों में 3 महीने की बारिश हुई। चेन्नई शहर पानी में डूब गया, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। सीएम एमके स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5060 करोड़ रुपए की मदद मांगी। डीएमके सांसद टीआर बालू ने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की।

राज्य के चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम जिलों में स्कूलों में होने वाली छमाही परीक्षाएं पोस्टपोन कर दी गईं। पीएम मोदी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर चक्रवात के चलते जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना जताई।

आईएमडी के महानिदेशक ने बुधवार को कहा- तूफान मिचौंग कमजोर हो गया है।

स्कूटी पर बीस किलो सोना-1.5 करोड़ कैश लेकर भागा

दिल्ली, मुंबई में तलाश, नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट

कानपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर में कारीगर ने व्यापारियों का 15 से 20 किलो सोना और कैश 1.5 करोड़ पार कर दिया। अब कारीगर का सीसीटीवी सामने आया है। इसमें वह स्कूटी पर 20 केजी से ज्यादा सोना और 1.5 करोड़ कैश लेकर भागता हुआ नजर आ रहा है। इसमें नजर आ रहा है कि कारीगर स्कूटी के पास आया। वह मोबाइल से बात कर रहा है। कारीगर का साला और एक साथी गत्ते और झोले में माल लेकर स्कूटी पर रख रहे हैं। फिर कारीगर माल को लेकर भाग गया। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू कर दी। इसके साथ ही पुलिस की टीमें दिल्ली, मुंबई से लेकर कई राज्यों में छापेमारी के लिए रवाना हो गई है। बिरहाना रोड में रहने वाले संपत राव लवाटे का बेकनगंज सर्राफा मार्केट में गोल्ड टेस्टिंग और सोना लगाने का कारखाना है। इसमें उसके साथ साला महेश मस्के और उसकी पत्नी संध्या लवाटे भी काम में हाथ बटाती है। शातिर संपत राज लवाटे ने अपने विश्वास का फायदा उठाकर बाजार का 20 किलो से ज्यादा का सोना और करीब 1.50 करोड़ कैश लेकर परिवार समेत भाग गया। बजरिया थाने में 15 व्यापारियों ने लिखित तहरीर दी है।

इंडिया में पीएम उम्मीदवार के तौर पर जुड़ा एक और नेता का नाम

शिवसेना यूबीटी ने बताया इस चेहरे को राष्ट्रवादी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 2024 के लोकसभा चुनाव में चुनौती देने के लिए बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की अगली बैठक जल्द होने वाली है। जब से 26 विपक्षी दलों का भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) बना है तभी से भाजपा निशाना साध रही है कि इस गठबंधन का पीएम चेहरा कौन होगा। इस पर उद्धव बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा कि पीएम के चेहरे पर चर्चा की जाएगी। वास्तव में एक चेहरा होना चाहिए।

तानाशाही से चलने वाला गठबंधन नहीं

सांसद संजय राउत ने कहा, 'इस पर चर्चा होगी। इंडिया एक गठबंधन है। यह तानाशाही से चलने वाला गठबंधन नहीं है। पहले अटल जी के जमाने में जब इंडिया यानी भारत हम चलाते थे, तो इस विषय पर चर्चा की जाती थी। अब किसी ने सवाल उठाया है तो हो जाएगी चर्चा। वास्तव में एक चेहरा होना चाहिए। इसमें कोई गलत राय नहीं है।'

हिंदुत्ववादी और राष्ट्रवादी चेहरा

उद्धव ठाकरे के चेहरे पर राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे एक हिंदुत्ववादी और राष्ट्रवादी चेहरा हैं। लेकिन हम बैठक के बाहर ऐसी कोई बात नहीं कहेंगे, जिससे गठबंधन में कोई दरार पैदा हो। इंडिया गठबंधन के सदस्यों की मंजूरी मिल जिसे मिलेगी वहीं पीएम का चेहरा होगा।

अगली बैठक अब

उन्होंने बताया कि इंडिया गठबंधन की अगली बैठक 16 से 18 दिसंबर के बीच हो सकती है। इस दौरान पीएम का चेहरा सहित कई बातों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा, 'भारत गठबंधन की बैठक आज होनी थी, लेकिन कुछ प्रमुख नेता मौजूद नहीं थे। ममता बनर्जी के घर में शादी है। वही एमके स्टालिन अपने बाढ़ प्रभावित राज्य में राहत अभियान में व्यस्त हैं। इसके अलावा नीतीश कुमार की तबीयत ठीक नहीं है और अखिलेश यादव के पास फिलहाल समय नहीं है। इसलिए यह बैठक 16 या 18 दिसंबर को होगी। चेहरा समेत सब कुछ बैठक में तय किया जाएगा। हम एक साथ हैं और आप 2024 में इसका परिणाम देखेंगे।

राधा स्वामी सत्संग घर के पास भयानक बस एक्सीडेंट एक की मौत, 14 छात्रों समेत 22 लोग घायल

राजौरी/जम्मू, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में बुधवार को एक बस पलटने से एक यात्री की मौत हो गयी तथा 14 छात्रों समेत 22 अन्य लोग घायल हो गए।। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना राजौरी-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर ठंडीकस्सी गांव में राधा स्वामी सत्संग घर के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, इस भीषण हादसे में सभी घायलों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बता दें कि पुंछ-राजौरी राजमार्ग के अंतर्गत ठंडी कस्सी राधा स्वामी (राजौरी) भवन के समीप यह हादसा तब पेश आया जब सामने से एक कार से टकराकर मिनी बस (केंटर) सड़क से लुढ़क गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और राहत-बचाव का कार्य जारी है।

मंदिरों में जमा है 6 क्विंटल सोना, 234 क्विंटल चांदी, बना सकेंगे सिक्के

किस मंदिर के पास कितना सोना-चांदी

मंदिर	सोना	चांदी
चिंतपूर्णी मंदिर ऊना	2.10 क्विंटल	77.54 क्विंटल
बाबा बालकनाथ दियोटसिद्ध	24.89 किलो	3.17 क्विंटल
श्री नयनादेवी बिलासपुर	2.10 क्विंटल	82.45 क्विंटल
ज्वालाजी, कांगड़ा	47.94 किलो	18.97 क्विंटल
चामुंडा नंदिकेश्वर कांगड़ा	19.62 किलो	7.36 क्विंटल
बज्रेश्वरी माता मंदिर कांगड़ा	36 किलो	13.45 क्विंटल
भीमाकाली मंदिर सराहन	12.12 किलो	6.73 किलो

शिमला, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल के मंदिरों में सदियों से जमा सोना-चांदी के सिक्के बनाए जाएंगे। प्रदेश के मंदिरों में करीब 6 क्विंटल सोना और 234 क्विंटल चांदी जमा है। ये सिक्के श्रद्धालुओं को बेचे जाएंगे। सिक्कों से आने वाला पैसा मंदिर न्यासों के पास रहेगा। बांड और कई अन्य विकल्प भी है मंदिर न्यास के पास रहेंगे। न्यास को इसके लिए पहले सरकार से मंजूरी लेना होगी। सिक्कों से प्राप्त राशि का इस्तेमाल न्यास मंदिरों में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को और बेहतर सुविधाएं देने के लिए कर सकेंगे। इसके लिए सुक्खू सरकार ने वर्ष 1986 में बने नियम संशोधित कर दिए हैं और मंगलवार को अधिसूचित किया गया। खराब अर्थव्यवस्था के चलते राज्य सरकार ने मंदिरों में जमा सोना और चांदी का उचित उपयोग करने का निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश सार्वजनिक धार्मिक संस्था और पूर्त विन्यास (संशोधन) नियम की अधिसूचना जारी करते हुए सरकार ने इसमें प्रावधान किए हैं। वर्ष 1986 के बनाए नियमों को भी वापस ले लिया है। सरकार के अधिग्रहण वाले मंदिरों के न्यास प्रमुख उपायुक्त या अन्य अधिकारी होते हैं तो वे इससे संबंधित प्रस्ताव सरकार को देंगे। मंदिर न्यासों को राज्य सरकार को 10 साल की आय का ब्योरा देना होगा।

बार-बार हिल रही धरती, चार साल में 300 से ज्यादा भूकंप के झटके, कितना बड़ा है खतरा?

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले चार साल में देश में 300 से ज्यादा बार धरती हिली है। 2020 से लेकर 2023 के नवंबर तक कुल 310 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। केंद्र सरकार की तरफ से ये आंकड़ा जारी किया गया है। इस साल यानी 2023 में इसमें काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस साल 124 बार धरती हिली है। इस दौरान आए भूकंप की तीव्रता अलग-अलग थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में 124 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनमें 97 बार आए भूकंप की तीव्रता 3.0 से 3.9 के बीच थी। वहीं, 21 बार 4.0 से 4.9 तीव्रता वाले झटके महसूस किए गए। चार बार भूकंप की तीव्रता 5.0 से 5.9 के बीच रही जबकि दो बार तेज झटके महसूस हुए थे। इसकी तीव्रता 6.0 से 6.9 के बीच रही थी। मतलब पिछले चार साल में सबसे अधिक भूकंप के झटके इसी साल लगे। आंकड़ों में बताया गया है कि 2023 में भूकंप गतिविधि में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसका मुख्य कारण पश्चिमी नेपाल में अल्मोडा फॉल्ट का सक्रिय होना है। इस सक्रियता के कारण 24 जनवरी 2023 को 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था। 3 अक्टूबर और 3 नवंबर 2023 को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। तीन अक्टूबर को आए भूकंप की तीव्रता 6.2 थी जबकि नवंबर को आए भूकंप की तीव्रता 6.4 थी। बता दें कि उत्तर भारत से पूर्वोत्तर भारत तक फैले हिमालय क्षेत्र में दो विशाल टेक्टोनिक प्लेटों की सीमा पर स्थित होने के कारण अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इन प्लेटों के टकराने से भारत और नेपाल दोनों जगह भूकंप आते हैं।

ईडब्ल्यूएस कोटा: दिल्ली में आय की सीमा बढ़ाने का आदेश

बाकी राज्यों में कितनी लिमिट, क्या होगा असर?

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटा के तहत राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों में प्रवेश के लिए मौजूदा आय सीमा को सालाना एक लाख रुपये (8,333 हजार प्रति महीने) से बढ़ाकर पांच लाख रुपये (41,667 प्रति महीने) सालाना करने का आदेश दिया है। सरकार को इसमें संशोधन करने का कहा गया है। अदालत के इस फैसले के बाद जिसकी सालाना आय 5 लाख रुपये होगी वहीं अपने बच्चे का दाखिला ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत स्कूलों में करा सकेगा। मौजूदा नियम के मुताबिक, एक बच्चा जिसके माता-पिता की कुल आय 1 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम है और पिछले तीन वर्षों से दिल्ली में रह रहा है, वह ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिए पात्र है। ईडब्ल्यूएस आरक्षण के बड़े मुद्दे पर, कोर्ट ने इसपर ध्यान दिया कि दिल्ली में एक मजदूर, जिसका न्यूनतम वेतन 17,494 रुपये प्रति माह है, लेकिन ऐसे श्रमिकों के बच्चे भी ईडब्ल्यूएस प्रवेश के हकदार नहीं हैं। बता दें कि कई राज्यों में ये कोटा 8 लाख रुपये का है। कोर्ट ने अपने आदेश में इसका जिक्र भी किया। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2022-23 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4.44 लाख रुपये थी। दिल्ली स्कूल शिक्षा आदेश, 2011 के अनुसार, सभी स्कूलों को प्रवेश स्तर पर ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत कम से कम 25% बच्चों को प्रवेश देना आवश्यक है। इन छात्रों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

अन्य राज्यों में क्या है हाल

पश्चिम बंगाल में जिसकी सालाना आय 8 लाख रुपये होती है वो अपने बच्चे के लिए ईडब्ल्यूएस कोटा पाने का हकदार होता है। बंगाल सरकार ने राज्य-संचालित, सहायता प्राप्त स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों के लिए 10% कोटा की घोषणा की थी। ये 2024-25 सत्र से लागू होगा। राज्य में स्कूलों में आरक्षण कोटा अब एससी के लिए 22%, एसटी के लिए 6%, ओबीसी (ए और बी) के लिए 17% और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 3% है। पश्चिम बंगाल की तरह उत्तर प्रदेश में भी ईडब्ल्यूएस कोटे के लिए 8 लाख रुपये का कैप रखा गया है।

कोर्ट ने क्यों दिया ये आदेश

दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट ने यह आदेश उस नाबालिग लड़के की याचिका को खारिज करते हुए दिया, जिसमें उसने अपने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अपनी वास्तविक आय की गलत जानकारी देकर प्राप्त अपने पिता के आय प्रमाण पत्र के आधार पर एक निजी स्कूल से उसका एडमिशन रद्द करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए नाबालिग के स्कूल में दाखिले को जारी रखने के बदले में पिता पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया, यह देखते हुए कि एडमिशन अवैध तरीकों से ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत लिया गया था। इस वजह से एक योग्य उम्मीदवार को वंचित कर दिया गया था।

कैथल जेल में बुजुर्ग ने लगाया फंदा: पोक्सो एक्ट के तहत बंद था आरोपी, पूंडरी का रहने वाला है मृतक

कैथल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कैथल जेल में एक 72 वर्षीय बुजुर्ग कैदी ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उपरोक्त बुजुर्ग कैदी दुष्कर्म, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने व पोक्सो एक्ट के मामले में जिला जेल में बंद था। कैदी ने देर रात को फंदा लगाया और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक बलबीर पूंडरी का रहने वाला था, जिसकी पाई गेट पर रिहायश है। वह पोक्सो एक्ट व अन्य धाराओं के तहत जेल में बंद किया गया था। पुलिस मामले की आगामी जांच कर रही है।

पश्चिम बंगाल में हावड़ा जंक्शन के पास लोकल ट्रेन का डिब्बा पटरी से उतरा

कोलकाता, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हावड़ा स्टेशन के पास बुधवार सुबह एक लोकल ट्रेन का एक डिब्बा पटरी से उतर गया, जिससे ट्रेन सेवाएं आंशिक रूप से बाधित हुईं। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। रेलवे के अधिकारी ने बताया कि बगनान-हावड़ा लोकल का पांचवां डिब्बा सुबह नौ बजकर 35 मिनट पर टिकियापारा और हावड़ा स्टेशन के बीच पटरी से उतर गया, जब ट्रेन पटरी बदल रही थी। इस घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई। उन्होंने कहा कि घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ क्योंकि हावड़ा जाने वाली ट्रेन धीरे-धीरे प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रही थी। रेलवे अधिकारी और इंजीनियर पटरियों की मरम्मत और ट्रेन सेवाएं बहाल करने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं।

बच्चे के प्रति लापरवाही बरतने के लिए माता-पिता जिम्मेदार, डॉक्टर दोषी नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं जिनमें बच्चों के माता-पिता उनकी बिगड़ी हालत का दोषी डॉक्टरों को लापरवाही को देते हैं। कई बार यह मामले सही भी पाए जाते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साल 2002 के एक मामले पर सुनवाई करते हुए बच्चे की बिगड़ी हालत का दोषी डॉक्टर को नहीं बल्कि माता-पिता की लापरवाही को माना। जनवरी 2002 के एक मामले में सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि जब माता-पिता अपने बच्चों की स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में लंबे समय तक लापरवाही बरतते हैं तो डॉक्टरों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही कोर्ट ने डॉक्टर को दी गई क्लीन चिट के फैसले में हस्तक्षेप करने से भी इनकार कर दिया।

क्या था मामला

साल 2002 में यूपी के कानपुर में एक दंपति अपने बच्चे को लेकर एक बाल रोग विशेषज्ञ के पास गए थे। बच्चे को लगभग 45 दिन से बुखार आ रहा था। कई दिनों बाद पता लगा की बच्चे को मेनिनजाइटिस है और उससे बच्चे की आंखों की रोशनी खराब हो गई। उस वक्त बच्चे की उम्र दो साल थी, जो अब लगभग 23 साल का है। माता-पिता का आरोप है की डॉक्टर को मरीज के मेडिकल इतिहास के बारे में पता था, उन्होंने शिकायत की कि एंटीबायोटिक्स और मलेरिया-रोधी दवाओं के साथ बच्चे का इलाज करने में डॉक्टर ने बहुमूल्य समय बर्बाद किया। डॉक्टर बच्चे को पहले मलेरिया का इलाज करने के अलावा गंभीर बीमारी के लक्षण पहचानने में विफल रहे, और उनकी गलत डागनोस के चलते काफी कीमती वक्त बर्बाद हो गया।

कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में माता-पिता को लापरवाही का दोषी बताया। कोर्ट ने कहा कि इतने छोटे बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाने के लिए माता-पिता ने 45 दिनों तक इंतजार किया और अब वह दावा करते हैं कि डॉक्टर ने लापरवाही की? माता-पिता एक सप्ताह के बाद बच्चे को क्यों नहीं ले गए? अगर यहां कोई लापरवाही कर रहा है, तो वह माता-पिता हैं। जब माता-पिता लंबे समय तक अपने बच्चों की स्वास्थ्य स्थितियों के प्रति लापरवाह बने रहते हैं तो डॉक्टरों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने माना कि ऐसे मामले में केवल डॉक्टर को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जब बच्चा डॉक्टर के पास पहुंचा तब तक संक्रमण हो चुका होगा।

डॉक्टर को मिली थी क्लीन चिट

वकील ने पीठ से कानपुर जिला उपभोक्ता फोरम के 2013 के आदेश को बहाल करने का अनुरोध किया, जिसमें डॉक्टर को हर्जाने के रूप में 2 लाख रुपये का भुगतान करने को कहा गया था, लेकिन पीठ ने कहा कि उपभोक्ता फोरम के आदेश को बहाल करने का मतलब डॉक्टर के खिलाफ लापरवाही के आरोप को बहाल करना होगा। कोई भी डॉक्टर ऐसा कलंक नहीं चाहता। अदालत ने मार्च में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। आयोग ने अपने आदेश में कहा था कि मेडिकल नेग्लिजेंस के लिए डॉक्टर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि रिपोर्ट से पता चलता है कि मरीज की जांच की गई, सही निदान किया गया और सही समय पर एक विशेषज्ञ को भेजा गया। इतने छोटे बच्चे में बुखार के लिए, डॉक्टर आमतौर पर शुरुआत में एंटीबायोटिक्स ही लिखते हैं। कोई भी डॉक्टर सीधे तौर पर इसे मेनिनजाइटिस नहीं समझ सकता जब तक कि मरीज के मेनिनजाइटिस के लक्षण नहीं दिखाता है। इसलिए, यह चिकित्सीय लापरवाही नहीं है। कोर्ट ने डॉक्टर तो क्लीन चिट दे दी है।

विधानसभा चुनाव जीतकर आए

दो केंद्रीय मंत्री समेत सभी सांसदों ने दिया इस्तीफा

भोपाल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बंपर जीत दर्ज की है। इस चुनाव में भाजपा ने तीन केंद्रीय मंत्री समेत सात सांसदों को उतारा था। इसमें से दो मंत्री समेत पांच सांसद चुनाव जीते थे। वहीं, एक केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और सतना से सांसद गणेश सिंह चुनाव हार गए हैं। नियमानुसार चुनाव जीतने वाले पांचों सांसदों को 14 दिन में संसद की सदस्यता को लेकर निर्णय लेना था। ऐसा नहीं करने पर उनकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाती है। अब बुधवार को चुनाव जीते पांच सांसदों में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, सांसद उदय प्रताप सिंह, रीति पाठक और राकेश सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। चुनाव जीतने वाले सांसदों के इस्तीफा देने को लेकर पहले से कयास लगाए जा रहे थे। इसका कारण लोकसभा के चुनाव में पांच माह का ही समय बचा है। इसमें शामिल केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल और नरेंद्र सिंह तोमर का नाम मुख्यमंत्री की रेस में शामिल है।

केरल हाई कोर्ट ने 14 वर्षीय नाबालिग पीड़िता के गर्भपात की याचिका खारिज की, प्रेग्नेंसी का चल रहा 30वां सप्ताह

कोच्चि, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने एक 14 वर्षीय नाबालिग को 30 सप्ताह के भ्रूण का गर्भपात करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि क्योंकि भ्रूण अपने अंतिम चरण में है इसलिए हम इसकी इजाजत नहीं दे सकते। जस्टिस देवन रामचंद्रन ने नाबालिग की मां द्वारा दायर भ्रूण को गिराने की याचिका खारिज कर दी और कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है जहां गर्भावस्था के कारण पीड़ित बच्चे का स्वास्थ्य खतरे में था और न ही किसी घातक भ्रूण असामान्यता का पता चला था।

नाबालिग की मां ने भ्रूण को गिराने की याचिका दायर की थी

दरअसल, नाबालिग की मां ने केरल हाई कोर्ट में भ्रूण को गिराने की याचिका दायर की थी। जस्टिस देवन रामचंद्रन ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें गर्भावस्था के कारण 'पीड़ित बच्चे का स्वास्थ्य खतरे में है' और न ही भ्रूण असामान्य है।

मां ने दुष्कर्म को हवाला दिया

नाबालिग की मां ने हाई कोर्ट से इस आधार पर गर्भपात की मांग की थी कि उसकी बेटी से साथ दुष्कर्म हुआ था। वहीं, इस दौरान आरोपी पॉक्सो एक्ट के तहत हिरासत में था। कोर्ट ने कहा कि भले ही फाइल पर मौजूद रिकॉर्ड और रिपोर्ट से पता चलता है कि पीड़िता के साथ जबरदस्ती नहीं की गई थी। मगर, बच्ची अभी भी बहुत छोटी है। महज 13-14 साल की उम्र में उसके साथ जो हुआ वह 'निश्चित रूप से वैधानिक दुष्कर्म' है।

पीड़िता से पूरी सहानुभूति है- हाई कोर्ट

जस्टिस रामचंद्रन ने अपने आदेश में कहा, भ्रूण का मस्तिष्क और फेफड़े जैसे महत्वपूर्ण अंग लगभग पूरी तरह से विकसित हो चुके हैं और बच्चा गर्भ के बाहर आने के लिए तैयार है। इसलिए, यह अदालत याचिकाकर्ता के अनुरोध को स्वीकार नहीं कर सकती है। हालांकि पीड़िता और उसका परिवार जिस स्थिति से गुजर रहा है, उससे मुझे पूरी सहानुभूति है, खासकर इसलिए क्योंकि पीड़ित बच्ची बहुत छोटी है।

पुलिस ने हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को गोली मारी, घायल

नागांव, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के नागांव जिले में बुधवार को पुलिस ने हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को गोली मार दी, जिससे वह घायल हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्ति को कथित आपराधिक गतिविधियों में उसकी संलिप्तता के कारण गिरफ्तार किया गया था। रूपाहीहाट में पुलिस ने डकैती और लूटपाट के विभिन्न मामलों में कथित संलिप्तता को लेकर व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस उसे हथियार बरामद करने के लिए कालियाबोर में स्थान पर ले गई थी, वहां से पिस्तौल बरामद होने के बाद आरोपी ने बरामद हथियार से पुलिस पर गोली चला दी।उन्होंने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और आरोपी के दोनों पैरों में गोली लग गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान उमर फारुक के रूप में हुई है।

आतंकी फंडिंग मामला: आतंकी यासीन मलिक को मौत की सजा पर 14 फरवरी को होगी सुनवाई

जम्मू/नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने आतंकी फंडिंग मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक के लिए मौत की सजा की मांग करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की याचिका पर सुनवाई 14 फरवरी के लिए सूचीबद्ध की है। अदालत ने तिहाड़ जेल अधीक्षक को मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश करने का निर्देश दिया है। दोषी यासीन मलिक के अपना अपराध स्वीकार करने पर ट्रायल कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और शलिंदर कौर की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख मलिक की ओर से कोई भी पेश नहीं हुआ। अदालत ने सुनवाई 14 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी। 29 मई को, हाईकोर्ट ने आतंकी फंडिंग मामले में मौत की सजा की मांग करने वाली एनआईए की याचिका पर मलिक को नोटिस जारी किया था और अगली तारीख पर उसे पेश करने का निर्देश दिया था। इसके बाद, जेल अधिकारियों ने एक आवेदन दाखिल कर उसे वर्चुअल माध्यम से पेश करने का अनुरोध किया था, जिसे हाईकोर्ट ने मंजूर कर लिया था। निचली अदालत ने 24 मई, 2022 को मलिक को कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आईपीसी के तहत विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मलिक ने आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए सहित अन्य आरोपों में अपना दोष स्वीकार कर लिया था। सजा के खिलाफ अपील करते हुए, एनआईए ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी आतंकवादी को केवल इसलिए आजीवन कारावास की सजा नहीं दी जा सकती, क्योंकि उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और मुकदमा नहीं चलाने का विकल्प चुना है। मौत की सजा की मांग करते हुए एनआईए ने कहा है कि अगर ऐसे खूंखार आतंकवादियों को सिर्फ इसलिए मौत की सजा नहीं दी जाती, क्योंकि उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया है, तो सजा नीति पूरी तरह खत्म हो जाएगी। ऐसे में आतंकवादियों के पास मौत की सजा से बचने का एक रास्ता बच जाएगा। एनआईए ने कहा कि आजीवन कारावास की सजा आतंकियों के अपराध के अनुरूप नहीं है। खासकर तब, जब देश और सैनिकों के परिवारों को जान का नुकसान हुआ है और ट्रायल कोर्ट का निष्कर्ष है कि मलिक के अपराध दुर्लभतम में से दुर्लभतम की श्रेणी में नहीं आते हैं। एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया है कि यह उचित संदेह से परे साबित हो चुका है कि मलिक ने घाटी में आतंकवादी गतिविधियों का नेतृत्व किया और खूंखार विदेशी आतंकवादी संगठनों की मदद से घाटी में सशस्त्र विद्रोह की साजिश रच रहा था।

ऐसे खूंखार आतंकी को मृत्युदंड न देना न्याय का गर्भपात होगा

एजेंसी ने कहा कि ऐसे खूंखार आतंकवादी को मृत्युदंड न देने से न्याय का गर्भपात हो जाएगा। क्योंकि, आतंकवाद का एक कृत्य समाज के खिलाफ ही अपराध नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के खिलाफ अपराध है। दूसरे शब्दों में यह बाहरी आक्रमण, युद्ध का कृत्य और राष्ट्र की संप्रभुता का अपमान है।

सुविचार

आदमी जिन्दगी में उतना ही, बड़ा कर सकता है, जितना बड़ा वह सोच सकता है !

दमरे ने भारत रत्न डॉ. बी.आर अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का 67 वां महापरिनिर्वाण दिवस रेल निलयम, सिकंदराबाद में मनाया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन मुख्य अतिथि थे और उन्होंने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, ट्रेड यूनियन नेताओं और कर्मचारियों द्वारा भी बाबासाहेब को सम्मान के रूप में पुष्पांजलि अर्पित की गई। सभा को संबोधित करते हुए अरुण कुमार जैन ने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर का जीवन लचीलेपन, बुद्धि और समाज के हाशिए पर मौजूद वर्गों के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सार्वभौमिक शिक्षा की वकालत करके डॉ. अंबेडकर ने एक ऐसे समाज की नींव रखी, जहां हर नागरिक देश के विकास में सार्थक योगदान दे सके। महाप्रबंधक ने कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस न केवल डॉ. अंबेडकर की महान विरासत को याद करने का अवसर है, बल्कि मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने और समाज के सुधार के लिए प्रयास करने का भी आह्वान है। महाप्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेलवे के संदर्भ में, जो न केवल देश का मुख्य परिवहन प्रदाता है, बल्कि सबसे बड़ा नियोक्ता भी है, श्रम बल के कल्याण पर डॉ. अंबेडकर के विचारों का सभी को अनुकरण करना चाहिए। मैं गर्व से कह सकता हूं कि दक्षिण मध्य रेलवे अपने विकास पथ में बाबा साहेब अंबेडकर की शिक्षाओं को अपना रहा है, न केवल अपनी प्रौद्योगिकी उन्नति के मामले में बल्कि हमारी जनशक्ति, विशेषकर निचले स्तर पर काम करने वालों और महिला कर्मचारियों के मूल्य के संदर्भ में भी। एससीआर के अपर महाप्रबंधक आर. धनंजयुलु ने डॉ. बी.आर. को श्रद्धांजलि अर्पित की। अम्बेडकर ने कहा कि हमें महान नेता के आदर्शों के अनुसार जीना चाहिए और एक

समावेशी समाज के लिए प्रयास करना चाहिए जहां सामाजिक न्याय नींव हो। किशोर बाबू, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, एससीआर ने उन्हें विश्व स्तरीय नेता बताया, जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में अपने अद्भुत गुणों और समाज में योगदान के लिए सम्मानित हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हमें डॉ. अम्बेडकर के मूल्यों और शिक्षाओं के प्रति खुद को फिर से समर्पित करना चाहिए और एक बेहतर समाज के लिए प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय रेलवे अनुसूचित जाति और जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ, एससीआर ओबीसी कर्मचारी संघ, एससीआर मजदूर संघ और एससीआर कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने भी बात की।

नई सरकार के गठन पर सचिवालय कर्मियों ने जताई खुशी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सचिवालय के कर्मचारियों ने बुधवार को तेलंगाना में नई सरकार के गठन पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने सचिवालय परिसर में आतिशबाजी की और एक-दूसरे के साथ अपनी खुशी साझा की। कर्मचारियों के साथ-साथ तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के अध्यक्ष प्रो. कोदंडराम ने भी समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, कोदंडराम ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार में कर्मचारियों के अधिकारों को दबाया गया और उनकी आवाज़ को कुचल दिया गया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि नई सरकार में लोकतांत्रिक शासन होगा और उनकी पार्टी राज्य सरकार और कर्मचारियों के बीच एक सेतु का काम करेगी। इस अवसर पर, कोदंडराम ने वादा किया कि वह कर्मचारियों की समस्याओं को नई सरकार के ध्यान में लाएंगे और उन्हें जल्द से जल्द हल करने का प्रयास करेंगे।

महिलाएं बिना किसी डर के मुद्दों पर संपर्क कर सकती हैं : जिला एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसपी के. सुरेश कुमार ने कहा कि जिले की महिलाएं व युवतियां बिना किसी डर के पुलिस से संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि शी टीम और महिला तस्करी विरोधी टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि छात्राओं और महिलाओं को अपने साथ अन्याय होने पर डरना नहीं चाहिए, साहस के साथ आगे आकर शिकायत करें तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। जिले में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों को रैगिंग, बेवफाई, फॉक्सो, शीटिम और महिला विरोधी तस्करी के बारे में जागरूक किया गया है। उन्होंने बताया कि माह

नवम्बर में शीट के विरूद्ध जिले भर में एक-एक शिकायत दर्ज करायी गयी है, साथ ही 39 हॉट स्पॉट पर जाकर 06 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रा को परेशान करने वाले व्यक्ति की अभिभावकों की मौजूदगी में काउंसलिंग की गई। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस विभाग सख्त कदम उठाएगा. महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया का उपयोग करते समय बहुत सावधान रहें और फोटो और वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के संबंध में सभी प्रकार के उपाय करें। जो लोग सीधे 87126 70564 पर संपर्क करने में असमर्थ हैं, या जानकारी के लिए 100 डायल करें। उन्होंने कहा कि उनका ब्योरा गोपनीय रखा जाएगा।

माधवी ने रेलवे सुरक्षा आयुक्त का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। माधवी, आईआरएसएसई (इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नल इंजीनियर्स) ने रेलवे सुरक्षा आयुक्त, एससीआर, सिकंदराबाद के रूप में कार्यभार संभाला है। वह 1990 बैच की आईआरएसएसई अधिकारी हैं और उनके पास जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीएससी इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स) की डिग्री है। उन्होंने आईआईएम, बेंगलुरु से सार्वजनिक नीति और प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा (पीजीपीपीएम) भी किया। माधवी ने रेलवे में विभिन्न पदों पर काम किया, ज्यादातर निर्माण, रेलवे पीएसयू (आरवीएनएल) और ओपन लाइन में भी। उनके पास बड़ी रेलवे निर्माण परियोजनाओं की योजना, प्रबंधन और निष्पादन और सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्यों को निष्पादित करने का 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्हें 2010 में रेलवे सप्ताह के दौरान महाप्रबंधक पुरस्कार प्राप्त हुआ था और 2016 और 2021 में आरवीएनएल संस्थापक दिवस पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था।

कांग्रेस की जीत तेलंगाना के लोगों की जीत है : दीपेन्द्र हुड्डा

कांग्रेस बिना भेदभाव तेलंगाना का विकास करेगी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भावी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सांसद दीपेन्द्र हुड्डा से दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। करीब एक घंटे तक चली मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न मामलों पर चर्चा की। तेलंगाना के भावी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए श्री हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस और रेवंत की जीत तेलंगाना के सभी लोगों की विजय है। रेवंत ने जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष किया और कांग्रेस हमेशा आम लोगों के साथ रहती है। हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से भी रेवंत की मुलाकात होनी थी, लेकिन भूपेंद्र हुड्डा सीएलपी बैठक में भाग लेने के लिए चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गए थे।

चक्रवात के प्रभाव से कृष्णा नदी पानी से लबालब, प्रकाशम बैराज के 10 गेट हटाए गए

विजयवाड़ा, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मिचौने के प्रभाव के कारण विजयवाड़ा में प्रकाशम बैराज में भारी बाढ़ का पानी घुस गया। पानी अधिकतम जलस्तर 12 फीट से ऊपर बह रहा है। इसके बाद, अधिकारियों ने 10 गेट हटा दिए और 5,960 क्यूसेक पानी निचले इलाकों में छोड़ दिया। ऊपरी इलाकों में हो रही बारिश से बाढ़ का पानी बैराज तक पहुंच रहा है। चक्रवात के कारण आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हुई बारिश के कारण कृष्णा नदी के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण कृष्णाम्मा बाढ़ के पानी में बह रही हैं। ऊपरी इलाकों से आने वाले बाढ़ के पानी के अलावा, जिले भर में भारी बारिश के कारण नदियाँ और नाले उफान पर हैं। इसके चलते कृष्णा नदी पर विजयवाड़ा स्थित प्रकाशम बैराज में बाढ़ आ गई है। चूंकि बैराज की भंडारण क्षमता 3.09 टीएमसी बाढ़ के पानी से अधिक है, इसलिए अधिकारियों ने गेट हटा दिए हैं और अधिशेष पानी को निचले इलाकों में छोड़ दिया है। बुधवार की सुबह 10 बजे तक बैराज पर 12 फीट जल भंडारण रखकर करीब 7 हजार क्यूसेक पानी निचले इलाकों में छोड़ा गया। वर्तमान में, बाढ़ के पानी का प्रवाह 2,908 क्यूसेक है और बहिर्वाह 7,000 क्यूसेक है।

गोदावरी में डूबने से युवक की मौत

निर्मल, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के बासर सरस्वती देवी स्थान गोदावरी के तट घाट पर बुधवार को दर्शन के लिए आए एक श्रद्धालु की स्नान के दौरान दुर्घटनावश गोदावरी में डूबने से युवक की मौत हो गई। मेडचल जिले के गज्जुला टांडा के बहनोई श्रीनिवास के सात नागराजू बासर देवी के दर्शन करने आए थे, वे गोदावरी में स्नान करने गए थे। मृतक नागराजू (35), जिसने सबसे पहले अपना सिर मुंडवाया था, दुर्घटनावश गोदावरी में डूब गया। वहां मौजूद मृतक के बहनोई श्रीनिवास ने अफसोस जताया कि मदद के लिए उनकी पुकार पर किसी ने ध्यान नहीं दिया, अगर कम से कम तैराक होते तो जान बच जाती। मौके पर पहुंची पुलिस आगे की कारवाई में जुटी।

बीआरएस की पराजय के बाद फार्म हाउस के लिए रवाना केसीआर

हैदराबाद, 6 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चुनाव परिणाम में बीआरएस पार्टी की पराजय के बाद पूर्व सीएम केसीआर फार्म हाउस के लिए रवाना हुए। इस संदर्भ में, बीआरएस पार्टी के संबध्द आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना चुनाव में बीआरएस की हार के बाद उक्त पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम केसीआर एर्राविली स्थित अपने फार्म हाउस रवाना हुए। इसके बाद उन्होंने बाहरी गतिविधियों में भाग नहीं लिया। उन्होंने फार्म हाउस में ही बीआरएस विधायकों के साथ बैठक की। दूसरी ओर, केसीआर के पैतृक गांव चिंतामडका के ग्रामीणों ने पूर्व सीएम केसीआर से मिलने उनके फार्म हाउस पहुंचे। चिंतामडका के ग्रामीणों ने केसीआर से वर्तमान विषय पर वार्तालाप किया है।

भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जामबाग के भाजपा पार्षद राकेश जयसवाल। कार्यक्रम में शिव गुत्तेदार, सबिया गुत्तेदार, नरसिंग, अनिल व अन्य।

पूर्व राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी, संस्थापक निदेशक सरोजिनी अकादमी, डीवीएम टीएसआरटीसी जी.आर.किरण,ने आज गुरुकुल स्कूल मोइनाबाद में श्री नायडू, आईआरएस, प्रिंसिपल कमिश्नर और स्वामी सुख वल्लभदास के साथ गुरुकुल ओलंपिक का उद्घाटन किया। 6 से 8 दिसंबर तक चलने वाले इस 3 दिवसीय आयोजन में विभिन्न खेलों में 24 स्कूलों के सात हजार प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

राज्यपाल ने अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलसाई सौदरराजन ने बुधवार को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की पुण्य तिथि के अवसर पर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हैदराबाद में तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर के पास अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं को याद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के लिए अंबेडकर की सेवाएं महान थीं और उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के विकास के लिए कड़ी मेहनत की थी। राज्यपाल ने अंबेडकर के शब्दों को याद किया कि महिलाओं का विकास ही

वास्तविक विकास है और कहा कि वह वंचितों के अधिकारों के समर्थक थे।

हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 466वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान,आगरा के हैदराबाद केंद्र द्वारा महाराष्ट्र राज्य के हिंगोली जिले के माध्यमिक विद्यालय के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 466वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जो 15 दिसंबर तक हैदराबाद केंद्र पर आयोजित किया गया है। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान,आगरा के निदेशक प्रो. सुनील कुलकर्णी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान,हैदराबाद केंद्र की पूर्व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनीता गांगुली उपस्थित थीं। इस दौरान अतिथि अध्यापक पंकज सिंह यादव तथा पाठ्यक्रम संयोजक एवं हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे उपस्थित थे। इस 466वें नवीकरण पाठ्यक्रम के प्रभारी एवं संयोजक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. अनीता गांगुली ने कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी के प्रति,राष्ट्रभाषा के प्रति जो प्रेम दिखाई देता है वह अन्यत्र देखने को नहीं मिलता। प्रो. सुनील कुलकर्णी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए संस्थान द्वारा भारत भर में हिंदीतर क्षेत्र में आयोजित नवीकरण पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में हिंदी अध्यापक हिंदी ध्वनियों के उच्चारण, लेखन, भाषा कौशल एवं भाष शिक्षण, सृजनात्मक लेखन, साहित्य शिक्षण आदि विधाओं पर अद्यतन होने की बात कही। इससे उनकी अध्ययन तथा अध्यापन की क्षमता बढ़ती है। उन्होंने प्रतिभागी अध्यापकों को बताया कि एक रात में पढ़ने से कोई शिक्षक बड़ा नहीं होता है। इसके लिए निरंतर पढ़ने, सुनने की क्षमता को बढ़ाना चाहिए।

अंबेडकर की महत्वाकांक्षा को हासिल करने के लिए काम करना चाहिए : पूर्व विधायक

कुमरम भीम असिफाबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद के पूर्व विधायक आत्रम सक्कू ने कहा कि संविधान में सभी वर्गों के लोगों को अधिकार दिलाने का श्रेय अंबेडकर को जाता है।

कुमराम भीम जिला केंद्र में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की पुण्य तिथि के अवसर पर आसिफाबाद में अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किये गये।

पूर्व विधायक गंगाराम को कांग्रेस पार्टी से बर्खास्त करने की मांग

मदनूर, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व जेडपीटीसी साहेबराव की अध्यक्षता में बुधवार को मदनूर मंडल केंद्र में सयुक्त मदनूर मंडल कोंग्रेज पार्टी कार्यक्रता की सभा बुलाई गई। सभा में कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता मदनूर मंडल मेनूर गांव के सरपंच विट्ठल गुरुजी ने पूर्व विधायक सौदागर गंगाराम के खिलाफ पार्टी हाईकमान को शिकायत करते हुए पार्टी कार्यकर्ता की बैठक में बताया कि जुक्कल विस क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी पूर्व विधायक सौदागर गंगाराम ने विधानसभा आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार लक्ष्मी कांता राव के विरोध में चुनाव प्रचार करते हुए बीआरएस उम्मीदवार को मदत की। इसके कारण कांग्रेस पार्टी हाईकमान को जल्दसे जल्द पूर्व विधायक सौदागर गंगाराम को पार्टी से बर्खास्त करना चाहिए।

17 दिसंबर को होगी बैठक और सभी लोग होंगे शामिल'

इंडिया गठबंधन को लेकर लालू का बड़ा बयान

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन की छह दिसंबर को होने वाली बैठक कैंसिल होने के बाद लालू यादव का बड़ा बयान सामने आया है। लालू यादव ने गठबंधन में कई बड़े नेताओं के शामिल नहीं पर कहा कि,'17 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक होगी और इस होने वाली बैठक में सभी लोग होंगे शामिल। मंगलवार को बक्सर में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से जब ये पूछा गया कि क्या इंडिया गठबंधन की बैठक में कई बड़े नेता शामिल नहीं हो रहे है? पत्रकारों के इस सवाल का जवाब देते हुए लालू ने कहा कि 17 दिसंबर को अब इंडिया गठबंधन की बैठक होने जा रही है जिसमें सभी लोग शामिल होंगे।

टल गई थी इंडिया गठबंधन की बैठक

बता दें कि भाजपा के खिलाफ एकजुट हुए विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की छह दिसंबर को बैठक होने वाली थी जो कैंसिल हो गई है। इस बैठक के कैंसिल होने के पीछे नेताओं के पर्सनल काम बताए जा रहे हैं और कुछ पार्टियों के प्रमुख नेताओं के बैठक में न आ पाने के चलते बैठक को फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया गया है। बैठक के कैंसिल होने के बारे में कहा गया कि सपा नेता अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पहले ही इंडिया की बैठक में जाने में असमर्थता जताई थी। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के नेता एमके स्टालिन ने चक्रवात के कारण पैदा हुए हालात के चलते बैठक में शामिल नहीं हो सकते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अस्वस्थता का हवाला दिया है। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी परिवार के एक कार्यक्रम में व्यस्त रहेंगी और बैठक में नहीं आ पाएंगी।

गठबंधन की तीन बैठकें हो चुकी हैं

कांग्रेस ने पहले कहा कि गठबंधन की बैठक छह दिसंबर को शाम छह बजे होगी, फिर बाद में इसके कैंसिल होने की खबर आई। यह बैठक ऐसे समय होने जा रही थी जब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम के हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को करारी हार मिली है। बता दें कि इंडिया गठबंधन की अब तक तीन बैठकें पटना, बंगलूरू और मुंबई में हो चुकी हैं। गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन भी किया गया था।

फेसबुक पर दोस्ती कर युवकों को ब्लैकमेल करने वाली लड़की का आतंक, कोर्ट ने दिए एफआईआर दर्ज करने के आदेश

रामपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। फेसबुक पर दोस्ती कर युवकों को फंसाकर ब्लैकमेल करने वाली एक युवती अब खुद फंस गई है। पीड़ित युवक की शिकायत पर सुनवाई के बाद अदालत ने युवती और उसके साथियों के खिलाफ प्राथमिकी के आदेश दिए हैं। मिलक कोतवाली के ग्राम जालिफनगला गांव के एक युवक ने अदालत में अपने अधिवक्ता फजले अहमद रसूल के माध्यम से प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें कहा था कि 12 सितंबर 2020 को उसकी दोस्ती शिवानी नाम की युवती से हुई। बाद में दोनों की फोन पर बातचीत होने लगी। युवती फोन पर अश्लील बातें कर उन्हें रिकार्ड करने लगी।

आखिर शिक्षा मंत्री से भी अधिक पावर में कैसे रहते हैं केके पाठक?

कौन-कौन से फैसले लेने का है उनके पास अधिकार

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक इन दिनों विभिन्न जिलों के अलग-अलग स्कूलों का निरीक्षण कर रहे हैं। लापरवाह शिक्षकों पर शिकंजा कसने के लिए ताबड़तोड़ कड़े फैसले ले रहे हैं। शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति से लेकर स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर भी प्रधानाध्यापकों को सख्त चेतावनी देते रहते हैं। तो चलिए जानते हैं कि आखिर केके पाठक, शिक्षा मंत्री से भी अधिक पावर में कैसे रहते हैं? उनका कोई कुछ बिगाड़ क्यों नहीं पा रहा है? केके पाठक के पास कौन कौन से फैसले लेने का है अधिकार? दरअसल, केके पाठक बिहार में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं और वह सीधे सीएम नीतीश कुमार को रिपोर्ट करते हैं। यानी सीएम नीतीश कुमार के निर्देश पर ही वह काम करते हैं। नीतीश कुमार ने 2 नवंबर को नियुक्ति पत्र बांटते समय खुले मंच से उनकी प्रशंसा की थी। नीतीश कुमार की प्रशंसा से यह साफ तौर पर स्पष्ट हो गया कि केके पाठक को शिक्षा विभाग से जुड़े किसी भी तरह के फैसले लेने की खुली छूट दे दी गई है। यानी वह शिक्षकों पर किसी भी तरह की कार्रवाई कर सकते हैं। इसलिए बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर, चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते हैं।

आरजेडी नेता शिवानंद तिवारी को 1 साल की कैद

जदयू कोटे के मंत्री को अपशब्द कहने की मिली सजा

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में जदयू कोटे के मंत्री संजय झा को अपशब्द कहना राजद नेता शिवानंद तिवारी को महंगा पड़ गया है। मानहानि के केस में शिवानंद तिवारी को एक साल की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही कोर्ट ने 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। मंगलवार को पटना के एमपी एमएलए कोर्ट में मानहानि केस में सुनवाई हुई। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने राजद नेता को दोषी पाया। इसके बाद उनके खिलाफ सजा और लगाए गए जुर्माने का एलान किया। इसकी पुष्टि संजय झा के वकील मधुकर आनंद ने की है।

2018 का है मामला

दरअसल, यह पूरा मामला साल 2018 का है। बिहार में जदयू और बीजेपी गठबंधन की सरकार थी। राजद विपक्ष में थी। शिवानंद तिवारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया, जिसमें अपनी बातों को रखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और संजय झा के बीच के रिश्तों पर कटाक्ष करते हुए अपशब्द कह दिया। इसे संजय झा ने गंभीरता से लिया और शिवानंद तिवारी के खिलाफ मानहानि का केस किया।

30 दिन के अंदर लेनी होगी रेगुलर बेल

वकील मधुकर आनंद ने बचाया कि साल 2019 में यह केस ट्रायल पर आया। इसके बाद लगातार सुनवाई शुरू हुई, जो अब तब चली। मंगलवार को भी सुनवाई हुई और 15 मिनट तक सुनवाई चली। इस दौरान राजद नेता शिवानंद तिवारी मौजूद थे। मधुकर आनंद ने कहा कि शिवानंद को सजा सुनाने के बाद राहत भी दे दी है, जिससे उन्हें जेल नहीं जाना पड़ा। कोर्ट ने उनके वकील की अर्जी पर 21 दिनों का प्रोविजनल बेल दे दिया। अब उन्हें डिस्ट्रिक्ट जज के यहां रेगुलर बेल के लिए अप्लाई करना होगा और 30 दिनों के अंदर रेगुलर बेल लेना होगा, अन्यथा जेल जाना पड़ेगा।

ओपी राजभर के लिए सीएम योगी से सिफारिश करेंगे सपा नेता शिवपाल यादव

लखनऊ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी नेता शिवपाल यादव पूर्वांचल के बलिया के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। तभी मीडिया ने उनसे सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के मंत्री बनने के दावों पर सवाल पूछा। इसपर सपा नेता ने तंज भरे लजहे में सिफारिश करने की बात कह डाली। शिवपाल यादव से जब ओम प्रकाश राजभर के मंत्री बनने से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'एक बार फिर हम महाराज जी से उनके लिए सिफारिश कर देंगे कि जल्दी इन्हें दे दो।' इस दौरान उन्होंने विधानसभा चुनाव में हार पर कहा, 'जो भी रिजल्ट आया है वो जनता का जनादेश है। इसे सबको स्वीकार करना पड़ेगा, सबको स्वीकार करना चाहिए। हमलोग भी इसे स्वीकार कर रहे हैं।' सपा नेता ने कहा, 'इंडिया गठबंधन 2024 के लिए ही बना है। हम 2024 के लिए सभी दलों से बातचीत करेंगे और 2024 की तैयारी करेंगे। पहले तो कांग्रेस को इससे सबक लेना चाहिए। सभी को सबक लेना चाहिए और इंडिया गठबंधन को मजबूत करके ही चुनाव लड़ना चाहिए। हार की सभी लोग समीक्षा कर लेंगे। हमलोग भी समीक्षा करेंगे।'

बता दें कि सुभासपा बीते जुलाई महीने में एनडीएम में शामिल हो गई थी। एनडीए में शामिल होने के बाद से ही ओम प्रकाश राजभर के मंत्री बनने की चर्चा है। हालांकि दारा सिंह चौहान की उपचुनाव में हार के बाद तमाम अटकलें चली थीं। लेकिन इसके बाद भी ओपी राजभर कई मौकों पर मंत्री बनने का दावा कर चुके हैं।

भाई के साथ पत्नी को देखा तो पति ने खोया आपा, तो भाई कर दिया कत्ल

मेरठ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ में पॉश कॉलोनी में ट्रांसपोर्टर की मर्डर मिस्ट्री में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक भाई ने ही भाई का कत्ल किया था। मृतक के अवैध संबंध हत्यारे बड़े भाई की पत्नी से थे। कुछ दिन पहले आरोपी ने दोनों को रंगे हाथ भी पकड़ लिया गया था, जिसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी को मायके भेज दिया और इसी दौरान भाई का कत्ल कर दिया। मामला मेरठ के थाना ब्रह्मपुरी क्षेत्र के सुपरटेक ग्रीन विलेज सोसायटी का है, जहां पर एक फ्लैट में ट्रांसपोर्टर की लाश मिलने से हड़कंप मच गया था। दो दिन पहले पुलिस ट्रांसपोर्टर विक्की की मर्डर मिस्ट्री में उलझ गई थी।

फेसबुक के माध्यम से हुआ प्यार, प्रेमी संग फरार प्रेमिका हुई गिरफ्तार

बेगूसराय, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। फेसबुक के माध्यम से हुई दोस्ती फिर हुआ प्यार, फिर साथ जीने मरने की कसमें खाकर कर ली शादी और फिर हुई प्रेमिका अपने प्रेमी संग हो गई फरार। इस मामले में जीआरपी पुलिस ने बरौनी जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या-सात के पश्चिमी क्षेत्र से प्रेमी एवं प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। बरौनी जीआरपी थानाध्यक्ष राम बच्चन सिंह ने बताया कि रांची पुलिस के द्वारा सूचना मिली की डोरंडा थाना कांड संख्या-23 का फरार अभियुक्त रांची से बरौनी ट्रेन के माध्यम से गया है। सूचना के आलोक में जीआरपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रांची निवासी 17 वर्षीय रूनी खातून एवं समस्तीपुर जिला के खानपुर निवासी 20 वर्षीय चंदन कुमार को प्लेटफार्म के पश्चिमी छोर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि फेसबुक के माध्यम से दोनों में दोस्ती हुई और बात शादी करने तक पहुंची। इसी दौरान पानीपत में काम करने वाला प्रेमी रांची पहुंचा तथा प्रेमिका को लेकर बरौनी जंक्शन पहुंचा। जहां से देर शाम में बरौनी-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन से जाने की फिराक में था।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाकर

डीजीपी को धमकाने वाले आईपीएस आदित्य कुमार ने किया कोर्ट के सामने सरेंडर

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले के पुलिस कप्तान रहे भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी आदित्य कुमार ने आखिरकार कोर्ट से सामने सरेंडर कर दिया है। निलंबित आईपीएस आदित्य कुमार पर आरोप है कि जब वो गया के एसएसपी पद पर तैनात थे तो उन्होंने अपने विभाग के सबसे वरिष्ठ अधिकारी यानी बिहार पुलिस के महानिदेशक को धमकाने के लिए साजिश रची थी। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा चौंकाने वाला तथ्य यह था कि तत्कालीन गया एसएसपी आदित्य कुमार ने तत्कालीन डीजीपी और उस वक्त के अपने बॉस एसके सिंघल को हड़काने के लिए तत्कालीन पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल बनवाया और उसके जरिये फोन करके अपने खिलाफ चल रही विभागीय जांच को प्रभावित कराने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक इस मामले में पुलिस जांच का सामने कर रहे आईपीएस आदित्य कुमार फरार चल रहे थे लेकिन आखिरकार उन्हें कानून की दहलीज पर आना पड़ा और खुद को कोर्ट के सामने पेश करना पड़ा। उन्होंने बीते मंगलवार को पटना की एक कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। आदित्य कुमार साल 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, जो लगभग एक साल से अधिक समय से फरार थे और बिहार पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी। फरारी के दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका दायर की थी लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार करते हुए दायर याचिका को खारिज कर दिया था। आईपीएस आदित्य कुमार का केस बेहद अनोखा है

क्योंकि उन्होंने अपने ही विभाग के मुखिया यानी डीपीपी को हड़काने के लिए ऐसी साजिश रची, जिसके खुलासे के बाद पूरे महकमे में हड़कंप मच गया था। आदित्य कुमार ने कथित तौर पर पटना हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस संजय करोल की तस्वीर वाला एक फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट तैयार किया और उसके माध्यम से बिहार के तत्कालीन डीजीपी एसके सिंघल को अपने घौंस में लेने की कोशिश की थी। उन पर आरोप है कि पटना हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस संजय करोल की तस्वीर वाला एक फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट से उन्होंने डीजीपी को कॉल किया और शराब माफियाओं के साथ कथित संलिप्तता के संबंध में उनके खिलाफ चल रहे विभागीय जांच को खत्म करने के लिए दबाव डाला। आईपीएस कुमार का भेद खुला तो वह फरार हो गये और गिरफ्तारी से बचने के लिए निचली अदालतों से जमानत याचिका दायर की लेकिन वहां से याचिका खारिज होने के बाद वो सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन शीर्ष अदालत ने भी याचिका खारिज कर दी और आईपीएस अधिकारी को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था।

मायावती ने अम्बेडकर को याद कर बीजेपी पर बोला हमला

कहा- 81 करोड़ का सरकारी अन्न से पेट पालना नहीं था आजादी का सपना

लखनऊ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने 81 करोड़ लोगों का सरकारी अन्न से पेट पालने को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। मायावती ने कहा कि ये आजादी का सपना नहीं था। कहा कि कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहेब डा। भीमराव अम्बेडकर ने ऐसा नहीं सोचा था। लगभग 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछड़ों सहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निर्माता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डा। भीमराव अम्बेडकर को आज उनके परिनिर्वाण दिवस पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित।

किन्तु देश के 81 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के मोहताज का जीवन बना देने जैसी दुर्दशा ना यह आजादी का सपना था और ना ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहेब डा। भीमराव अम्बेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति-दुःखद। देश में रोटी-रोजी के अभाव एवं महंगाई की मार के कारण आमदनी अठन्नी भी नहीं पर खर्चा रुपया होने के कारण गरीब, मजदूर, छोटे व्यापारी, किसान, मध्यम वर्ग सहित सभी मेहनतकश समाज की हालत त्रस्त व चिन्तनीय, जबकि संविधान को सही से लागू करके उनकी हालत अब तक काफी संवर जानी चाहिए थी।

एचसी की लखनऊ खंडपीठ ने

रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भईया की पत्नी भानवी सिंह को दी बड़ी राहत, नहीं होगी गिरफ्तारी

लखनऊ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पूर्व मंत्री व कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह की पत्नी भानवी सिंह के खिलाफ लखनऊ के हजरतगंज थाने में दर्ज मामले में उन्हें गिरफ्तारी से राहत दे दी है। कोर्ट ने विवेचनाधिकारी को आदेश दिया है कि इस मामले में सभी धाराएं सात वर्ष से कम सजा की हैं, लिहाजा सभी आवश्यक बयान दर्ज किए जाएं व अरनेश कुमार मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिए दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। इस आदेश के साथ पीठ ने याचिका को निस्तारित करते हुए प्राथमिकी को खारिज करने से इन्कार कर दिया है। यह आदेश जस्टिस संगीता चंद्रा व जस्टिस एनके जौहरी की पीठ ने भानवी कुमारी सिंह की याचिका पर पारित किया है। याची भानवी सिंह ने अपने खिलाफ हजरतगंज थाने में साजिश, मानहानि और महिला की गरिमा का अपमान करने संबंधी धाराओं में दर्ज प्राथमिकी को रद करने की मांग की थी। प्राथमिकी में साध्वी सिंह ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन भानवी सिंह ने एक न्यूज चैनल के वाइस चेयरमैन, पत्रकार व एंकर के साथ मिलकर उनका सामाजिक व चारित्रिक हनन किया है। याची की ओर से कोर्ट में दलील दी गई कि वह न्यूज चैनल के किसी भी व्यक्ति से नहीं मिली और खबर के लिए जिम्मेदार सिर्फ चैनल है। हालांकि बहस के दौरान पीठ ने याची के अधिवक्ता से पूछा कि याची के बयान के आधार पर ऐसी खबर प्रसारित करने के लिए क्या उसकी ओर से चैनल के विरुद्ध कोई शिकायत की गई। इस पर याची के अधिवक्ता ने स्वीकार किया कि चैनल के विरुद्ध कोई शिकायत नहीं की है। इस पर पीठ ने कहा कि यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि याची उक्त चैनल पर प्रसारित सामग्री के लिए जिम्मेदार है अथवा नहीं। हालांकि कोर्ट ने मामले में लगी धाराओं को देखते हुए, अरनेश कुमार मामले में दिए दिशा-निर्देशों का पालन करने का आदेश दिया

नेत्र चिकित्सक ने पत्नी और दो बच्चों को मारकर की आत्महत्या

रायबरेली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जनपद के एक नेत्र चिकित्सक ने देर रात पत्नी और दो बच्चों को मौत के घाट उतारने के बाद खुदकुशी कर ली। इस दिल दहला देने वाली घटना के सामने आते ही पुलिस विभाग में हड़कम्प मच गया और जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी अन्य पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। फोरेंसिक टीम ने जाँच पड़ताल की। बताया जा रहा है चिकित्सक मानसिक रूप से परेशान थे, जिसके कारण उसके द्वारा यह कदम उठाया। जिले के मार्डन रेल कोच फैक्ट्री में 2017 बैच के असिस्टेंट डिवीजन मेडिकल ऑफिसर (आई स्पेशलिस्ट) डॉ अरुण सिंह अपने परिवार के साथ रह रहे थे। इन दिनों डॉक्टर डिप्रेशन की बीमारी से ग्रस्त थे। मौत से पहले कई तरह के इंजेक्शन लेने की बात सामने आई है। प्रथम दृष्टया बच्चों को नशे की कुछ चीजें खिलाकर बेहोश किया गया। जिसके बाद उनके सिर पर प्रहार करके मारा गया। फिर डॉक्टर द्वारा अपनी नशों को काटने का भी प्रयास किया गया। सफल न होने पर बाद में डॉक्टर ने कुर्सी की मदद से खुद को फांसी लगा ली। मौके पर 2 बच्चों के साथ साथ डॉक्टर की पत्नी का शव भी बरामद हुआ हैं। बच्चों में एक लड़की है, जिसकी उम्र 12 वर्ष है। तो वहीं लड़के की उम्र 4 साल बताई जा रही है। पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़ कर अंदर प्रवेश किया। पुलिस द्वारा बताया जा रहा है कि कई दिनों से उक्त चिकित्सक अस्पताल नहीं गए और ना ही किसी प्रकार का संपर्क हो पा रहा था। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई

ज्ञानवापी में नमाज पढ़ने के हक का पुराना निर्णय स्वामित्व विवाद में बाध्यकारी नहीं, हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

प्रयागराज, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि ज्ञानवापी में नमाज पढ़ने के अधिकार का वर्ष 1940 में दिया निर्णय स्वामित्व विवाद में बाध्यकारी नहीं है। सुनवाई के दौरान मस्जिद पक्ष की तरफ से दीन मोहम्मद केस का उल्लेख करते हुए कहा गया कि हाई कोर्ट से 1940 में ज्ञानवापी में नमाज पढ़ने का अधिकार मिला था। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि वह अलग मुद्दा था। इस मामले में वह फैसला बाध्यकारी नहीं होगा। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी स्वयंभू विश्वेश्वर नाथ मंदिर के स्वामित्व के संबंध में वाराणसी जिला अदालत में दाखिल घोषणात्मक सिविल वाद की पोषणीयता मामले की सुनवाई हाई कोर्ट में शुरू हुई। मामले में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से याचिकाएं दाखिल की गई हैं।

इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने कोर्ट को बताया कि 1936 में ज्ञानवापी मस्जिद में नमाज पढ़ने को लेकर दीन मोहम्मद ने राज्य सरकार के खिलाफ सिविल वाद दायर किया था। राहत न मिलने पर हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने 1940 में ज्ञानवापी में नमाज पढ़ने का अधिकार दिया था। कोर्ट में दीन मोहम्मद केस में दिया गया यह फैसला पढ़ा गया। प्रकरण में अगली सुनवाई सात दिसंबर को सुबह 10 बजे से होगी। वक्फ बोर्ड के अधिवक्ता पुनीत गुप्ता का कहना था कि वाराणसी की जिला अदालत में 1991 में दाखिल मुकदमे की पोषणीयता पर याचीगण की तरफ से प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट 1991 के तहत आदेश सात नियम 11 के तहत आपत्ति दाखिल की गई। अर्जी तय न कर वाद बिंदुओं पर सुनवाई करने के आदेश को चुनौती दी गई। हाई कोर्ट ने 17 मार्च 2020 को केस की सुनवाई पर रोक लगा दी और मंदिर पक्ष से जवाब मांगा। दोनों पक्षों की बहस के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया गया। इसी बीच वाराणसी की अदालत ने एक अर्जी पर सर्वे का आदेश दिया।

इसे भी हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट ने सर्वे कराने के आदेश पर रोक लगा रखी है। इसी बीच अधीनस्थ अदालत के आदेश पर कोर्ट कमिश्नर भेजा गया। इस दौरान कथित शिवलिंग का पता चला। सुप्रीम कोर्ट ने उक्त स्थल को सीज कर दिया है। कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट पर हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप न होने के बाद वैज्ञानिक सर्वे किया जा रहा है। सर्वे अर्थहीन हो चुका है।

वाद मंजूर हुआ तो मस्जिद हटा दी जाएगी

मसाजिद कमेटी इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने कहा, ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी गणेश हनुमान मंदिर व दृश्य अदृश्य सभी देवताओं के पूजा अधिकार को लेकर 2021 में राखी सिंह व चार अन्य महिलाओं ने सिविल वाद दायर किया। इसकी पोषणीयता पर भी आपत्ति की गई। इसे अधीनस्थ अदालत ने खारिज कर दिया। यह आदेश हाई कोर्ट से बरकरार रहा। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित है। उन्होंने कहा कि 2021 व 1991 के केस का संबंध एक ही संपत्ति से है। यदि वाद मंजूर होता है तो ज्ञानवापी मस्जिद हटा दी जाएगी, जो प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट के खिलाफ होगा।

क्या है दीन मोहम्मद केस

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में नमाज पढ़ने का अधिकार मुस्लिम पक्ष को दीन मोहम्मद की याचिका पर वर्ष 1940 में दिया था।

बुलंदशहर पुलिस की बदमाश से मुठभेड़, पैर में लगी गोली; हत्या के प्रयास में वांछित था शातिर

बुलंदशहर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे बदमाश से पहासू थाना पुलिस व स्वाट टीम की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया। पहासू थाना प्रभारी अंकित चौहान ने बताया कि मंगलवार रात को वह थाना पुलिस व स्वाट टीम के साथ मुखबिर की सूचना मिलने के बाद खेड़ा नहर के निकट संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान एक बाइक पर संदिग्ध व्यक्ति उन्हें आता हुआ दिखाई दिया। जिसे पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी दिखाकर रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश बाइक को तेजी से भागने लगा। पुलिस द्वारा बदमाश का पीछा किया गया, तो गांव नगला खुशहाल बंबे की पटरी के निकट उसकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने दी संसद पर हमले की धमकी

दिल्ली पुलिस अलर्ट; बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने भारत पर हमले का धमकीभरा एक और वीडियो जारी किया है। वीडियो में पन्नूं ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने उसकी हत्या की साजिश रची थी, जो नाकाम हुई। अब वह इसके जवाब में 13 दिसंबर को संसद भवन पर हमला करेगा। इस धमकी के बाद से देश की राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को और बढ़ा दिया गया है। दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड पर है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि संसद और उसके आसपास सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा, "किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, जब संसद चल रही होती है तो हम सतर्क रहते हैं। हम किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरी दिल्ली में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता रखने वाले पन्नूं ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें संसद भवन पर हमले के दोषी अफजल गुरु के साथ वाला एक पोस्टर भी जारी किया है। इस पोस्टर पर लिखा है- 'दिल्ली बनेगा पाकिस्तान'। बता दें, अफजल गुरु को साल 2013 में फांसी दी गई थी। वहीं, एसएफजे के आतंकियों की ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियां ने कमर कस ली है। वह सुरक्षा बढ़ाने में जुट गई है। साथ ही इस वीडियो का सच भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं।

पहले भी धमकी दे चुका है पन्नूं

इससे पहले भी खालिस्तानी आतंकी पन्नू गीदड़ भभकी दे चुका है। उसने सिख लोगों से 19 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट से यात्रा न करने के लिए कहा था। उसने कहा था कि अगर एयर इंडिया से यात्रा करेंगे तो आपकी जान खतरे में पड़ जाएगी। पन्नूं ने आगे दावा किया था कि दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट 19 नवंबर को बंद रहेगा और इसका नाम बदल दिया जाएगा।

पाकिस्तान में मारा गया लश्कर प्रमुख हाफिज सईद का सहयोगी हंजला अदनान, अज्ञात बंदूकधारियों ने घर के बाहर गोलियों से भूना

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी हंजला अदनान की पाकिस्तान के कराची में अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा हत्या कर दी गई। हजला ने 2015 में जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बीएसएफ के काफिले पर हमले की साजिश रची थी। वह 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड लश्कर प्रमुख हाफिज सईद का करीबी माना जाता था। अज्ञात बंदूकधारियों ने अदनान को 2 और 3 दिसंबर की रात को उसके आवास के बाहर गोली से भून दिया। अदनान के शरीर में चार गोलियां लगी थीं।

पाकिस्तानी सेना ने पहुंचाया अस्पताल

सूत्रों के मुताबिक, लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी को पाकिस्तानी सेना गुप्त रूप से कराची के एक अस्पताल में ले गई। इलाज के बीच 5 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। हाल ही में, हंजला अदनान ने अपना ऑपरेशन बेस रावलपिंडी से कराची स्थानांतरित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 2015 में, हंजला अदनान ने उधमपुर में बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के काफिले पर हमले की साजिश रची थी। इस हमले में 2 बीएसएफ सैनिक मारे गए और 13 अन्य जवान घायल हुए थे।

बीएसएफ काफिले पर हमले की रची थी साजिश

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बीएसएफ काफिले पर हमले की जांच कर आरोप पत्र दायर किया था। लश्कर के शीर्ष आतंकवादी अदनान ने 2016 में जम्मू-कश्मीर के पंपोर इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले पर आतंकी हमले का समन्वय किया था। इस हमले में 8 सीआरपीएफ जवानों की जान चली गई और 22 अन्य घायल हुए थे।

टोहाना में गोल्डन सपा सेंटर पर पुलिस की रेड

पंजाब की महिलाओं को लाकर करवाया जाता था अनैतिक काम

फतेहाबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। फतेहाबाद के टोहाना शहर थाना पुलिस ने टोहाना के चंडीगढ़ रोड स्थित गोल्डन सपा सेंटर पर छापेमारी करते हुए मालिक व मैनेजर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार डीएसपी शमशेर सिंह के पास सूचना आई थी कि मैनेजर पूजा व जींद के रहने वाले विकास पंजाब से महिलाओं को लाकर अनैतिक काम करवाते हैं। देह व्यापार का गोरखधंधा स्पा सेंटर के नाम पर चल रहा है। डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आगामी कार्रवाई करते हुए एक नकली ग्राहक तैयार किया और एक हजार रुपये देकर स्पा सेंटर में भेजा। जिस नकली ग्राहक को भेजा गया, उसे दो महिलाएं मिली। जिन्होंने फर्जी ग्राहक से एक हजार रुपये लेकर अनैतिक काम के लिए हामी भर दी। इसी बीच नकली ग्राहक ने पुलिस को इशारा कर दिया। पुलिस की टीम ने दबिश देकर जांच की। महिलाओं से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि मैनेजर व मालिक जबरदस्ती उनसे यह गलत काम करवाते हैं। पुलिस ने वहां से 2700 रुपये की नकदी बरामद की है। मैनेजर पूजा व मालिक विकास के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीएसपी शमशेर सिंह ने बताया कि गोल्डन स्पा सेंटर पर छापेमारी की गई है। यहां पंजाब से महिलाओं को लाकर अनैतिक काम करवाया जाता था। मैनेजर व मालिक पर केस दर्ज कर लिया गया है। आगामी जांच जारी है।

तूफान की वजह से तमिलनाडु का हुआ भारी नुकसान

सीएम स्टालिन ने केंद्र से राहत कोष के लिए मांगे 5060 करोड़

चेन्नई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। चक्रवात तूफान मिचौंग ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, नदियां-नहरें और तालाब उफान पर हैं। राज्य में हजारों एकड़ फसलें डूब गई हैं। चक्रवात तूफान की वजह से दोनों राज्यों में हुए नुकसान पर केंद्र सरकार भी नजर बनाई हुई है। इसी बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर चक्रवात मिचुआंग के बाद हुए नुकसान के लिए 5060 करोड़ रुपये की तत्काल अंतरिम राहत निधि की मांग की।

सीएम ने नुकसान की समीक्षा के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने का किया अनुरोध

इसके अलावा उन्होंने पीएम से राज्य में चक्रवात के कारण हुए नुकसान की समीक्षा के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने का भी अनुरोध किया। यह पत्र दिल्ली में डीएमके सांसद टीआर बालू द्वारा व्यक्तिगत रूप से पीएम मोदी को दिया जाएगा।

चक्रवात की वजह से 17 लोगों की मौत

तमिलनाडु के चेन्नई और आसपास के इलाकों में सोमवार को आए मिचौंग के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इसके साथ ही मंगलवार को चेन्नई और उसके आसपास के जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया।

32 साल की विधायक ने चुनाव जीतते ही छेड़ी बड़ी लड़ाई, बताया अपना फ्यूचर एजेंडा

बेरिल वेनिसांगी

आइजोल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मिजोरम में पहली बार तीन महिलाएं विधायक चुनी गई हैं। इनमें से एक महिला का नाम बैरिल वेनिसांगी है। बेरिल मिजोरम की सबसे कम उम्र की महिला विधायक हैं। जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेपीएम) की बेरिल आइजोल दक्षिण-आईआईआई सीट से जीत हासिल की है। चुनाव जीतते ही उन्होंने मिजोरम में एक बड़ी लड़ाई छेड़ दी है।

चुनाव जीतने के बाद बेरिल ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा बेरिल ने कहा कि महिलाओं के लिए कोई जेंडर बार नहीं है। वह कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र हैं। बैरिल ने कहा कि महिलाएं अपनी पसंद का कुछ भी करने और अपने जुनून को पूरा करने के लिए कुछ भी कर सकती हैं। बैरिल ने आगे कहा कि वह सभी महिलाओं से यही कहना चाहती हैं तो वह लिंग भेद से बाहर निकलें। जेंडर जैसी चीजें हमें कुछ भी करने से नहीं रोक सकती। हम जो हासिल करना चाहते हैं कर सकते हैं। इसमें जेंडर बाधा नहीं बन सकती। मैं यह कहना चाहती हूं अगर महिलाएं कुछ हासिल करना चाहती हैं तो वे करें। बता दें कि बेरिल ने एमएनएफ के एफ लालनुनमाविया को 1414 वोटों से हराया। बेरिल को 9370 वोट मिले।

भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार से दूर रहने की सलाह

बैरिल ने आगे बताया कि मैं अपनी जीत उन लोगों को समर्पित करती हूं, जिन्होंने बदलाव के लिए वोट किया। लोग यहां परिवर्तन चाहते थे, जो सभी क्षेत्रों में विकास ला सके। इसलिए मैं इस जीत का श्रेय उन सभी लोगों को देना चाहूंगी, जिन्होंने हमारे पक्ष में मतदान किया। उन्होंने कहा कि मैं हर किसी से यही आग्रह करती हूं कि वे व्यक्तिगत एहसान, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार से दूर रहते हुए राज्य की बेहतरी और विकास के लिए हमारे साझा प्रयास में आगे आएं और हमारे साथ हाथ मिलाएं। बैरिल ने सभी से ईमानदारी के रास्ते पर चलने की अपील की। राजनीति में आने से पहले बैरिल मॉडल थीं। उन्होंने एंकर और रेडियो जॉकी के रूप में भी काम किया है।

बेरिल वेनिसांगी

जेपीएम ने 27 सीटों पर दर्ज की जीत

बता दें कि मिजोरम की 40 सीटों पर 7 नवंबर को मतदान हुआ था। चार दिसंबर को नतीजे आए। नतीजों में जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी ने शानदार जीत मिली। जेपीएम ने 27 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, सत्ताधारी पार्टी एमएनएफ महज 10 सीटों पर ही सिमट गई। इसके अलावा बीजेपी ने 2 सीटें जीती हैं जबकि कांग्रेस के खाते में एक सीट नसीब हुई है। बता दें कि 8 दिसंबर को मिजोरम में शपथ ग्रहण समारोह होगा। लादुहोमा मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या पर बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह बोले- 'हत्या दुर्भाग्यपूर्ण, कानून व्यवस्था पर भरोसा रखें'

गोंडा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में मंगलवार को अज्ञात हमलावरों ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के घर में घुसकर उन पर गोलियां चला दीं। पुलिस के अनुसार गोगामेड़ी की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। उनकी हत्या पर बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह और बीजेपी नेता पंजय सिंह ने दुख जताया है। इस हत्याकांड के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीजेपी सांसद हत्याकांड पर कहा, 'राजपूत समाज के लिए हमेशा अग्रणी रहने वाले राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुखदेव सिंह गोगामेड़ी जी की हत्या की खबर सुन, दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं ईश्वर से पुण्य दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं।

बर्फबारी और भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड में बर्फबारी हो रही है। आने वाले 24 घंटे में कई जगहों पर बर्फबारी हो सकती है। इसके असर से मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ गई है। वहीं, दक्षिणी भारत में मिचौंग चक्रवात की वजह से कुछ राज्यों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश हो सकती है। बारिश का सबसे ज्यादा असर चेन्नई में दिख सकता है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भी बारिश की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में बारिश के आसार

मिली जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर और अन्य हिस्सों में मंगलवार को बेमौसम हल्की बारिश हुई। जिससे तापमान में गिरावट आई। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मिचौंग चक्रवाती तूफान के कारण राज्य के दुर्ग, बिलासपुर, बस्तर और रायपुर संभाग में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य के पेंड्रारोड में सबसे कम 16.8 डिग्री सेल्सियस और दंतेवाड़ा में सबसे ज्यादा 26.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में हल्की या मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है जबकि राज्य के कुछ स्थानों पर भारी बारिश और गरज के साथ ही तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे राज्य में तापमान में गिरावट आने की संभावना है।

कश्मीर में ठंड का प्रकोप बढ़ा

कश्मीर में घाटी के ज्यादातर हिस्सों में पारा शून्य से नीचे चले जाने के साथ ही ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अमरनाथ यात्रा के आधार शिविरों में शामिल दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम में पारा शून्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। यह सोमवार रात को घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा। अधिकारियों ने बताया कि बारामूला जिले में गुलमर्ग में तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि श्रीनगर में पांच दिन में पहली बार न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि काजीगुंड में शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग ने बताया कि आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम 10 दिसंबर तक मुख्यतः शुष्क रहेगा।

दिल्ली का मौसम

दिल्ली-एनसीआर में भी सर्दी बढ़ गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में है। दिल्ली, नोएडा समेत एनसीआर में सुबह हल्का कोहरा पड़ रहा है। 10 दिसंबर तक मध्यम स्तर का कोहरा पड़ने की उम्मीद है।

देश के अन्य भागों का मौसम

यूपी, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश देश के ज्यादातर इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा। इन राज्यों में सर्दी पड़ी रही है। सुबह-शाम कोहरा भी पड़ रहा है। आने वाले 24 घंटे के दौरान मौसम में कोई खास बदलाव की उम्मीद नहीं है।

4 मिनट में बैंक से 16 लाख पार

एसपी पुलिस टीम के साथ हथियार लेकर ताकते रहे, पीछे के दरवाजे से लुटेरे फरार

आरा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भोजपुर जिला के नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा मोड़ स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में बुधवार सुबह लगभग 11 बजे सात-आठ हथियारबंद अपराधी लूटपाट की नीयत से घुसे। जिसके बाद पुलिस ने बैंक को सामने से घेर लिया। गोलीबारी की आशंका को देखते हुए बुलेट प्रूफ जैकेट भी मंगवा लिए। 16 लाख रुपये लूटकर पिछले रास्ते से भागे लुटेरे, ताकते रहे एसपी लेकिन इसी बीच लुटेरे कैश काउंटर से 16 लाख रुपये लूटकर बैंक में ताला मार पिछले रास्ते से भाग गए। अपराधी सुबह करीब 10.50 बजे ग्राहक बनकर बैंक में घुसे और कैशियर को पिस्टल की नोंक पर कब्जे में ले लिया। बैंक के बाहर हथियार के साथ पुलिस की टीम

घटना के वक्त 14 स्टाफ बैंक में थे मौजूद

घटना के वक्त बैंक में मैनेजर असहर काजी समेत 14 स्टाफ मौजूद थे। फिलहाल एसपी प्रमोद यादव बैंक के अंदर हैं। वे मैनेजर व अन्य कर्मियों से पूछताछ कर रहे हैं।

महज चार मिनट में बैंक से ऐसे लूट लिए 16 लाख रुपये

लुटेरे इतने शातिर थे कि महज चार मिनट के अंदर करीब 16 लाख रूपये लूट लिए और आराम से फरार हो गए। इस दौरान बैंक मैनेजर समेत अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की। अपराधी करीब पांच की संख्या में थे। उम्र करीब 20से 21साल के आसपास थी। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव और एएसपी चन्द्र प्रकाश ने बैंक पहुंच पूरे मामले की जांच की। अपराधियों में एक नकाब लगाए था। जबकि अन्य बिना मुंह बांधे हुए थे। यह घटना सुबह करीब 10:15 बजे के आसपास की है। इधर, एसपी ने पुष्टि करते हुए बताया कि पांच अपराधी हथियार के साथ घुसे थे और बैंक कर्मियों को एक रूम में बंद कर दिया था और काउंटर पर रखे करीब 16 लाख रुपए लेकर फरार हो गए।

बैंक कर्मियों ने पुलिस को फोन से सूचना दी

बैंक कर्मियों ने थोड़ी देर बाद पुलिस को फोन से सूचना दी कि अपराधी बैंक के अंदर हैं, इस पर पुलिस ने बैंक को घेर कर अंदर घुसी तो बैंक कर्मियों को निकाला गया और फुटेज चेक करने का पता चला कि अपराधी बैंक कर्मियों को एक रूम में बंद करते हुए साढ़े 16 लाख रुपये लूटकर लेकर फरार हो गए हैं। अपराधियों का फोटो और वीडियो प्राप्त हो गया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम चिह्नित करने में लगी है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।

मैनेजर से मारपीट भी की गई और स्टाफ को कैंटीन में किया बंद

जानकारी के मुताबिक लूटपाट के दौरान लुटेरों ने मैनेजर से मारपीट भी की और सारे स्टाफ को कैंटीन में बंद कर दिए। पुलिस जब तक पहुंचती तब तक अपराधी फरार हो चुके थे। शहर के चारों ओर घेराबंदी कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जान बचाकर एक कर्मचारी बाहर निकला

बैंक में लूटपाट के दौरान एक कर्मचारी बाहर भाग निकला। इसके बाद अपराधी डर गए और लूटपाट कर फरार हो गए। आयरनचेस्ट तक नहीं पहुंच सके थे।कैश काउंटर के पास उपलब्ध राशि लूटे जाने की बात सामने आ रही है।

शीतकालीन सत्र से पहले नागपुर छावनी में तब्दील पुलिस ने की प्रदर्शनकारियों से निपटने की तैयारी

नागपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से नागपुर में शुरू हो रहा है। इसके लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सत्र की सुरक्षा के लिए सीनियर अधिकारियों समेत करीब 12 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। शिंदे सरकार का यह अंतिम शीतकालीन सत्र है। सत्र हंगामेदार होने की आशंका है। विपक्ष ने सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी कर ली है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया कि सुरक्षा के लिए शहर पुलिस और बाहरी जिलों से आए अधिकारियों का बंदोबस्त किया गया है। पुलिस ने सभी तरह के हालात के मुकाबला करने की तैयारी कर ली है। पुलिस विधान भवन पर दस्तक देने वाले मोर्चे, आंदोलन अथवा विरोध प्रदर्शन के दौरान गड़बड़ी फैलाने वालो से सख्ती से नहीं निपटेगी। पुलिस अतिरिक्त सावधानी बरत रही है। शीत सत्र के बंदोबस्त के लिए नागपुर शहर से 5000 जबकि बाहरी जिलों से 6 से 7000 जवानों को तैनात किया गया है। 1000 होमगार्ड और एसआरपी की 8 कंपनियां भी उनकी मदद करेगी। शीत सत्र के दौरान 70 से अधिक मोर्चों के दस्तक देने की संभावना है। फिलहाल 50 मोर्चे के विरोध प्रदर्शन की इजाजत के लिए आवेदन दिए हैं। पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि पूरे नागपुर को छावनी के रूप में तब्दील कर दिया गया है। वीआईपी की सुरक्षा, विधान भवन की सुरक्षा और मोर्चे को शांतिपूर्वक निपटने को लेकर पुलिसकर्मियों को ब्रीफ कर दिया गया है। स्पेशलाइज्ड यूनिट के पुलिसकर्मी और अधिकारियों को भी तैनात किया गया है। कोई भी अनियमित गतिविधियां न हो इसके लिए नागपुर पुलिस पूरी तरीके से तैयार है। बता दें कि मराठा आरक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन की आशंका है। वहीं, विपक्ष भी सरकार को कई मुद्दों पर घेर रहा है। सरकार ने भी अपनी तरफ से पूरी तैयारी की है।

महिला के साथ हुए सामूहिक बलात्कार के मामले में आया बड़ा फैसला, आरोपियों को मिली उम्रकैद की सजा

बड़वानी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अंजड़ थाना क्षेत्र में पिछले साल एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना सामने आयी थी। जिसमे कोर्ट ने आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। पूरी घटना 12 अक्टूबर 2022 की है, जब पीड़ित महिला रात के समय अपने खेत में पानी देने के लिये पैदल जा रही थी। इसी दौरान दो आरोपी विक्रम एवं बद्री ने इसका रास्ता रोककर उसे गंदी गंदी गालियां देकर उसके साथ सामुहिक दरिंदगी की घटना को अंजाम दे दिया।

यही नहीं आरोपियों ने पीड़िता को यह बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। हालांकि पीड़िता ने अपने साथ हुई दरिंदगी की घटना घर जाकर बताने की बात कही, तब एक आरोपी बद्री ने उसे पत्थर उठाकर मारना शुरू कर दिया। दोनों दरिंदों से बचने के लिए पीड़िता जैसे तैसे भागकर कपास की फसल के बीच मे छिप गयी। इसी बीच कुछ देर बाद महिला का पति भी उसे ढूंढते हुए वहां आ पहुंचा, जिसे पीड़िता ने अपने साथ हुई दरिंदगी की पूरी दास्तां सुनाई। जिसके बाद महिला और उसके पति ने पुलिस थाना अंजड में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवायी। पुलिस ने भी आरोपियों को गिरफ्तार कर जल्द से जल्द जांच पूरी करते हुए अभियोग पत्र कोर्ट में पेश किया।

'नीतीश अब उस लायक भी नहीं रहे कि सीएम भी बन सकें

उनका गुडविल ही नहीं बचा है', गिरिराज सिंह ने कसा तंज

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आज एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा है। संसद भवन के बाहर मीडियाकर्मियों के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनना तो बड़ी दूर की बात है। नीतीश कुमार तो अब सीएम के लायक भी नहीं रह गए। संसद के शीतकाली सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से जब पत्रकारों ने विपक्षी गठबंधन इंडिया और नीतीश कुमार को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि नीतीश कुमार अब उस लायक भी नहीं रहें कि वह मुख्यमंत्री भी बन सकें क्योंकि उन्होंने जो बिहार विधानसभा और परिषद में कहा इससे वह मुख्यमंत्री भी रहने लायक नहीं हैं तो प्रधानमंत्री बनना तो बहुत बड़ी बात है। उनका अब गुडविल ही नहीं बचा है। आपको बता दें कि नीतीश कुमार ने विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था।

इस पर काफी हंगामा हुआ था। हालांकि बाद में उन्होंने अपने इस बयान के लिए माफी भी मांग ली थी। लेकिन यह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि नीतीश ने पूर्व सीएम जीतन राम मांझी से तू-तड़ाक वाले लहजे में बात की थी।

पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता, पाकिस्तान के तीन नशे के सौदागर गिरफ्तार

अमृतसर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राज्य में नशे के खिलाफ काफी कड़ा रुख अपनाए हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने पुलिस को कड़ा रुख अपनाने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद पंजाब पुलिस लगातार नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान चलाने में जुटी है। इस अभियान में पंजाब पुलिस के साथ-साथ भारतीय सेना भी काफी सक्रिय है। सुरक्षा बलों के द्वारा भी पड़ोसी देश पाकिस्तान से मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गतिविधियों को रोकने के लिए नजर रखी जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 7 दिसंबर - 2023

एनसीआरबी ने दिखाया आईना

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की जारी ताजा रिपोर्ट ने एक बार फिर समाज, पुलिस-प्रशासन और सरकारों के कामकाज की शैली को आईना दिखाने में कोई कसर नहीं छोडा है। दर्ज मामलों के आंकड़ों को देखें तो आज भी हर जगह होने वाले अपराधों में महिलाएं अपराधियों के टारगेट पर रहती हैं। यही वजह है कि उनके खिलाफ आपराधिक घटनाएं कम होने के बजाय लगातार बढ़ रही हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में देश भर में महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के कुल चार लाख पैंतालीस हजार दो सौ छप्पन मामले दर्ज किए गए। जबकि 2021 में यह आंकड़ा चार लाख अट्ठाईस हजार दो सौ अठहत्तर और 2020 में तीन लाख इकहत्तर हजार पांच सौ तीन था। इससे साबित होता है कि वक्त बीतने के साथ महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की तस्वीर में कोई सुधार नही हुआ, उल्टे स्थिति और ज्यादा बिगड़ती चली गई है। एक मान्यता यह भी है कि शहरों में कानून-व्यवस्था से लेकर अन्य उपायों की वजह से आम नागरिकों की सुरक्षा के लिहाज से स्थितियां बेहतर हैं। लेकिन धरातल पर देखने में आया है कि गांवों के मुकाबले शहरों और महानगरों में स्थिति और ज्यादा चिंताजनक है। महानगरों में महिलाओं की हालत में कोई खास सुधार नहीं आया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में देश की राजधानी दिल्ली अव्वल है, जो लगातार तीसरे साल भी उन्नीस महानगरीय शहरों में सबसे अधिक है। सख्त प्रशासन के लिए विख्यात उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या सबसे ज्यादा है। एक ओर तो हम देश को तेजी से विकास के पथ पर जाते हुए देख रहे हैं तो दूसरी ओर महिलाओं के जीवन का अंधेरा पक्ष साफ तस्वीर को भी धूमिल कर रहा है। देखा गया है कि सभी सरकारें महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बडे-बडे दावे व घोषणाएं करती रहती हैं, लेकिन यह तो नंगी आंखों से भी देखा जा सकता है कि सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों से लेकर जितने भी कदम उठाए जाते हैं, उसका जमीनी स्तर से कोई वास्ता नहीं रहता। नतीजतन महिलाओं के जीवन को सुरक्षित बनाने में कोई ठोस कामयाबी नहीं मिल पाती। तरक्की के इस दौर में भी घर से बाहर आवाजाही के रास्तों से लेकर काम की जगहों, यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाओं को हर स्तर पर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है? हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे जघन्य वारदात का शिकार होने को गंभीर अपराधों की श्रेणी में माना जाता है, लेकिन एनसीआरबी की रिपोर्ट यह भी कहती है कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ 31.4 फीसद आपराधिक घटनाएं पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता की गई। सवाल लाजमी है कि वक्त के साथ नए सख्त कानूनी प्रावधान और व्यवस्थागत सुधार के बीच महिलाएं कहां खडी हैं? आमतौर पर सभी पार्टियों का यह चुनावी नारा और वादा होता है कि वे सत्ता में आने पर हर स्तर पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। लेकिन हकीकत यह है कि साल दर साल एनसीआरबी के आंकड़ों से लेकर सभी अध्ययनों में यही अफसोसनाक तस्वीर होती है कि महिलाएं कहीं भी खुद को सुरक्षित और सहज महसूस नहीं कर पा रही हैं। कानून-व्यवस्था, पुलिस-प्रशासन की लापरवाही का आलम यह है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों में इनका कोई खौफ ही नहीं दिखता। सामाजिक विकास का सवाल हाशिये पर होने की वजह से आम लोगों के भीतर भी स्त्रियों और उनके मुद्दों को लेकर संवेदनशीलता नहीं दिखाई देती है। ऐसे में जब महिलाएं हर जगह खुद को असुक्षित पाती हैं, तो विकास के आंकड़ों और दावों पर विश्वास कैसे किया जाए।

जन सरोकार से कब जुड़ेगा विपक्ष?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के विपक्षी दल सत्ता के लिए सब कुछ करने को तैयार है लेकिन जन सरोकार से जुडने के लिए तैयार नहीं है उनकी तमाम साधना सत्ता हासिल करने के लिए है बस यही कारण है कि सत्ता उन्हें मिलना टेड़ी खीर हो गया है। सिर्फ़ सत्ता के लिए काम करने का ही नतीजा है कि सत्ता उनकी परछाई से भी दूर भाग रही है और विपक्ष तमाम कोशिशों के बावजूद दिन पर दिन अपनी ताकत घटा रहा है। हाल के चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम के बाद उपजी हताशा में विपक्षी दलों के कुछ बयानवीर जिस तरह के असंसदीय भाषा में बयान दे रहे हैं उससे सिर्फ उनकी हताशा साफ नजर आ रही है बल्कि विपक्ष की राह को भविष्य के लिए और भी मुश्किल होना तय माना जा रहा है। कहते हैं कि तेरे अहमाल काफी है तेरे जनाजे के लिए, यही बात विपक्षी दलों के इन बयान वीर नेताओं के क्रियाकलापों पर बयानों पर सटीक बैठ रही है। यह जितना अधिक गंदे अल्फाजों का इस्तेमाल कर रहे हैं उतना ही इस देश के नमानस को उद्वेलित कर रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी के दक्षिणपंथी करण के विचार के लिए मददगार साबित हो रहे हैं।

राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम आने के बाद विपक्षी दलों में सिरफुटौवल होगी, यह आशंका पहले से थी। अब वह प्रत्यक्ष भी नजर आने लगी है। भारतीय जनता पार्टी की हर जीत पर लेक्ट्रॉनिक

वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोषी ठहराने वाले दल इस बार कांग्रेस की हार पर ईवीएम को लेकर कुछ नहीं बोल रहे थे लेकिन दिग्गी राजा ने चुप्पी तोड़ी और ईवीएम पर बरसना शुरू कर दिया। विपक्षी

कुनबे इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस इंडिया) के प्रमुख भागीदारों में शामिल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो हालांकि यहां तक कह दिया कि लोकतंत्र में यह सब तो होता ही रहता है। अर्थात इस बार उन्हें भी ईवीएम में गड़बड़ी नजर नहीं आई।लेकिन दिग्विजय सिंह सारा दोष ईवीएम पर मढ रहे हैं। उधर तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी ने 6 दिसंबर को प्रस्तावित विपक्षी कुनबे की बैठक के बारे में जानकारी होने से ही इनकार कर दिया। इस गठबंधन के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगाने वाले जनता दल यूनाइटेड के मुखिया एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनाव परिणाम को लेकर चुप्पी ही धसो रखी। कहने की आवश्यकता नहीं है कि विपक्षी गठबंधन के अधिकांश बड़े नेता कांग्रेस से कन्नी काट रहे हैं और इसी कारण 6 दिसंबर को प्रस्तावित बैठक रद्द करनी पड़ गई। अब यह बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने नाराजगी जताई कि गठबंधन की बैठक के बारे में समय रहते उसे सूचित नहीं किया गया, इसी कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल में अपने कार्यक्रम रख लिए। इसके प्रत्युत्तर में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद अधीर रंजन चौधरी नाराज हो उठे। उन्होंने कहा कि तृणमूल ने इन चुनावों में भाजपा को हराने के लिए लोगों से विपक्षी दलों को वोट देने की अपील तक नहीं की। इन सभी आरोप-प्रत्यारोप के बीच शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आग पर पानी डालने का प्रयास किया कि इंडिया गठबंधन में सभी साथ है, हम मुद्दों को देखेंगे और ठीक करने की कोशिश करेंगे। क्या इस फूट के लिए कांग्रेस की हार जिम्मेदार है? कुछ हद तक ऐसा हो सकता है, किन्तु यह पूर्ण सत्य नहीं है।

कांग्रेस की तंगदिली से बिखरने लगा इंडिया गठबंधन

आशीष वशिष्ठ

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। देशभर फिलवक्त चर्चा हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की जीत की है। बीजेपी मध्य प्रदेश में सरकार बचाने में सफल रही और पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को हराकर बीजेपी सत्ता में लौट आई है। वहीं राजस्थान में हर चुनाव में सरकार बदलने का रिवाज बदलना चाह रही कांग्रेस के हाथ नाकामी लगी है. उसे सिर्फ दक्षिण भारत के राज्य तेलंगाना में ही सफलता मिली है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी की प्रचंड जीत ने चुनावी पंडितों को हैरान कर दिया है, वहीं तेलंगाना और मिजरोम में बीजेपी के बढ़ते जनाधार ने इंडी गठबंधन में खलबली मचा दी है।

कांग्रेस के लचर और निराशाजनक प्रदर्शन का असर इंडी गठबंधन की एकजुटता पर भी दिखाई देने लगा है। सवाल उठ रहे हैं कि इन नतीजों का इस गठबंधन और इसके भविष्य पर क्या असर पड़ेगा। ऐसा इसलिए भी क्योंकि नतीजों के बाद इंडिया के घटक दलों ने कांग्रेस के रवैए पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडी गठबंधन की बैठक बुलाई थी लेकिन बैठक से ठीक एक दिन पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरने, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। कांग्रेस की तरफ से सफाई दी गई है कि बारिश की वजह से चेन्नई एयरपोर्ट बंद है, ऐसे में स्टालिन भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। वहीं नीतीश कुमार की तबीयत ठीक नहीं हैं जबकि ममता बनर्जी कार्यक्रम में व्यस्त है। गठबंधन के कई सहयोगियों के इनकार के बाद इंडी गठबंधन की बैठक को टालना पड़ गया है। अब कांग्रेस के सामने अपने कुनबे को बचाये रखने की चुनौती है। कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन से इंडी गठबंधन के घटक दलों को प्रेशर पॉलिटिक्स करने का मौका मिल गया। इंडी गठबंधन में शामिल दल अब कांग्रेस को गठबंधन धर्म पालन नहीं करने की याद दिला रहे है। साथ ही बता रहे हैं कि गठबंधन न करने का खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है। ऐसे में घटक दल कांग्रेस की आपदा में अपना अवसर तलाश रहे हैं। अपनी शर्तों पर कांग्रेस से समझौता करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने बैठक से दूरी बनाकर कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दे दिया है। इंडी गठबंधन की दूसरी बैठक के बाद ही ममता बनर्जी ने जो तेवर दिखाया था, उससे पता चल गया था कि गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके बाद बैठक में शामिल होने से इनकार कर ममता बनर्जी ने अपनी नाराजगी प्रगट कर दी है। हालांकि उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि बैठक कब और कहां हो रही है इसके बारे में उन्हें कोई जनकारी नहीं थी। किसी ने मुझे बैठक के बारे में नहीं बताया था और ना ही कोई फोन आया था। अगर उन्हें पता होता तो बैठक में चली जाती है। इसके विपरीत कांग्रेस की तरफ से कहा जा रहा है कि सभी नेताओं को बैठक की सूचना दे दी गई थी। ममता बनर्जी की सफाई और कांग्रेस के बचाव ने गठबंधन की पोल खोलकर रख दी है। इससे पहले कांग्रेस की हार पर ममता बनर्जी से सवाल किया गया तो उन्होंने दो टूक कहा कि ये जनता की नहीं कांग्रेस की हार है। कांग्रेस की हार 'ज़मींदारी एटीट्यूड' की वजह से हुई है। वहीं जनता दल युनाईटेड का कहना है कि कांग्रेस के 'घमंड' की वजह से हार मिली है। वास्तव में पांच राज्यों में चुनाव से पहले कांग्रेस हसीन सपने देख रही थी। उसे चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। इसके माध्यम से वो अपनी बार्गेनिंग पावर बढ़ाने और इंडी गठबंधन की ड्राइविंग सीट पर मजबूती के साथ बैठकर मनमाना फैसले लेने की सोच रही थी।

लेकिन खराब प्रदर्शन ने उसके उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। अब बाजी पूरी तरह पलट गई है। अब कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं और उसे इंडी गठबंधन के घटक दलों की नसीहत, शर्तें और बार्गेनिंग से जुझना पड़ रहा है। आने वाले समय में घटक दलों के दबाव और हमले और बढ़ेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस ने इन चुनावों में एक मौक़ा गंवाया है। इन चुनावों में विपक्षी दलों को साथ लेने और एक राजनीतिक बदलाव की पहल कांग्रेस कर सकती थी, जिससे इंडिया गंठबंधन की भावना को मज़बूती मिलती। छोटी पार्टियों को अपने साथ लेने से कांग्रेस को जो फ़ायदा मिल सकता था, उसमें उसने चूक की है। गठबंधन बनने से जो राजनीतिक शक्ल बदलती है, वह विधानसभा चुनाव में नहीं बदली। जैसे तेलंगाना में कांग्रेस ने सीपीआई के साथ गठबंधन किया था, लेकिन सीपीएम के साथ नहीं किया था। तो इस तरह से बाक़ी जगह भी छोटे दलों को साथ लाने का फ़ायदा वे नहीं ले पाए। छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ का वोट बीजेपी को ट्रांसफ़र हो गया। इसी तरह कांग्रेस राजस्थान में भारत आदिवासी पार्टी यानी बीएपी के साथ गठबंधन कर सकती थी। अखिलेश यादव की पार्टी समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ना चाहती थी तो एक-दो सीटें उन्हें दी जा सकती थी। कुछ सीटें वामदलों को कांग्रेस दे देती तो नई राजनीति ला सकते थे।

लेकिन कांग्रेस भी साफ्ट-हिंदुत्व के फेर में पड़ गई। लेकिन कांग्रेस ने न हिंदुत्व को चुनौती दी, न ही उस पर खेल पाई। और कांग्रेस की इन तमाम चूकों का नतीजा अब सबके सामने है। राजनीतिक विषलेषकों के अनुसार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अगर छोटे दलों को साथ लिया जाता तो फ़ायदा होता। जैसे समाजवादी पार्टी को मध्य प्रदेश में मौक़ा दिया जाता, तो बिहार और यूपी के स्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने और स्वीकार्यता बनाने का अवसर मिलता। लेकिन अभी इसके लिए लंबी लड़ाई की ज़रूरत पड़ेगी, क्योंकि वहां पर ऐसा स्ट्रक्चर खड़ा ही नहीं था।

वास्तव में, इंडिया गठबंधन पहले ही दिन से कई चुनौतियों से जूझ रहा है। जैसे इसके घटक दल कई राज्यों में एक दूसरे के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी हैं और वे एक-दूसरे के विरूद्ध चुनाव भी लड़ते रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न मुद्दों और विषयों पर उनकी राय और स्टैंड भी अलग है। मध्य प्रदेश चुनाव में गठबंधन नहीं होने से अखिलेश यादव पहले ही मोर्चा खोल चुके हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पहले ही कांग्रेस और लेफ्ट से सीट शेयरिंग को लेकर अपना रूख साफ कर दिया है। नीतीश कुमार भी समय समय पर आंखें दिखाते रहते हैं। ऐसे में कांग्रेस अब घटक दलों के सामने पूरी तरह बेबस और लाचार हो चुकी है।वहीं यह भी ज़रूरी नहीं कि जो विधानसभा चुनाव में हुआ, वैसा ही लोकसभा में होगा. लेकिन जो चाहते हैं कि सत्ता में बदलाव हो, उनका काम मुश्किल जरूर हो गया है।

केंद्र से बीजेपी को हटाना है तो उसे गुजरात से लेकर बिहार तक हराना ज़रूरी है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के पास ले-देकर अभी तीन से चार ही लोकसभा सीटें हैं। यहां पर कांग्रेस के लिए कुछ सीटें जीतना ज़रूरी होगा लेकिन ये संभावना आज के बाद मुश्किल हो गई है। अगर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस चालबाजी, पैंतरेबाजी और चालाकी करने की बजाय बड़ा दिल दिखाती तो उसे ये आज ये दिन देखने नहीं पड़ते। हो सकता है आने वाले दिनों में इंडिया गठबंधन नये रंग रूप में सामने आए। और इस बात की भी प्रबल संभावना है कि तीसरा मोर्चा अस्तित्व में आ जाए।

शक्ति प्रदर्शन में जुटीं वसुंधरा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव में भाजपा को 115 सीटों का पूर्ण बहुमत मिलने के बाद वहां अब मुख्यमंत्री पद को लेकर जोर आजमाइश शुरू हो गई है। राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसको लेकर दिल्ली में बैठकों का दौर जारी है। वही पार्टी नेता मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी-अपनी लाबिंग में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही करेंगे लेकिन राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया भी मुख्यमंत्री पद की रेस में अपनी दावेदारी मजबूती से जता रही है।

चुनावी नतीजे घोषित होने के बाद वसुंधरा राजे ना तो स्वयं दिल्ली गई ना ही उन्हें दिल्ली से किसी बड़े नेता ने बुलाकर चर्चा की। वसुंधरा राजे सिंधिया जयपुर स्थित अपने आवास पर भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों से मिलकर उनका समर्थन जुटा रही है। चर्चा है कि वसुंधरा राजे से अब तक करीबन 30 विधायकों की चर्चा मुलाकात हो चुकी है। वैर से विधायक बने बहादुर सिंह कोली व नसीराबाद से चुनाव जीते रामस्वरूप लांबा ने खुलकर वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। मालवीय नगर से विधायक कालीचरण सर्राफ भी वसुंधरा की पैरवी करते नजर आ रहे हैं।डीडवाना से निर्दलीय चुनाव जीते यूनुस खान जिनका भाजपा ने इस बार टिकट काट दिया था। उसके बाद भी वह निर्दलीय चुनाव जीतने में सफल रहे। वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी लाबिंग में लगे हुए हैं। लोगों का कहना है कि वसुंधरा समर्थक होने के चलते ही यूनुस खान का टिकट काटा गया था और अब वह फिर से वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनवाकर अपनी धमक दिखाना चाहते हैं। यूनुस खान वसुंधरा राजे की दोनों बार की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2013 से 18 के वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में यूनुस खान, कालीचरण सर्राफ, अशोक परनामी, राजपाल सिंह शेखावत, प्रताप सिंह सिंघवी जैसे लोगों की एक चौकड़ी बनी हुई थी जो वसुंधरा राजे को हर वक्त घेरे रहती थी। इसी चौकड़ी के कारण वसुंधरा राजे आमजन से कट गई थी। स्थिति यहां तक आ गई थी कि उस दौरान कई वरिष्ठ विधायकों की लगातार प्रयास के उपरांत भी महीनों तक वसुंधरा राजे से मुलाकात नहीं हो पाती थी। वसुंधरा राजे के सिपाहसालारों के मनमाने फैसलों के चलते ही 2018 में भाजपा को करारी हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद से ही वसुंधरा राजे भाजपा में साइड लाइन कर दी गई थी। अब वसुंधरा राजे का पूरा प्रयास है कि कैसे भी करके विधायकों का समर्थन प्राप्त कर तीसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बना जाए। यदि इस बार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनने से चूक जाती है तो फिर उन्हें राजनीति के बियाबान में जाने से कोई नहीं रोक सकेगा। जयपुर में वसुंधरा राजे द्वारा भाजपा विधायकों से फेस टू फेस बातचीत करने के घटनाक्रम पर भाजपा आलाकमान पूरी नजर रखे हुए हैं। मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल अन्य कई नेताओं का मानना है कि पार्टी के विधायक पार्टी के किसी भी नेता से मिलने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन मुख्यमंत्री वही बनेगा जिनका नाम आलाकमान द्वारा घोषित किया जाएगा। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर वसुंधरा राजे के अलावा विद्याधर नगर सीट पर सबसे अधिक वोटो से जीतने वाली राजसमंद की सांसद दीया कुमारी, झोटवाड़ा से विधायक बने जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, केंद्र सरकार में जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राज्यसभा सांसद व सवाई माधोपुर से विधायक बने डॉक्टर किरोडी लाल मीणा, केंद्र सरकार में कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, संघ से जुड़े पूर्व संगठन महासचिव प्रकाश चंद्र अग्रवाल, ओम माथुर, तिजारा से नवनिर्वाचित विधायक व अलवर के सांसद बाबा बालक नाथ सहित करीबन एक दर्जन नेताओं के नाम चर्चा में है।भाजपा में यह तो तय है कि मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसका नाम दिल्ली में बैठ बड़े नेता तय करेंगे मगर मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे सशक्त दावेदार बनकर उभरी वसुंधरा राजे सिंधिया को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात का अच्छे से पता है कि राजस्थान भाजपा में आज भी वसुंधरा राजे से बड़ा कोई लोकप्रिय चेहरा नहीं है। अगले पांच महीनो के बाद लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। जिसको प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, उनके कंधों पर लोकसभा चुनाव जीतवाने की जिम्मेदारी भी होगी। 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की सभी 25 सीटों पर जीतती आ रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री पद के चयन पर लोकसभा चुनाव की छाप भी देखी जाएगी। हालांकि भाजपा को पर्याप्त बहुमत मिलने के कारण फिलहाल तो मुख्यमंत्री पद के लिये जिसका भी नाम तय किया जाएगा, उसे सभी विधायक स्वीकार कर लेंगे लेकिन देर सवेर पार्टी के अंदर वसुंधरा राजे के रूप में एक चिंगारी धधकती रहेगी जिसे जब भी हवा मिलेगी तब उसे शोला बनते देर नहीं लगेगी। विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे के काफी समर्थक चुनाव जीते हैं। चुनावों के दौरान उन्होंने करीबन 40 से अधिक विधानसभा क्षेत्र में प्रचार किया था जिनमें से बड़ी संख्या में विधायक जीत कर आए हैं।

हालांकि पार्टी आलाकमान ने वसुंधरा के समय चर्चित चौकड़ी में शामिल रहे यूनुस खान, राजपाल सिंह शेखावत, अशोक परनामी, कैलाश मेघवाल जैसे बड़े नेताओं का टिकट काटकर उन्हें पार्टी की मुख्य धारा से अलग-थलग कर दिया है। वहीँ नरपत सिंह राजवी चित्तौड़गढ़ सीट पर अपनी जमानत जब्त करवाकर प्रभावहीन बन चुके है मगर यही सब लोग आज भी वसुंधरा राजे के खास सलाहकार बने हुए हैं तथा उन्ही की सलाह पर वसुंधरा राजे राजनीति कर रही है।

अगले कुछ दिनों में राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव हो जाएगा। इसके बाद ही पता चलेगा कि वसुंधरा राजे नेता बनती है या अन्य किसी नेता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी जाती है। भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे को किस तरह शांत रख पायेगा, इसका पता तो आने वाले कुछ दिनों में ही चल पाएगा। बहरहाल वसुंधरा राजे आज भी मुख्यमंत्री पद की रेस में सबसे आगे नजर आ रही है। यदि वक्त ने उनका साथ दिया तो उनका मुख्यमंत्री बनना तय लग रहा है क्योंकि प्रदेश की राजनीति में जितनी स्वीकार्यता वसुंधरा राजे की है, उतनी भाजपा के अन्य किसी भी नेता की नहीं है।

विधानसभा चुनाव नतीजों का असर राज्यसभा चुनाव पर भी पड़ेगा

जयसिंह रावत

अभी-अभी सम्पन्न हुये पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगामी लोकसभा चुनावों पर असर पड़ेगा या नहीं, यह आने वाला वक्त ही बतायेगा लेकिन इन चुनावों का 2024 में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों पर अवश्य ही असर पड़ेगा। खास कर मध्य प्रदेश में भारी जीत से भाजपा को राज्यसभा में अतिरिक्त ताकत मिलेगी। यही नहीं, भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिये एकजुट हो रहे ''इंडिया गठबंधन'पर इन चुनावों का असर दिखाई देगा। बदली हुई परिस्थितियाँ में बीआरएस को भी एनडीए के पक्ष में लाया जा सकता है हालाँकि राज्यसभा में अब बीआरएस की ताकत कम हो जाएगी। एनडीए की ताकत बढ़ने से आने वाले महीनों में राज्यसभा में कुछ विवादास्पद विधेयकों को पारित करने में आसानी होगी।

संसद के उच्च सदन में अगले वर्ष अप्रैल में 65 सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, इसलिये 245 सदस्यीय राज्य सभा का अगले साल की शुरुआत में ही द्विवार्षिक चुनाव होना है जो कि सदस्यों के 6 साल का कार्यकाल पूरा होने पर होता है। राज्यसभा चुनाव में विधानसभा की सदस्य संख्या के आधार पर ही विधायकों के मत मूल्य का निर्धारण किया जाता है। इससे ही तय होगा कि किस पार्टी के कितने सदस्य चुने जाएंगे। जिस पार्टी को ज्यादा सीटें मिलेंगी, उस पार्टी के मत मूल्य अधिक होंगे और उसी पार्टी से राज्यसभा सदस्य चुना जाएगा। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजों से अगले साल की शुरुआत में राज्यसभा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की ताकत में और वृद्धि होने की संभावना है क्योंकि मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और महाराष्ट्र में फैली 19 सीटों पर राजनीतिक समीकरण अब बदल गए हैं। अब एनडीए, जिसके पास पहले से ही उच्च सदन में 123 का बहुमत है, उसकी संख्या में वृद्धि तय है। बढ़ी ताकत से उसे संवैधानिक संशोधन सहित कुछ महत्वपूर्ण कानून पारित करने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, एल मुरुगन (दोनों मध्य प्रदेश से), भूपेन्द्र यादव (राजस्थान), वी मुरलीधरन (महाराष्ट्र) और राजीव चन्द्रशेखर (कर्नाटक) अप्रैल 2024 में राज्यसभा में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। इनका इन विधानसभाओं में दोबारा चुनाव होना तय है। मध्य प्रदेश में पांच सीटें खाली होनी हैं। उपरोक्त दो मंत्रियों के अलावा, राजमणि पटेल और कैलाश सोनी (दोनों कांग्रेस) भी सेवानिवृत्त होंगे। एक सीट के लिए 46 विधायकों के वोटों की जरूरत है, ऐसे में कांग्रेस को इन दो सीटों में से केवल एक ही सीट मिलने की संभावना है। एक अन्य राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह (भाजपा) भी अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और भाजपा इस सीट को बरकरार रखेगी।

उच्च सदन में बीआरएस को अब बड़ा झटका लगेगा क्योंकि पार्टी के बीएल यादव, जे संतोष कुमार और आर वद्दीराजू अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और अप्रैल में होने वाले चुनाव में पार्टी को केवल एक सीट मिलेगी। बाकी दो सीटों पर कांग्रेस को फायदा होगा। इसके अलावा कर्नाटक से चार सीटें खाली होंगी जहां कांग्रेस ने इस साल मई में सरकार बनाई थी। कांग्रेस से जीसी चन्द्रशेखर, एल हनुमंथैया, सैयद नासिर हुसैन और केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। राज्य में भाजपा के साथ मिलकर अलग हुई राकांपा और शिवसेना की सरकार बनने के बाद महाराष्ट्र से राज्यसभा में सदस्यों की संख्या में भी बदलाव हो सकता है। एनडीए को उच्च सदन में महाराष्ट्र से अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने की संभावना है। 245 सदस्यों वाले सदन में जहां 123 बहुमत का आंकड़ा है, बीजेपी के पास 94 सदस्य हैं और उसे बीजेडी और वाईएसआरसीपी से मुद्दा-आधारित समर्थन मिलेगा।

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में इस बार भाजपा को 163 सीटें मिली हैं जबकि साल 2018 के चुनाव में भाजपा को केवल 109 सीटें मिलीं थी। बाद में ज्योर्तिआदित्य सिंधिया के अपने साथी विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो जाने से भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल गया था और कमलनाथ की सरकार गिर गयी थी। इसलिए भाजपा के 4 सदस्य राज्यसभा के लिए चुने गए थे जबकि एक सदस्य कांग्रेस की ओर से जीता था। भाजपा की ओर से धर्मेंद्र प्रधान, कैलाश सोनी, अजय प्रताप सिंह और थावरचंद गेहलोत चुने गए थे जबकि कांग्रेस की ओर से राजमणि पटेल चुने गए थे। अब इन सभी सदस्यों का कार्यकाल 2 अप्रैल 2024 को खत्म होने जा रहा है। मध्य प्रदेश के कोटे में 11 राज्यसभा सीटें हैं. इसमें वर्तमान में बीजेपी के पाले में 8 सदस्य हैं जबकि कांग्रेस के पास केवल तीन सदस्य हैं. इसमें दिग्विजय सिंह, राजमणि पटेल और विवेक तन्खा शामिल हैं। इसमें राजमणि की सदस्यता 2 अप्रैल 2024 को खत्म हो जाएगी। जबकि दिग्विजय सिंह की सदस्यता 21 जून 2026 को खत्म हो रही है।

ठंडी के दिन और नहाने की झिकझिक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

ठंड शिविर चल रहा है। बिन नहाए गिनिज़ बुक में कीर्तिमान स्थापित करने वाले स्नानाचार्य लोटासागर जी स्नान न करने के फायदे पर प्रवचन दे रहे हैं। अपने मुँह का ताला खोलते हुए बोले – ठंडी के दिन और ठंडी की बातें गर्मी नहीं दे सकते। इसके लिए कुछ गरमागरम बोलना पड़ता है। तू-तड़ाक करने से गर्मी पैदा होती है। हो सको तो किसी से दो-चार बातें सुन लो या फिर गाल पर तमाचे वाली लाली ही सजा लो। वैसे भी कबीरदास कह गए हैं कि "नहाये धोये क्या हुआ, जो मन का मैल न जाए ; मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाए"। अर्थात स्नान निरर्थक है, असल बात मन का मैल है। मन का मैल धोने के लिए किसी से बात करनी पड़ती है। यही नहीं, कुछ ने तो यहाँ तक कहा है कि "बच्चू बाबू एम.ए. करके सात साल झख मारे, इससे अच्छा होता, रजाई ओढ़ सो जाते।"। इसे संवाद-स्नान कहते हैं, प्रवचन-स्नान कहते हैं। घर में अगर लड़ने झगड़ने वाली गृहणी हो तो सदा चलने वाला कुम्भ स्नान है। ठंडी के दिनों में लोग नहाने को पाप समझते हैं। पानी से छत्तीस का आंकड़ा होता हैं। न नहाना भी एक बहादुरी का काम है। उन लोगों के लिए भी है जिन्हें अपने लिए नहीं दूसरों के लिए नहाना पड़ जाता है। हालाँकि देश में स्वच्छता अभियान चल रहा है और एक अच्छे नागरिक का फर्ज है कि वह इस अभियान में योगदान दे इसलिए ये उनके लिए भी है जिन्हें देश के लिए जबरन नहाना पड़ता है। कुछ अर्थव्यवस्था के जानकर हैं, वे साबुन-तेल उद्योग को बल देने ले लिए नहाते हैं। ज्यादातर ऐसे हैं जिन्हें पूजा करना पड़ती है, वे भगवान के लिए नहाते हैं, सोचते हैं नहाये धोये अगरबत्ती लगायेंगे तो बदले में प्रभु पिछले पाप धो देंगे।यहाँ नहाने का किसी न किसी मतलब से जुड़ाव होता है। सब किसी न किसी मजबूरी में नहाते हैं, कोई अपने शरीर के लिए नहीं नहाता है। क्यों नहाएं भई !? अपन हैं कौन ? जानते हो, ठण्ड में शरीर की वजह से आत्मा को कष्ट देना सुपर से ऊपर का पाप है। ये भगवान की ही व्यवस्था है कि कोई कितना ही गन्दा क्यों न हो उसे खुद अपनी बास नहीं आती है। तो बास अपनी नहीं दूसरों की समस्या है, बोले तो अपन को क्या ! लाल, पीली, हरी किताबों में लिखा है नहाना एक ऐच्छिक कार्य है। आदमी नहाना चाहता है, बस इतना ही काफी है। ज्यादातर लोग पानी से नहाने को नहाना मानते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। विद्वानों ने नहाने के कई तरीके बताये हैं। ध्यान-स्नान के आलावा सर्दी के मौसम में सूर्य स्नान और वायु स्नान भी लोकप्रिय है। कुछ समझदार गुप्त स्नान को प्राथमिकता देते हैं। गुप्त स्नान वो स्नान होता है जिसमें वीर पुरुष टॉवेल ले कर बाथरूम में जाता है और कुछ देर अनुलोम विलोम करते हुए बालों पर टॉवेल मारता निकल आता है। अपराधबोध जैसा कुछ लगे तो ऑटो सजेशन पद्दति है, मन को समझाइये कि 'मन शुद्ध है तो सब शुद्ध है'। झूठ बोलने या झूठ करने के बाद मुंह बंद रखना चाहिए सो कोई कितना भी कुरेदे चुप रहिये। लेकिन इतनी हिम्मत हर किसी में नहीं होती है सो उपाय दूसरे भी हैं।

किस श्राप के कारण समुद्र का पानी हो गया था खारा ?

माता पार्वती के शाप से समुद्र का जल हुआ खारा

जब समुद्र देव ने महादेव का अपमान किया तो माता पार्वती भोलेनाथ का अपमान सहन न कर सकीं। इसके बाद माता पार्वती को समुद्र देव पर बहुत गुस्सा आया और इसी गुस्से में उन्होंने समुद्र देव को श्राप दे दिया कि जिस मीठे जल पर तुम्हें इतना अभिमान और घमंड है। वह जल खारा हो जाएगा और तुम्हारे समुद्र का पानी कोई भी मनुष्य ग्रहण नहीं करेगा। माता पार्वती के श्राप देने के बाद से ही समुद्र का पानी खारा हो गया और मनुष्य के पीने लायक नहीं रहा।

अगर आप समुद्र का पानी पीकर चेक करेंगे तो खारा लगेगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि समुद्र का पानी खारा क्यों है। अगर आप नहीं जानते हैं तो आपको यहां पर उसके बारे में पूरी हम पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। किस श्राप के कारण समुद्र का पानी खारा हो गया था। इसको लेकर एक पौराणिक कथा में पूरी विस्तार से जानकारी दी गई है। जब इसके बारे में हमने अपने उन्होंने इसके बारे में एक जरूरी रहस्य बताया है। पौराणिक कथाओं में समुद्र का भी धार्मिक महत्व बताया गया है कि समुद्र मंथन के अलावा समुद्र का जल खारा होने के पीछे भी कुछ रहस्य हैं। दरअसल पौराणिक कथाओं की मानें तो पूर्व में समुद्र का पानी दूध की तरह सफेद और मीठा था, लेकिन समुद्र के जल का वर्तमान स्वरूप ऐसा नहीं है अब समुद्र का पानी खारा हो चुका है और यह किसी भी व्यक्ति के लिए पीने योग्य नहीं है। शिव महापुराण के अनुसार, भगवान शिव को पाने के लिए हिमालय पुत्री पार्वती ने कठोर तपस्या की थी, उनकी तपस्या के तेज से तीनो लोक भयभीत हो उठे। जब सभी देवता इस समस्या को हल करने के लिए इसका उपाय ढूंढने में लगे थे, तब समुद्र देवता माता पार्वती के स्वरूप पर मोहित हो गए और समुद्र देव ने माता पार्वती से विवाह करने की इच्छा प्रकट की।

समुद्र देव ने महादेव को क्यों कहा भला बुरा

जब माता पार्वती की तपस्या पूरी हुई तब समुद्र देव ने देवी उमा से विवाह की करने की इच्छा जाहिर की। उमा ने समुद्र देव की भावनाओं का ध्यान रखते हुए सम्मानपूर्वक कहा कि मैं पहले से ही भगवान शिव से प्रेम करती हूं। यह सुनकर समुद्र देव क्रोधित हो गए और भोलेनाथ को भला बुरा कहने लगे। उन्होंने भगवान शंकर का तिरस्कार करते हुए कहा कि उस भस्मधारी आदिवासी में ऐसा क्या है जो मुझमें नहीं है, मैं सभी मनुष्यों की प्यास बुझाता हूं और मेरा चरित्र दूध की तरह सफेद है। हे उमा, मुझसे विवाह के लिए हामी भर दो और समुद्र की रानी बन जाओ।

मृत्यु के दौरान इस अंग से निकलते हैं व्यक्ति के प्राण

क्या कहता है गरुड़ पुराण

गरुण पुराण, हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक है। भगवान विष्णु और उनके भक्तों के बीच वार्तालाप से इसमें मृत्यु से पहले और बात की स्थिति के बारे में बताया गया है।

मृत्यु एक ऐसा सत्य है जो कोई भी व्यक्ति नहीं झुठला सकता। जिस भी व्यक्ति ने पृथ्वी पर जन्म लिया उसकी मृत्यु भी तय है। ऐसे में आइए जानते हैं कि गरुड़ पुराण में मृत्यु को लेकर क्या कहा गया है।

ये होते हैं नौ द्वार

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि शरीर के नौ द्वार होते हैं जो इस प्रकार हैं - दोनों आंखें, दोन कान, मुख, नाक और उत्सर्जन अंग। जिसमें से किसी एक द्वारा से मृत्यु के दौरान व्यक्ति के प्राण निकलते हैं। साथ ही गरुड़ पुराण में यह भी बताया गया है कि अलग-अलग स्थितियों में प्राण अलग-अलग द्वार से निकलते हैं।

यह माना जाता है शुभ

जो भी व्यक्ति अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाता है या फिर जिसने अपना पूरा जीवन भक्ति में लीन कर दिया है, उसके प्राण नाक से निकलते हैं। ऐसे में नाक से प्राण निकालना बहुत ही शुभ माना जाता है।

जो व्यक्ति जीवन में धर्म के मार्ग पर चला हो उस व्यक्ति के प्राण मुख से निकलते हैं। इसलिए मुख से प्राण निकलना भी शुभ माना जाता है।

इस तरह से प्राण निकलना

जो व्यक्ति जीने की अधिक इच्छा रखता है और जिसे अपने परिवार से बहुत अधिक लगाव होता है, ऐसे व्यक्ति के प्राण आंखों से निकलते हैं। वहीं, जिस व्यक्ति ने अपना पूरा जीवन केवल धन-दौलत कमाने में लगा दिया हो, उस व्यक्ति के प्राण उत्सर्जन अंग यानी मल और मूत्र के द्वारा से निकलते हैं। इसे शुभ नहीं माना जाता।

रोजाना मंदिर जाने की डालें आदत मिलता है कई समस्याओं से छुटकारा

ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर जाना माना जाता है सबसे बेहतर।

प्रत्येक धर्म का अपना एक धार्मिक स्थान होता है, जहां जाकर वह अपने ईश्वर की आराधना करते हैं। हिंदू धर्म में मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करने का विधान है। मंदिर जाने से न केवल व्यक्ति को आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं बल्कि मानसिक शांति का भी अनुभव होता है।

होंगे सकारात्मक बदलाव

मंदिर जाने के लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे अच्छा माना जाता है। ऐसे में रोजाना ब्रह्म मुहूर्त से पहले उठें और स्नान आदि से निवृत होकर मंदिर जाने की आदत बनाएं।

यह आदत न केवल आपको ईश्वर से जुड़े होने का अनुभव कराती है बल्कि इससे आपको अपनी सेहत में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

मिलता हैं ये लाभ

यदि आप रोजाना ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर जाते हैं तो इससे सूर्य की लालिमा आपके शरीर पर पड़ती है, जिससे शरीर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, जिससे व्यक्ति का तेज बढ़ता है। इससे व्यक्ति की नकारात्मकता भी दूर बनी रहती है।

क्या कहता है ज्योतिष शास्त्र

ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि जो व्यक्ति रोजाना मंदिर जाता है उसे ग्रह नक्षत्रों का बुरा प्रभाव नहीं झेलना पड़ता। जिससे मंगल दोष, साढ़े-साती जैसी ग्रहों की बाधा का भी प्रभाव टल जाता है और व्यक्ति के जीवन में कुछ अमंगल होने की संभावना कम हो जाती है।

दूर होती है हर बाधा

रोजाना मंदिर जाने वाले साधक का अपने गुस्से पर काबू रहता है, जिस कारण वह गृह-क्लेश की स्थिति से भी बच जाता है।

साथ ही साधक के जीवन की सभी समस्याएं भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं।

भगवान महंगी चीजों से नहीं भक्ति से प्रसन्न होते हैं

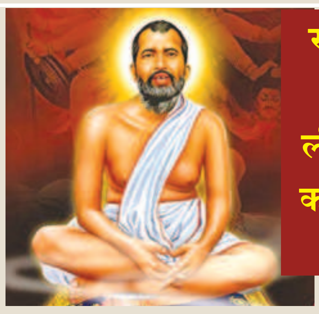

रामकृष्ण परमहंस की सीख- भगवान की लीलाओं से सीख लेकर काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी

रामकृष्ण परमहंस से जुड़ा एक किस्सा है। परमहंस जी के एक करीबी शिष्य थे मथुरा बाबू। मथुरा बाबू विष्णु जी के भक्त थे और उन्होंने एक बहुत सुंदर विष्णु मंदिर बनवाया था। मंदिर में भगवान की बहुत ही सुंदर मूर्ति स्थापित थी और मूर्ति का श्रृंगार महंगे वस्त्र और आभूषणों से किया।

मूर्ति की सजावट बहुत ही आकर्षक थी। जो लोग मूर्ति देखते, वे मथुरा बाबू के सामने मंदिर और मूर्ति के श्रृंगार की तारीफ जरूर करते थे। ये बातें सुनकर मथुरा बाबू बहुत खुश होते थे।

मथुरा बाबू जब परमहंस जी से मिलते तो उनके सामने भी अपने मंदिर की तारीफ करते थे। परमहंस जी उनकी सभी बातें बहुत ध्यान से सुनते थे, लेकिन कुछ कहते नहीं थे।

एक दिन मथुरा बाबू परमहंस जी के पास दौड़ते हुए पहुंचे और कहने लगे कि आप मेरे साथ चलिए। मंदिर में चोरी हो गई है। कोई चोर मूर्ति के वस्त्र और गहने चुरा ले गया।

परमहंस जी तुरंत ही मथुरा बाबू के साथ मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर परमहंस जी मूर्ति को निहार रहे थे। मथुरा बाबू भगवान की मूर्ति से ही शिकायत करने लगे। मथुरा बाबू भगवान से कह रहे थे कि हम जो इंसान हैं, लेकिन आप तो भगवान हैं, आपके सामने चोरी कैसे हो गई। मथुरा बाबू जब ये बातें कह रहे थे, तब परमहंस जी मुस्कान के साथ ही मूर्ति को देख रहे थे। परमहंस जी की मुस्कान मथुरा बाबू ने देखी तो इसकी वजह पूछी।

परमहंस जी बोले कि मथुरा बाबू भगवान को महंगी चीजों से क्या लेना-देना। भगवान तो सिर्फ भक्ति चाहते हैं। जिन भक्तों की भावनाएं से निःस्वार्थ भाव से जुड़ी हैं, उन्हें भी भगवान की कृपा मिलती है। भगवान को इन महंगी चीजों से कोई मोह नहीं है।

ये बातें सुनकर मथुरा बाबू का दुख दूर हो गया।

परमहंस जी की सीख

इस किस्से की सीख ये है कि हमें भगवान के मंदिर में भक्ति भाव से जाना चाहिए। महंगी चीजों का भगवान को कोई मोह नहीं है। भक्ति करना चाहते हैं तो भगवान की कथाओं से, उनकी लीलाओं से सीख लेकर काम करें। जब हम भगवान की सीख जीवन में उतारेंगे तो सुख-शांति के साथ ही सफलता जरूर मिलेगी। निःस्वार्थ भक्ति की वजह से जीवन में आनंद बने रहता है।

तनोट माता मंदिर में पाकिस्तानी जनरल भी झुकाते हैं सिर

देवी मां पर अकबर के छत्र चढ़ाने के किस्से तो आपने कई बार सुने और पढ़े होंगे, लेकिन क्या कभी किसी पाकिस्तानी आर्मी ऑफिसर के माता पर छत्र चढ़ाने की बात सुनी है। वह भी पाकिस्तान नहीं, बल्कि भारत के मंदिर में? यह मंदिर ना सिर्फ हिंदू धर्म में काफी महत्व रखता है बल्कि हर भारतीय के दिल में इसका खास स्थान है। इस मंदिर का संबंध भारत पाकिस्तान युद्ध से भी जुड़ा हुआ है। भारत पाक सीमा पर स्थित माता के इस मंदिर के दर्शन करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु हर साल यहां पहुंचते हैं और मंदिर की पूजा अर्चना की जिम्मेदारी सुरक्षा बलों के जवानों की है। हम बात कर रहे हैं, भारत-पाक सीमा पर स्थित तनोट माता मंदिर के बारे में। यह मंदिर देश की पश्चिमी सीमा के निगेहबान जैसलमेर जिले की पाकिस्तान से सटी सीमा पर बना हुआ है। तनोट माता का मंदिर अपने आप में बेहद अद्भुत और चमत्कारी है। यह मंदिर भारत पाकिस्तान के 1965 और 1971 के युद्ध का गवाह भी रहा है। युद्धकाल में यहां जो घटनाएं घटित हुई हैं, उनको आज तक लोग माता का चमत्कार मानते हैं। युद्ध के समय माता का क्रोध पाक सैनिकों पर भारी पड़ गया और फिर जो हुआ उससे पाकिस्तानी सैनिकों की रूह कांप उठी। यह मंदिर पाकिस्तानी आर्मी में भी काफी प्रसिद्ध है और इस वजह से पाकिस्तानी जनरल भी यहां छत्र चढ़ा चुके हैं।

पाकिस्तानी जनरल ने चढ़ाया छत्र

यह किस्सा दरअसल 1965 और 1971 के युद्ध के समय जैसलमेर से करीब 120 किलोमीटर दूर तनोटराय मातेश्वरी के मंदिर से जुड़ा है। पाकिस्तान की तरफ से मंदिर पर बमबारी की गई। इसमें दस-बीस नहीं, बल्कि करीब 450 बम पाकिस्तान ने तनोट माता के मंदिर पर बरसाए, लेकिन उनमें से एक भी बम नहीं फटा। माता के इस चमत्कार से प्रभावित होकर ही तत्कालीन आर्मी अफसर ने भारत सरकार से परमिशन के लिए दो साल तक चली लंबी जद्दोजहद के बाद माता को चांदी का छत्र भेंट किया था।

पाक फौजी हुए चारों खाने चित

युद्ध के समय पाक फौजियों ने तीन अलग अलग दिशा से मंदिर पर आक्रमण किया था लेकिन वे चारों खाने चित हो गए। 1965 की लड़ाई में पाकिस्तानी सेना ने करीब 3000 हजार बम गिराए थे लेकिन इस पर एक खरोंच भी नहीं आई। यहां तक की परिसर में गिर 450 बम तो फटे तक नहीं। पाकिस्तान ने जो बम मंदिर गिराए थे, वे आज भी तनोट माता मंदिर के संग्रहालय में रखे हुए हैं।

सिद्धपीठ है यह मंदिर

पाकिस्तान से युद्ध के समय भारतीय सैनिकों और सीमा सुरक्षा बल के जवानों की तनोट माता ने हर किसी की रक्षा की थी और सीमा को मजबूत बनाकर रखा था। तनोट माता को थार की वैष्णो देवी और सैनिकों की देवी के नाम से भी जाना जाता है। माता का यह मंदिर सिद्धपीठ माना जाता है। इस मंदिर के बारे में एक और कहानी प्रचलित है। बताया जाता है कि युद्ध के समय जब पाकिस्तानी आर्मी के जवान यहां पहुंचे तो मंदिर की तोड़ फोड़ करने लगे। इतने में माता के चमत्कार हुआ और पाकिस्तानी जवान एक दूसरे के दुश्मन बन गए और आपस में लड़कर मर गए।

हिंगलाज माता का है स्वरूप

युद्ध के बाद माता के मंदिर की जिम्मेदारी बीएसएफ ने अपने हाथों में ले ली और इसके बाद यहां पूजा पाठ बीएसएफ वाले ही करते हैं। माता का यह मंदिर 1200 साल पुराना बताया जाता है। माता तनोट को पाकिस्तान में स्थित हिंगलाज माता का स्वरूप माना जाता है और देवी घंटियाल उन्हीं की बहन हैं। तनोट माता और देवी घंटियाल ने हर बार युद्ध के समय पाकिस्तान को धूल चटाने में भारतीय जवानों की मदद की है।

जो लोग अपनी सुख-सुविधा छोड़कर दूसरों की भलाई करते हैं

उनका स्थान सबसे ऊंचा होता है

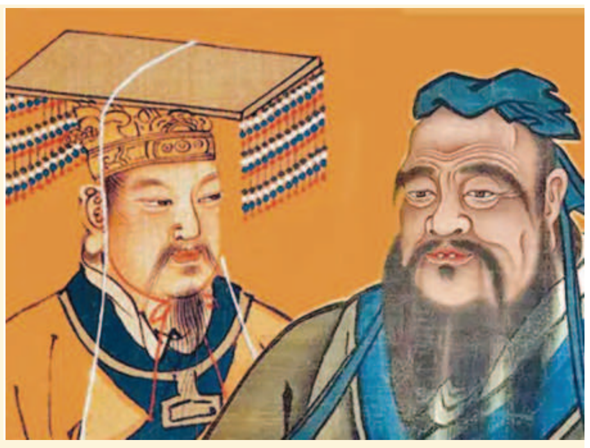

कन्फ्यूशियस चीन के एक दार्शनिक थे। उनका जन्म करीब 551 ईसा वर्ष पूर्व हुआ था। अपने ज्ञान की वजह से आज भी कन्फ्यूशियस दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। कन्फ्यूशियस के कई ऐसे किस्से हैं, जो हमें सुखी और सफल जीवन के सूत्र बताते हैं।

कन्फ्यूशियस इतने विद्वान थे कि उनके पास कई राजा-महाराज भी मिलने पहुंचे थे। एक बार चीन के राजा ने कन्फ्यूशियस से पूछा था कि आप मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बताएं, जिसका स्थान सबसे ऊंचा है।

कन्फ्यूशियस ने राजा से कहा कि वह इंसान आप खुद ही हैं, क्योंकि आप हमेशा सत्य जानना चाहते हैं। राजा ने कहा कि आप तो मुझे मुझसे भी अच्छे व्यक्ति के बताइए। कन्फ्यूशियस ने तुरंत कहा कि आपसे अच्छा व्यक्ति तो मैं ही हूं, क्योंकि मैं भी आपकी तरह ही सत्य को जानना चाहता हूं।राजा बोला कि आपसे भी अच्छा और कौन है?

इसके बाद कन्फ्यूशियस ने कहा कि मैं ऐसे एक व्यक्ति को जानता हूं, जो हम दोनों से भी महान है। चलिए, मैं आपको उससे मिलवाता हूं।

कन्फ्यूशियस राजा को लेकर एक बूढ़े के पास पहुंचे। वह बूढ़ा व्यक्ति कुआं खोद रहा था।

कन्फ्यूशियस ने कहा कि महाराज, ये व्यक्ति सबसे महान है, उसका स्थान हम सबसे बहुत ऊंचा है, क्योंकि ये दूसरों को पानी मिल सके, इसलिए कुआं खोद रहा है। ये दूसरों की भलाई के लिए अपनी सुख-सुविधा का भी त्याग कर देता है। इसका शरीर बूढ़ा हो गया है, लेकिन अभी भी ये दूसरों के लिए सेवा का काम कर रहा है। इसलिए इसका स्थान सबसे ऊंचा है।

कन्फ्यूशियस की सीख

जो लोग अपने सुख का त्याग करके दूसरों की भलाई के लिए काम करते हैं, वे सबसे महान होते हैं। ऐसे लोगों का सम्मान करना चाहिए। हमें भी दूसरों की भलाई के लिए ऐसे ही काम करना चाहिए।

अरशद वारसी ने एनिमल को बताया 'मास्टरपीस', रणबीर कपूर के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कही यह बात

बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी ने हाल ही में रणबीर कपूर स्टारर एनिमल की जमकर तारीफ की है। उन्होंने बीते दिन मंगलवार को एनिमल देखी। इसके बाद उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म की तारीफ करते हुए संदीप रेड्डी वांगा एक्शन ड्रामा को बेहद शानदार बताया है। पिछले शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हुई एनिमल ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

एनिमल को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा हो रही है। फिल्म ने एनिमल के दर्शकों को दो भागों में बांट दिया है। एक तरफ जहां सोशल मीडिया पर फिल्म की जमकर तारीफ हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर इसमें महिलाओं को लेकर दर्शाए गए सीन की कई लोग निंदा कर रहे हैं। हालांकि, अरशद वारसी ने फिल्म की खूब सराहना की है।

अरशद ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसे ''मास्टरपीस' बताया है। इसके साथ ही रणबीर कपूर के प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि उनकी प्रतिभा की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैंने कल एनिमल देखी। संदीप रेड्डी वांगा और फिल्म बेहद शानदार है। मुझे लगता है कि ऋषिजी और नीतूजी की मुलाकात इसलिए हुई क्योंकि दुनिया को रणबीर कपूर की जरूरत थी। उनकी प्रतिभा की कोई सीमा नहीं है।'

इसके साथ ही उन्होंने अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और एनिमल की पूरी टीम को टैग करते हुए 'एनिमल' देने के लिए धन्यवाद कहा है। बता दें कि तेलुगु ब्लॉकबस्टर अर्जुन रेड्डी और इसके हिंदी रीमेक कबीर सिंह के बाद एनिमल संदीप रेड्डी वांगा की तीसरी फिल्म है। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही बहस और चर्चा के बीच फिल्म के कारोबार को बड़ा फायदा मिल रहा है। एनिमल ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म ने पांच दिन में वर्ल्डवाइड 481 करोड़ का कारोबार कर लिया है।

तमन्ना की तारीफों के पुल बांधते नजर आए विजय वर्मा, बोले- 'बिल्कुल एक जैसे हैं हम दोनों'

बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता विजय वर्मा अपने अभिनय और फिल्मों के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। इन दिनों वे अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को डेट कर रहे हैं। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान विजय ने अपने और तमन्ना के रिश्ते को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन दोनों की काफी आदतें एक जैसी हैं।

बता दें कि जब से विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया के डेटिंग को लेकर खबरें सामने आई हैं, तब से दोनों के फैंस का उत्साह चरम पर है। ऐसे में फैंस इनसे जुड़ी हर चीज के बारे में जानना चाहते हैं। तमन्ना के बारे में बात करते हुए हाल ही में विजय वर्मा ने बताया, 'हम दोनों अलग-अलग सिनेमाई दुनिया से आते हैं, लेकिन हमारे बीच में बहुत सारी चीजें एक जैसी हैं'।

विजय वर्मा ने तमन्ना को लेकर आगे कहा, 'मुझे अभी काफी कुछ उनसे सीखना बाकी है। कितनी ही ऐसी चीजें हैं, जिन्हें वे एक अलग नजरिए से देखती हैं और समझती हैं। उनकी यही बातें हमारे रिश्ते को दिलचस्प बनाती हैं'। अभिनेता ने अपने रिलेशनशिप को लेकर कहा, 'लोगों को हमारा रिश्ता एकदम चौंकाने वाला लगता है कि कैसे दो अलग दुनिया के

लोग एक साथ आ रहे हैं, लेकिन हम दोनों के बीच में ऐसा कुछ भी नहीं है। हम दोनों बिल्कुल एक जैसे हैं। हमारे सोचने का तरीका, हमारे संस्कार और विश्वास एक जैसे हैं और वही सबसे ज्यादा मायने रखता है'।

विजय वर्मा ने कहा, 'हम दोनों बहुत ही मेहनती हैं और जब हमें सफलता मिलती है तो हम साथ में एक-दूसरे की खुशियों का जश्न मनाते हैं। आपके पास कोई ऐसा इंसान है, जिससे आप अपनी खुशियां बांट सकते हैं, ये अहसास ही अपने आप में बेहद खूबसूरत है'। इसके अलावा एक्टर ने अपने करियर को लेकर भी बात की और कहा, 'मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता है कि मैंने सबकुछ हासिल कर लिया है। अभी तो बहुत काम करना है। बहुत आगे जाना है। आज मैं जहां हूं, उसके लिए मैंने काफी मेहनत की है और मैं खुश हूं। अभी मैं बीच रास्ते में हूं और काफी कुछ करना अभी बाकी है। अपने इस सफर में मुझे 'डार्लिंग' और 'दहाड़' जैसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला है, इससे मैं बेहद खुश हूं'।।

बड़े मियां छोटे मियां न रीमेक है और न सीक्वल ये दो जाबांज फौजी अफसरों की कहानी है

नई पीढ़ी के निर्देशकों में अली अब्बास जफर इकलौते ऐसे फिल्म निर्देशक हैं जिनकी दो फिल्मों 'टाइगर जिंदा है' और 'सुल्तान' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। अली की निर्देशित फिल्म 'भारत' ने भी 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया। देहरादून में जन्मे और दिल्ली में कॉलेज की पढ़ाई करने वाले अली अब्बास जफर ने मुंबई में अपनी खुद की फिल्म निर्माण कंपनी खोली है। अपनी अगली फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की रिलीज की तैयारियों में व्यस्त अली अब्बास से उनके अंधेरी पश्चिम स्थित कार्यालय में 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल ने ये एक्सक्लूसिव मुलाकात की।

नाम की वजह से ही लोगों को ऐसा लग रहा होगा लेकिन जैसा कि हमने अनाउंसमेंट वीडियो में ही दिखा दिया था, ये फिल्म दो ऐसे जाबांज सैन्य अफसरों की कहानी है जो देश के लिए अपनी जान की बाजी लगा देते हैं। ये न तो किसी फिल्म की सीक्वल है और न ही रीमेक। बीएम, सीएम उनके कोड नेम हैं। ये पूरी तरह से एक बिग स्क्रीन एक्शन फिल्म है और मैं इतना ही कह सकता हूं कि इस फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के एक्शन दृश्य थियेटर में इसे देखने वाले दर्शकों

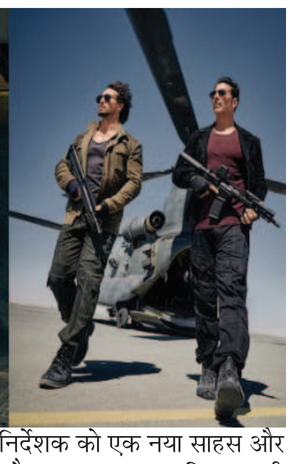

के रोंगटे खड़े कर देंगे।

विश्व सिनेमा की ऐसी ही फिल्में इन दिनों के युवा दर्शक पसंद कर रहे हैं। ये फिल्म हमने तब शुरू की थी जब पूरी दुनिया लॉक डाउन मे चल रही थी। किसी को कुछ नहीं पता था कि सिनेमाघर फिर कब खुलेंगे। अब लोग मुझसे कह रहे हैं कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाना चाहिए, लेकिन ये फिल्म बनी ही ओटीटी के लिए थी। लोग इसे पसंद कर रहे हैं तो इसमें एक वर्ग ऐसा भी है जो '300', 'किल बिल' और 'जॉन विक' सीरीज की फिल्में पसंद करता रहा है। शाहिद कपूर तो इस फिल्म के नतीजों से इतना उत्साहित हैं कि वे इसकी सीक्वल पर तुरंत काम शुरू करना चाहते हैं।

सच कहूं तो फिल्म 'जोगी' को मिले प्यार ने मेरे भीतर के निर्देशक को एक नया साहस और और एक अलग किस्म की मजबूती दी है। मैं इस फिल्म को बनाते हुए बहुत डरा हुआ था लेकिन देश दुनिया में जिस तरह से दर्शकों ने इस फिल्म को शाबसी दी, उससे पता चलता है कि दर्शकों का फिल्में देखने का स्वाद कितना बदल चुका है, उन्हें अब अच्छी कहानियां और उनका बेहतर प्रस्तुतीकरण चाहिए। और, मेरे सिनेमा का भी यही मूलमंत्र रहा है।

मेरी कहानियों के किरदार मेरे हिंदुस्तान के किरदार हैं। वह 'सुल्तान' का सुल्तान खान हो सकता है, 'भारत' का विलायती खान हो सकता है या फिर 'जोगी' का कलीम। ये किरदार पूरी फिल्म में कहीं धर्म का दिखावा या मजहबी बात नहीं करते। ये किरदार मेरे आसपास के किरदार हैं जिनकी छाया में अपनी कहानियों में देख पाता हूं। और, इनके अक्स में मुझे अपना हिंदुस्तान नजर आता है। हम बचपन में दोस्ती करते नहीं, बस ये दोस्तियां हो जाती हैं, और उस समय हम किसी का धर्म कहां पूछते हैं? यही भाव मेरे सिनेमा का है। मेरा सिनेमा हिंदुस्तान की मिट्टी को ही अपनी खाद मानता है। और, एक मिट्टी में पनपे हर पौधे का धर्म एक ही होता है।

ये सही है कि मुंबई फिल्म जगत से मेरा कोई रिश्ता नहीं रहा। लेकिन, यशराज फिल्म्स ने मुझे बतौर सहायक निर्देशक काम करने का मौका दिया। फिर आदित्य चोपड़ा के हौसला बढ़ाने पर ही मैंने पहली पटकथा लिखी। उन्होंने भरोसा दिखाया तो मैं फिल्म निर्देशक बना। यही भरोसा मैं अब अपने सहायक निर्देशकों पर रखता हूं। मेरे एक सहायक निर्देशक ने मिथिला पालकर के साथ एक फिल्म पूरी कर ली है। दूसरे सहायक की फिल्म शुरू होने वाली है।

ईद पर मुझे 'बड़े मियां छोटे मियां' रिलीज करनी है। अभी तो उसकी एडिटिंग में ही व्यस्त हूं। मैंने कुछ किताबें अभी पढ़नी शुरू की हैं। कुछ पटकथाएं भी समझ रहा हूं। बतौर निर्माता भी काफी काम है हमारे पास। निर्देशक के रूप में अपनी अगली फिल्म मैं अगले साल जरूर शुरू कर सकूंगा।।

खुशाली ने ठंडे पानी में की 'गोताखोरी'

टी-सीरीज ग्रुप के संस्थापक स्वर्गीय गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार ने 2015 में म्यूजिक वीडियो 'मैनु इश्क दा' से अपना करियर शुरू किया था। तब से अब तक वह 'हाईवे स्टार', 'रात कमाल है', 'मेरे पापा', 'इक याद पुरानी' जैसे लोकप्रिय म्यूजिक वीडियोज में दिखाई दे चुकी है।

फिल्म 'धोखाः राऊंड द कार्नर' से हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर चुकी खुशाली अब जल्द ही फिल्म 'स्टारफिश' में एक पेशेवर गोताखोर की भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म में अपने चैलेंजिंग रोल को लेकर बहुत उत्साहित खुशाली का कहना है कि माल्टा की खून जमा देनी वाली ठंड में गोताखोर का रोल करना, टेक पर टेक देना आसान नहीं था लेकिन फिल्म पूरी होने के बाद जब वह उन शूट्स को याद कर रही है, तो बहुत रोमांच का अनुभव हो रहा है। उसने बताया, शूटिंग के दौरान माल्टा में समुद्र का पानी इतना ठंडा था कि बार-बार रीटेक देने और पानी में जाने से शरीर में सूजन आ जाती थी, सांसें भी फूलने लगती थीं। एक समय ऐसा भी आया कि मेरे मुंह से निकल गया कि यह मैंने किस तरह की स्क्रिप्ट चुन ली लेकिन आखिर मैं तारा (फिल्म में उसका किरदार) के रोल में ढल गई और मुझे बहुत मजा आया। 'स्टारफिश' मेरे लिए एक जुनूनी प्रोजैक्ट की तरह थी, जिसके लिए मैंने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से अपना सब कुछ दे दिया।₹ खुशाली टीम से मिले सपोर्ट से भी बहुत खुश है। वह कहती है कि जब भी वह शॉट के बाद पानी से बाहर आती थी तो सैट पर हर कोई ताली बजाता और उसकी सराहना करता था। ये सब यादगार और बहुत

उत्साहित करने वाला था। यह 'स्टारफिश पिकल' नामक एक पुस्तक पर आधारित फिल्म है, जो एक कुशल गोताखोर तारा सलगांवकर की जिंदगी पर लिखी गई है।

नशे की हालत में मुंबई की सड़कों पर भटकते दिखे सनी देओल! एक्टर की अजीब हरकतें देख फैंस को लगा झटका

बॉलीवुड सुपरस्टार सनी देओल ने हाल ही में 'गदर 2' ब्लॉकबस्टर फिल्म की है। वहीं अभिनेता इन दिनों फिल्म की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस बीच अब सनी देओल का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें अभिनेता मुंबई की सड़कों पर भटकते नजर आ रहे हैं।

सनी की वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेता मुंबई की सड़कों पर भटकते नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनी देओल नशे की हालत में मुंबई की सड़कों पर स्पॉट किए गए हैं। वीडियो में अभिनेता नशे की हालत में सड़क को पार करते हैं, जिसमें वे ऑटो रिक्शा के बगल में आ जाते हैं। इसके बाद ऑटो चालक सनी देओल का हाथ पकड़कर रिक्शा में बैठाने की कोशिश करता है। अभिनेता का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

वहीं, कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, सनी के इस वायरल वीडियो को उनकी आगामी फिल्म की शूटिंग का क्लिप बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि जैसे हाल ही में नाना पाटेकर के एक फैंस को थप्पड़ मारने वाला वीडियो वायरल हुआ था। उसी तरह सनी का नशे की हालत में यह वीडियो वायरल हो रहा है।

अभिनेता की इस वायरल वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,'सनी देओल कहां घूम रहे हो इतनी रात को?' वहीं, दूसरे ने कहा, 'यहां क्या चल रहा है? मुझे लगा कि सनी देयोल शराब नहीं पीते?' एक अन्य ने लिखा, 'नफरत करने वाले इस वीडियो के बारे में फर्जी खबरें फैला रहे हैं कि सनी पाजी को जुहू में नशे में देखा गया।'

सनी देओल के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता 27 साल बाद निर्देशक राजकुमार संतोषी के साथ 'लाहौर 1947' में नजर आएंगे। यह फिल्म आमिर खान द्वारा निर्मित की जाएगी। अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी ने 1990 में आई 'घायल', 1993 में आई 'दामिनी' और 1996 में आई 'घातकः लीथल' जैसी बड़ी हिट फिल्मों में एक साथ काम किया है।

मां प्रकाश कौर को पसंद नहीं आया 'एनिमल' में बॉबी का किरदार? बोलीं- 'ऐसी फिल्म मत किया कर तू'

इन दिनों अगर किसी फिल्म का सबसे ज्यादा हल्ला है तो वह है 'एनिमल'। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी और रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल जैसे सितारों से सजी ये फिल्म दर्शकों को, खासतौर से युवा वर्ग को बेहद पसंद आ रही है। इस फिल्म में बॉबी देओल नेगेटिव रोल में दिखे हैं। अभिनेता के करियर के लिए ये फिल्म संजीवनी सरीखी साबित हुई है। हर तरफ उनके अभिनय की तारीफ हो रही है। मगर, इतनी तारीफों के बीच अभिनेता को अपनी मां से ऐसी फिल्में न करने की नसीहत मिली है।

हाल ही में बॉबी देओल ने फिल्म 'एनिमल' को लेकर अपने परिवार की प्रतिक्रिया साझा की। अभिनेता ने बताया कि उनकी पत्नी और बेटे को ये फिल्म बेहद पसंद आई है। मगर, उनकी मां प्रकाश कौर इस फिल्म को नहीं देख सकीं। बॉबी देओल ने बताया कि दरअसल, ये एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है और ऐसी फिल्में उनकी मां से नहीं देखी जाती हैं। एक मीडिया बातचीत में बॉबी देओल ने कहा कि फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में जिस तरह वे अपने पिता का मौत वाला सीन नहीं देख पाए थे, उसी तरह उनकी मां से 'एनिमल' में उनका मौत वाला सीन नहीं देखा गया।

'एनिमल' देखते हुए प्रकाश कौर ने बेटे बॉबी देओल से कहा, 'ऐसी फिल्म मत किया कर तू, मुझसे नहीं देखा जाता'। मां को भावुक देख बॉबी देओल ने समझाया कि, 'देखो मैं आपके सामने खड़ा हूं। मैंने फिल्म में वो बस एक रोल अदा किया है'। बॉबी देओल ने आगे कहा कि भले ही उनकी मां ये फिल्म नहीं देख सकी हैं, लेकिन इसकी सफलता से वे बेहद खुश हैं।

बॉबी देओल ने बताया कि अभी तक धर्मेंद्र और सनी देओल ने उनकी ये फिल्म नहीं देखी है, लेकिन बाकी सदस्यों फिल्म देख चुके हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्हें अपने परिवार से अब तक पूरा सपोर्ट मिला है। परिवार ने उन पर पूरा यकीन किया है और अब तक वे भी इस इंतजार में थे कि उन्हें इस तरह का कोई अच्छा रोल मिले।

बता दें कि फिल्म 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई कर रही है। इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर ही कई नए रिकॉर्ड अपने नाम किए। आंकड़ों के मुताबिक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म 300 करोड़ रुपये कमा चुकी है। वहीं, वर्ल्डवाइड इस फिल्म का कारोबार 481 करोड़ रुपये हो गया है।

मामा अभिषेक बच्चन ने बढ़ाया भांजे अगस्त्य का हौसला, 'द आर्चीज' की रिलीज से पहले दी ये सीख

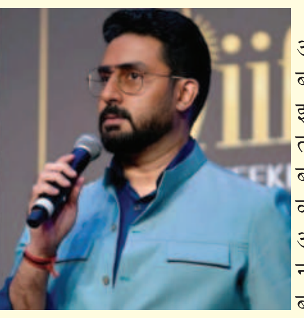

अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के बाद अब इस परिवार की तीसरी पीढ़ी भी बॉलीवुड में आगाज करने जा रही है। अमिताभ बच्चन के नाती और श्वेता बच्चन नंदा-निखिल नंदा के बेटे अगस्त्य नंदा फिल्म 'द आर्चीज' के जरिए अभिनय की दुनिया में दस्तक देने को तैयार हैं। यह फिल्म सात दिसंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी। इससे पहले कल इसका भव्य प्रीमियर हुआ, जिसमें फिल्म जगत की बड़ी-बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। इस दौरान बच्चन परिवार की तीन पीढ़ी एक साथ नजर आईं, जिसकी तस्वीरें अभिषेक बच्चन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

अभिषेक बच्चन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें वे,अमिताभ बच्चन और अगस्त्य नंदा साथ नजर आ रहे हैं। इसके साथ अभिषेक बच्चन ने अपने भांजे का हौसला भी बढ़ाया है। पोस्ट के साथ साझा की गई तस्वीर में अभिषेक बच्चन अपने भांजे का हाथ थामे दिख रहे हैं। ये तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट है। वहीं, एक अन्य तस्वीर में बिग बी, अभिषेक बच्चन और अगस्त्य तीनों डैशिंग लुक में दिख रहे हैं।

इसके साथ अभिषेक बच्चन ने डेब्यू से पहले एक्टिंग की दुनिया में अगस्त्य का स्वागत किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, ''तुम्हें बस आगे बढ़ना है और मैं तुम्हारा हाथ थामने के लिए हमेशा रहूंगा। मेरे प्यारे अगस्त्य, फिल्मों की दुनिया में तुम्हारा स्वागत है'! बच्चन परिवार की तीन पीढ़ियों को एक तस्वीर में देख यूजर्स बेहद खुश हैं और अगस्त्य को जमकर बधाई दे रहे हैं।

अभिषेक बच्चन के अलावा एक तस्वीर अगस्त्य ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा की है। वे ब्लैक सूट में पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'किसी की नजर न लगे भईया'। बता दें कि 'द आर्चीज' फिल्म सात दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अगस्त्य के साथ-साथ इसमें सुहाना खान और खुशी कपूर भी नजर आएंगी।

बीती रात हुए भव्य प्रीमियर कार्यक्रम रेखा, ऐश्वर्या राय बच्चन, कटरीना कैफ, मलाइका अरोड़ा, जान्हवी कपूर और अनन्या पांडे जैसी हस्तियों ने शिरकत की। रेखा ने साड़ियों के प्रति अपने प्यार को बरकरार रखते हुए, पीले रंग की टिश्यू साड़ी कैरी की। वहीं, दीया मिर्जा ने इस इवेंट के लिए काले रंग की एक स्टाइलिश मोनोटोन ड्रेस चुनी।

विवाह परिवारों का भी मेल है

शादी में दूल्हा-दुल्हन केवल दोस्तों के संग मगन न रहें, अपने परिजनों को भी उनकी अहमियत का अहसास कराएं

आजकल दूल्हा-दुल्हन अपनी शादी की तैयारियों में पहले की तुलना में कहीं अधिक रुचि लेते हैं। तमाम इंतज़ाम में उनकी राय ही नहीं, उनका चयन भी बहुत मायने रखने लगा है। इसमें किसी को आपत्ति नहीं हो सकती, लेकिन शादी में इस तरह खो जाना कि घर-परिवार, रिश्तेदार-परिचितों की अवहेलना हो जाए, इस पर अब उंगलियां उठने लगी हैं।

शादी से पहले ही ढेर सारी बातचीत, परिजनों के स्वभाव की चर्चा और अपनी पसंद-नापसंद से लेकर शादी की तैयारियों तक की जानकारियों की चर्चा लड़के-लड़की के बीच हो जाती है। अपरिचय जैसा कुछ अधिक नहीं रह जाता। प्री-वेडिंग शूट जो कराते हैं, उनमें आपसी झिझक भी बाक़ी नहीं रहती। दोस्तों की महफ़िल में मस्त-मगन लड़का-लड़की से जिस लिहाज़ की घर के बड़े उम्मीद करते हैं, वो नदारद रहता है। ऐसे में रिश्तेदार शादी में शामिल होने की जगह, उसे 'अटेंड' करने भर की बात करते हैं। उनका मानना है कि लड़का-लड़की विवाह आयोजन के दौरान अपने दोस्तों में मगन रहेंगे, उनकी तो वहां कोई अहमियत होगी नहीं। लेकिन अगर दूल्हा-दुल्हन चाहें, तो अपने परिजनों के लिए कुछ अनूठी पहल करके न सिर्फ़ अपने जीवन में उनके ख़ास मक़ाम को रेखांकित कर सकते हैं, बल्कि अपनी शादी को एक निराले ढंग से यादगार भी बना सकते हैं।

तैयारियों में शिरकत

आग्रह करें लड़का-लड़की

डिजिटल निमंत्रण के इस ज़माने में अक्सर दूल्हा-दुल्हन के अभिभावक रिश्तेदारों को फोन करके निमंत्रण को अनौपचारिक व्यक्तिगत पुट देते हैं, लेकिन एक बार यह मनुहार ख़ुद दूल्हा-दुल्हन की तरफ़ से हो कि शादी में नातेदारों के शामिल होने या उनकी मौजूदगी के लिए वे कितने व्यग्र हैं, तो उन्हें बहुत अच्छा महसूस होगा।

आने-जाने के बारे में पूछें

दूल्हा-दुल्हन अपने परिजनों के आने-जाने के दिन-समय व ट्रेन-फ्लाइट आदि की जानकारी लें। जैसे दोस्तों को लाने-छोड़ने की व्यवस्था पर ख़ास ध्यान देते हैं, वैसे ही परिजनों का भी रखें। एक सुझाव यह भी है कि अपने परिजनों से उनके पसंदीदा गानों के बारे में पूछकर रखें। जब टैक्सी या घर की कार उन्हें लेने जाए तो कार में उन गानों को रिश्तेदारों के स्वागत के लिहाज़ से बजाएं। क़रीबी परिजनों के लिए लड़का-लड़की ख़ास भावनाप्रधान संदेश रिकॉर्ड करके कार में बजवा सकते हैं।

वैवाहिक आयोजन में निज की छाप...

कमरे में पत्र रखें

रिश्तेदारों के लिए तय किए गए कमरों में उनके लिए ख़ास तरह का स्वागत पत्र रखवाने से वे उसी क्षण से शादी का हिस्सा बन जाना महसूस करेंगे। व्यक्तिगत छाप लिए एक स्वागत उपहार भी कमरों में रखवाया जा सकता है।

एक छवि यादगार रहेगी

परिजनों के साथ एक अलग तस्वीर खिंचवाकर, वापसी में प्रिंट करवाकर देना, अच्छी रिटर्न गिफ्ट हो सकती है।

तस्वीरों की ज़ुबानी

शादी के डेकोर या घर पर, जहां भी मुमकिन हो, परिजनों के साथ की पुरानी तस्वीरों का डिस्प्ले लगवाएं। बस, इतना याद रखें कि हर आमंत्रित की एक-दो तस्वीरें ज़रूर हों।

रिश्तेदारों के लिए ख़ास गेम्स

अक्सर हल्दी, मेहंदी, संगीत आदि में सारे रिश्तेदार एक-साथ शामिल नहीं हो पाते। इसलिए शादी के एकाध दिन पहले, सुबह सबके लिए ख़ास गेम्स का आयोजन करें। यह उनके मन को ख़ुश कर देगा और आपस में उनकी चुहलबाज़ी विवाह के अवसर को उनके लिए भी ख़ास बना देगी।

यादों का ज़ख़ीरा साझा करें

अक्सर बड़े ही बच्चों से जुड़े अपने क़िस्से साझा करते हैं। ऐसे में, दूल्हा और दुल्हन शादी से एक दोपहर पहले या सुबह नाश्ते के दौरान अपने प्रिय बुज़ुर्गों व रिश्तेदारों, जैसे दादा-दादी, नाना-नानी, मामा-मौसी, चाचा-बुआ, बहन-भाई से जुड़े ख़ास क़िस्से सुनाकर अपने जीवन में उनके विशेष स्थान का विश्वास दिला सकते हैं।

शादी के बाद

सबकी ख़ैर-ख़ैरियत से घर वापस पहुंचने की जानकारी ख़ुद फोन करके लें।

हर रिश्तेदार के तोहफ़े के लिए उनको अलग से मेल करें या पत्र लिखें। इसे नवविवाहित दंपती मिलकर करें, तो और बेहतर।

हर पहल का मक़सद परिवार को अपने जीवन के इस मोड़ पर साथ रखने का है और उन्हें यह विश्वास दिलाने का कि परिवार में आपकी मौजूदगी, आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं।

ओवरथिंकिंग से कैसे बचें?

सवाल में ही परिस्थिति का असली रूप छुपा है। मन में अनगिनत विचार आने का अर्थ है कि व्यक्ति उस लम्हे निष्क्रिय है। वो कोई कार्य नहीं कर रहा है, ऐसा कार्य जिसमें मस्तिष्क या पूरा ध्यान लगाना ज़रूरी हो। हम ज़रूरत से ज़्यादा कब सोचते हैं, तब जब सोचते ही रहने का अवकाश ख़ुद को देते हैं।

जब किसी मुद्दे या विषय पर बहुत अधिक सोचने लगें और नतीजे पर पहुंचना मुश्किल लग रहा हो, या ऐसी स्थिति पर विचार करें कि जिसका तुरंत कोई निदान संभव न हो, तो हमें लगता है कि हम उलझ गए हैं। सोचना ज़रूरी है मंथन करने के लिए, लेकिन केवल सोचते रहने के लिए नहीं।

सवाल लाज़मी है...

सेल्फ़ हेल्प किताबों के मशहूर लेखक जॉन मैक्सवेल का कथन है, 'हमारा जीवन महज़ दस प्रतिशत वो है, जो हमारे साथ घटता है और नब्बे प्रतिशत वो है, जिस तरह हम इन घटनाओं का सामना करते हैं।' जो हो रहा है, उसका जिस तरह सामना करेंगे से अर्थ है कि उसको जैसा प्रतिसाद देंगे, वह है हमारा असली जीवन और उसका स्वरूप। जब नब्बे प्रतिशत पर हमारा नियंत्रण होता है, तो मानकर चलिए कि जीवन को संभालने का गुर हमें आता है।

प्रतिसाद और प्रतिक्रिया

परिस्थितियां सदा पक्ष में नहीं रहतीं। ज़िंदगी नर्म-गर्म चलती रहती है। कभी कुछ अच्छा होता है, तो कभी मन का नहीं भी होता है। ऐसे में शिकायत करना, समय, भाग्य या किसी इंसान पर दोषारोपण करते रहना ही प्रतिक्रिया देना है, जिसका साफ़-साफ़ मतलब है कि आपकी ख़ुशियों की चाबी किसी और के हाथ में है- चाहे इंसान, चाहे परिस्थितियां।

अब सवाल उठ सकता है कि परिस्थिति को क्या प्रतिसाद दें? यह स्मरण रखें कि कुछ करने का विकल्प हमेशा आपके पास है। परिवर्तन और दिक़्क़तें तो आएंगी ही, लेकिन उनके सामने लचीला रवैया, हल ढूंढने वाली सोच और उबरकर बाहर आ जाने वाला हौसला रखें, तो हालात की मुश्किलें रोड़ा नहीं बनेंगी।

सोचते रहने से क्या होगा?

बस पूरी भरी है, तब भी जाना तो है। गर्मी की, धूप की, भीड़ या जगह की कमी की शिकायत करने से यात्रा भली नहीं होगी। यह तो ऐसा हुआ जैसे अपनी यात्रा और गंतव्य का ज़िम्मा आपने भीड़ और मौसम के हाथों सौंप दिया हो और ख़ुद को निर्बल कर लिया हो। आप बस में चढ़िए, धीरे-धीरे स्थान भी मिल जाएगा और खिड़की से आती हवा की ताज़गी भी। केवल सोचते रह जाते, तो बस भी छूटती और लक्ष्य भी।

क्रिया महत्वपूर्ण है

मन में ढेर सारे विचार आने से बचने का तरीक़ा है कि मन को इस लम्हे यानी वर्तमान में ले आएं। कुछ काम करने लगें, जिसमें ध्यान लगे। अगर किसी समस्या के बारे में सोच रहे हैं, तो उसके समाधान को लेकर काम करने लगें।

जो विचार सोच में डरा रहे होंगे या नतीजे पर पहुंचने से रोक रहे होंगे, वो क्रियाशील होते ही अपने डर के अंधेरों से बाहर आ जाएंगे। अति में सोचने, केवल सोचते रहने, चिंता करने या आशंकित रहने से जीवन थमा रहेगा। अगर कहीं पहुंचने की फ़िक्र है, तो चलिए। सोचते मत रहिए।

सर्दी में खाएं गर्म-गर्म खिचड़ी और दाल, साथ में परोसें नमकीन रायता

आलू-मटर खिचड़ी

क्या चाहिए

चावल- 1 कप भीगे हुए, जीरा- 1 छोटा चम्मच, सौंफ- 1 छोटा चम्मच, राई- 1/2 छोटा चम्मच, प्याज़- 1 बारीक कटा हुआ, हरी मिर्च- 2 कटी हुईं, लहसुन पेस्ट- 1 छोटा चम्मच, कढ़ी पत्ते- 12-15, आलू- 2 कटे हुए, मटर- 1 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, तेल- 2 बड़े चम्मच।

ऐसे बनाएं

गर्म तेल में राई, जीरा और सौंफ तड़काएं। प्याज़ व हरी मिर्च डालकर गुलाबी भूनें। लहसुन पेस्ट मिलाकर भूनें। कढ़ी पत्ते, मटर और आलू मिलाकर भूनें। सारे सूखे मसाले और नमक मिलाएं। आधा कप पानी मिलाकर मसाला भूनें। चावल मिलाकर एक मिनट भूनें और फिर पानी मिलाकर दो-तीन सीटी आने तक पकाएं। तैयार खिचड़ी को रायते के साथ परोसें।

चटपटी उड़द-चना दाल

क्या चाहिए

उड़द दाल- 1 कप, चना दाल- 1 बड़ा चम्मच, तेल- 2 बड़े चम्मच, जीरा- 1 छोटा चम्मच, टमाटर- 2 कटे हुए, हरी मिर्च- 1-2 कटी हुईं, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक।

ऐसे बनाएं

उड़द और चना दाल को साथ में उबाल लें। पैन में तेल गर्म करके जीरा तड़काएं। टमाटर और हरी मिर्च भूनें। सारे सूखे मसाले मिलाएं। तेल छोड़ने तक भूनें। पकी हुई दाल को इसमें मिला लें। चटपटी दाल तैयार है।

नमकीन रायता

क्या चाहिए

दही- 2 कटोरी, घी- 1 छोटा चम्मच, जीरा व राई-1/2-1/2 छोटा चम्मच, हींग- 1 चुटकी, प्याज़- 1 बारीक कटा हुआ, हरी मिर्च- 1-2 बारीक कटी हुईं, कढ़ी पत्ते- 4-5, लाल मिर्च पाउडर व हल्दी पाउडर-1/2-1/2 छोटा चम्मच, नमक, धनिया पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, गरम मसाला- 1 चुटकी, कसूरी मेथी- 1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया- थोड़ा-सा।

ऐसे बनाएं

दही को चिकना होने तक फेंट लें। अब घी गर्म करके जीरा, राई और हींग तड़काएं। इसमें प्याज़, हरी मिर्च और कढ़ी पत्ते डालकर भून लें। सारे सूखे मसाले, कसूरी मेथी और नमक मिला लें। इसे कुछ मिनट या तेल छोड़ने तक भूनें। कटा हरा धनिया मिलाएं। इस तैयार तड़के को दही में मिलाएं और पराठों या खिचड़ी के साथ परोसें।

साफ-सुथरा और व्यवस्थित घर रहने वालों के जीवन पर कई तरह से असर डालता है

हम घर को साफ़-सुथरा और व्यवस्थित बनाते हैं, फिर घर हमारे मन को साफ़ और ज़िंदगी को व्यवस्थित करता है। दीपावली जीवन में जो अपार सुख भरती है, उसका एक बड़ा हिस्सा स्वच्छता और व्यवस्था से उपजता है। इस जादू को महसूस करने के दिन आ गए हैं!

घर की साफ़-सफ़ाई के 'संगीत' में मिलती है। जीवन की धुरी घर है तो घर की धुरी स्त्री, यानी स्त्री के हाथों घर और घर के ज़रिए जीवन के व्यवस्थित होने की शुरुआत हो रही होती है। दीप पर्व दूसरे सारे त्योहारों की तरह हमें उमंग-तरंग से तो भरता ही है, साथ ही पूरे एक वर्ष के लिए हमारे जीवन का नवीनीकरण कर जाता है, इसीलिए ये हमारी संस्कृति का सबसे बड़ा त्योहार है।

त्यौहार पर घर की हर चीज़ पर नज़र ज़रूर डाली जाती है। उसे धोया या झाड़ा-पोंछा जाता है। उसकी सही जगह पर रखा जाता है। देखा जाता है कि फलां वस्तु अब काम की रही भी कि नहीं! वह वहीं ठीक रहेगी जहां रखी है या किसी और जगह पर उसका होना मुनासिब होगा? अगर वह अब अपने मूल काम की नहीं रही, तो क्या किसी और काम आ सकती है? और ये भी नहीं तो उसे किसे दे दिया जाए कि वह उसके कोई काम आ जाए? यह सब नहीं हो पाता, तब जाकर हम उसके फेंके जाने पर पहुंचते हैं। इस गुण ने ही तो इस प्राचीन सभ्यता को यूं जीवंत बनाए रखा है। हम किसी भी चीज़ के सदुपयोग की कोशिश अंत तक करते हैं।

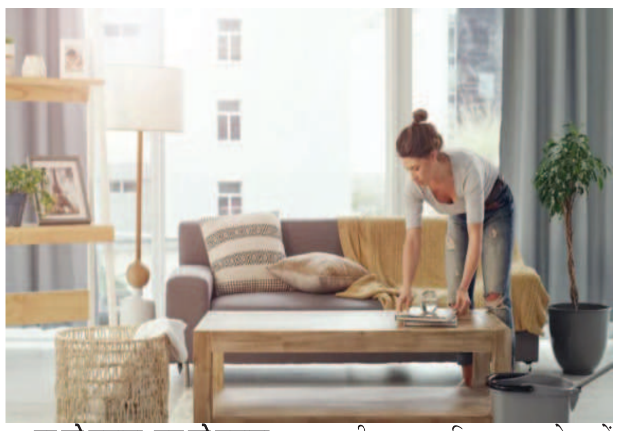

घर को जमाना, मन को सजाना

ऐसा नहीं है कि इस क़वायद का उद्देश्य केवल चीज़ों को चमकाना और अच्छा दिखाना है। इसके पीछे पूरा का पूरा मनोविज्ञान है। दरअसल, जब मन अच्छा होता है तब तो जीवन क्रम में रहता ही है, लेकिन कभी जब बिखराव ज़्यादा हो जाए और मन समझाए न समझे, तब जीवन को व्यवस्थित कर मन को अच्छा करना पड़ता है। और दीपावली पर पूरे घर को फिर से व्यवस्थित करना वही नुस्ख़ा है। एक बार ठीक हुआ मन फिर लंबे समय तक या कह लीजिए, कम से कम एक साल तक तो जीवन को व्यवस्थित रखने के लायक़ बन ही जाता है !

घर में स्वच्छता और व्यवस्था का असर क्या होता है, यह शोध-अध्ययन के बजाय महसूस करने की बात है। हर किसी ने दिवाली की सफ़ाई के बाद में अतिरिक्त सकारात्मकता, उमंग और उत्साह का अनुभव किया ही होगा। जहां तक रिसर्च की बात है, तो उनसे भी पुष्टि होती है कि साफ़-सुथरा और अच्छी तरह व्यवस्थित घर रहने वालों के जीवन पर कई तरह से असर डालता है। सबसे बड़ा प्रभाव तो मन की उलझन और जकड़न दूर होने के रूप में पड़ता है। आप स्पष्ट ढंग से सोच पाते हैं। यही वजह है कि सुव्यवस्था को रचनात्मकता बढ़ाने वाला तत्व भी माना जाता है। तनाव और चिड़चिड़ापन भी कम हो जाता है। इसके अलावा, सामाजिक मामलों में आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि अब आपको चिंता नहीं होती कि कोई अचानक आ धमकेगा तो घर की हालत देखकर क्या सोचेगा! बल्कि आप तो लोगों को आमंत्रित करना चाहते हैं। यह भी मानी हुई बात है कि अस्त-व्यस्त, कबाड़ख़ाने जैसी जगह में नींद ढंग से नहीं आती, सो दिवाली के लिए की गई मेहनत आपकी नींद, सुकून, चैन और आराम में भी बढ़ोतरी करती है।

व्यवस्था में प्रवाहित होती है ऊर्जा

विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठक ज़रूर जानते होंगे कि अणुओं का व्यवस्थित होना ही विद्युत के प्रवाह को संभव बनाता है। अणु व्यवस्थित क्रम में हुए नहीं कि बिजली अपने उद्‌गम से उपयोग तक निर्बाध बहने लगती है। ठीक इसी तरह हमारे घर का व्यवस्थित होना हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरने लगता है और तब यही ऊर्जा हमारे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की वाहक बनती है। मां लक्ष्मी की हम पर कृपा बरसने लगती है।

दीपावली, दीपों की अवली, दीपों की पंक्ति। अमावस की उस रात हमारे घरों की चारदीवारी और मुंडेर पर लगे पंक्तिबद्ध दीये इसी बात की ही तो घोषणा कर रहे होते हैं कि देखो! हमने अपना जीवन व्यवस्थित कर लिया है। अब इसमें ऊर्जा प्रवाहित होगी।

मुक्त होने का मंत्र...

हर भावनात्मक लगाव की तरह इस बात को समझना भी बहुत ज़रूरी है कि कोई भी चीज़ चाहे आज कितनी ही ठीक हालत में क्यों न हो, कभी कितनी ही क़ीमती क्यों न रही हो, अगर आज हमारे किसी भी काम की नहीं, तो बेहतर है हम ऐसे किसी को दे दें जिसके काम आए।

यदि दैनिक जीवन की किसी चीज़ को आपने एक वर्ष से काम में नहीं लिया या वार-त्योहार के लिए सहेजी चीज़ों को ऐसे ही किसी मौक़े पर काम में लेने से आप हिचकिचाए हैं और अंततः आपने उसे रखा ही रहने दिया, तो यक़ीन मानिए वह अब आपके किसी काम की नहीं। उसका होना भीड़ ही बढ़ाएगा, अव्यवस्था ही फैलाएगा।

शादी से पहले त्वचा और बालों की करें देखभाल, कुछ घरेलू उपाय

शादी के लिए परिधान और आभूषणों की तैयारियों के साथ-साथ ज़रूरी है अपनी त्वचा को भी तैयार करना। शादी वाले दिन दमकता चेहरा दुल्हन की पहचान होता है। इसीलिए, इस ख़ास अवसर के लिए अपने चेहरे को भी तैयार कर लें इन ख़ास घरेलू उपायों से।

उबटन से आए निखार

4-5 बादाम, 1-2 छोटे चम्मच मसूर दाल और चिरौंजी को बारीक पीसकर पाउडर बना लें। थोड़े-से पाउडर को दूध में रातभर के लिए भिगो दें। अगले दिन इस पेस्ट को पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो ठंडे पानी से धो लें। 1 बड़ा चम्मच बेसन, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 छोटा चम्मच दही और थोड़ा-सा गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद धो लें।

हाथ-पैर भी दमकाएं

2 छोटे चम्मच नींबू के रस में 1 छोटा चम्मच पिसी शक्कर मिलाएं। इसे हाथ-पैर पर लगाएं। जब सूख जाए तो बेसन का उबटन लगाकर साफ़ करें।

आलू का रस निकाल लें। इसे पूरे पैर और हाथों पर 10 मिनट लगाएं और धो लें। आलू में प्राकृतिक ब्लीच होता है जिससे त्वचा की टैनिंग साफ़ हो सकती है। ख़ूबसूरती बढ़ाने के लिए शादी के एक सप्ताह पहले पेडीक्योर और मैनीक्योर करना न भूलें।

बालों की देखभाल

एलोवेरा जैल व कैस्टर ऑयल को मिलाकर बालों व जड़ों में लगाएं। 20-30 मिनट बाद शैम्पू कर लें। इसे हफ्ते में 1-2 बार करें।

2 केलों को मसल लें। इसमें कप शहद और कप ऑलिव या कैस्टर ऑयल अच्छी तरह से मिलाएं। इसे बालों और जड़ों में लगाएं। 20-30 मिनट बाद शैम्पू से धो लें। इसे हफ्ते में एक बार करें।

1 अंडे का सफ़ेद भाग, 2 बड़े चम्मच नारियल तेल, कप दूध, 1 नींबू का रस और 1 बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। इसे बालों पर लगाएं और 30 मिनट के बाद शैम्पू से धो लें।

नींद लें व धूप से बचें

नींद की कमी और थकान आपके चेहरे और निखार के लिए ठीक नहीं। 7-8 घंटे की भरपूर नींद से आंखों की थकावट, फूलापन और काले घेरे छुपेंगे। निखार और ताज़गी भी मिलेगी। वहीं, धूप में जाने से बचें और बाहर निकलते वक़्त शरीर को ढककर रखें।

ऐसे करें परफेक्ट जीवनसाथी का चुनाव

शादी के मौसम की शुरुआत कुछ ही दिनों में होने वाली है. नवंबर-दिसंबर महीने में कई घरों में शहनाइयां बजती हैं. पैरेंट्स अपने बेटे या बेटी के लिए योग्य जीवनसाथी की तलाश में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते. वहीं, लड़का-लड़की भी चाहते हैं कि शादी उनकी हो रही है तो उनकी पसंद-नापसंद का ख्याल जरूर रखा जाए. खासकर, जब शादी अरेंज मैरिज हो तब. लाइफ पार्टनर का चुनाव करते समय कोई भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए वरना आगे चलकर रिश्ता टूटने की नौबत आ जाती है. यदि आपके घर वाले आपका रिश्ता तय कर रहे हैं, आपके लिए लड़का-लड़की देख रहे हैं तो अपनी पसंद, राय भी बताएं. आपको कोई पसंद ना आए तो आप साफ मना कर सकते हैं. चुप-चाप रह कर किसी भी रिश्ते के लिए हामी न भरें, क्योंकि आगे का सारा जीवन आपको ही उसके साथ बिताना है ना कि आपके परिवार को. ऐसे में एक बेहतर जीवनसाथ की तलाश है तो आप उसके अंदर कुछ क्वालिटी, खूबियों पर जरूर गौर करें. आइए जानते हैं एक बेहतर और अच्छे जीवनसाथी में कौन-कौन सी खूबियां होनी जरूरी है, ताकि आपका रिश्ता अटूट रहे और प्यार और सुकून से दांपत्य जीवन की गाड़ी आगे बढ़ती रहे.

1. शादी एक लाइफ लॉन्ग कमिटमेंट है. इसमें दो परिवारों का रिश्ता जुड़ता है. इस रिश्ते में मेरा-तेरा की जगह नहीं होती है, बल्कि 'हमारा' 'हम' को महत्व दिया जाता है. ऐसे में एक हैप्पी और हेल्दी मैरिड लाइफ बिताने के लिए होने वाले जीवनसाथी में कुछ क्वालिटी, गुणों का होना बेहद जरूरी है. तो आपकी भी शादी फिक्स होने वाली है, अपने लिए योग्य दूल्हा या दुल्हन की तलाश कर रहे हैं तो फिर जल्दबाजी ना मचाएं. पूरे घर-परिवार के साथ बैठकर शादी-ब्याह पर चर्चा करें. आपके मन लायक जीवनसाथी ना मिले तो बेशक आप कुछ महीने और तलाश करें और तब शादी की बात आगे बढ़ाएं.

2. आप किसी से मिलें, इससे पहले की उससे शादी की बात आगे बढ़ें या फिक्स हो, उसके साथ कुछ पल अकेले में बातें करें. दो-तीन दिन उससे मिले-जुलें. उसके विचारों, सोच को समझने की कोशिश करें. फिर चाहे वह लड़का हो या लड़की. बातों से थोड़ा बहुत अंदाजा तो लग ही जाएगा कि उसका शादी में यकीन है या नहीं. रिश्ते, प्यार, शादीशुदा जिंदगी को लेकर सामने वाले की सोच कैसी है. लड़की या लड़के के घर वालों को इज्जत देगा या नहीं. इन सभी बातों में लड़का-लड़की पॉजिटिव रूप से खरे उतरते हैं तो फिर तो रिश्ते के लिए हां बोलने में कोई बुराई नहीं है.

इसे भी पढ़ें: ब्रेकअप के बाद टूटे हुए दिल को ऐसे संभालें, इन 5 टिप्स की लें मदद, प्यार में मिले दर्द से उबरना होगा आसान

3. जीवनसाथी ऐसा हो जिसकी हॉबीज, इंटरेस्ट आपसे मिलते-जुलते हों. लाइफ पार्टनर चुनते समय इस क्वालिटी पर जरूर ध्यान देना चाहिए. ऐसा इसलिए, क्योंकि कई बार आपको जिन बातों, कामों में दिलचस्पी होती है, पार्टनर की नहीं होती है. ऐसे में एक-दूसरे के साथ सामंजस्य बिठा पाना मुश्किल हो जाता है. यदि आप किसी के साथ अपना सारा जीवन बिताने का फैसला लेने वाले हैं तो इस बात पर गौर करें कि वो आपकी पसंद-नापसंद में रुचि ले रहा है या नहीं.

4. कुछ लोग पहली मुलाकात में इंम्प्रेशन छोड़ने के लिए खूब बढ़-चढ़कर बातें करते हैं, डींगे मारते हैं. ऐसे में होने वाले लाइफ पार्टनर के इंटेलिजेंस पर भी ध्यान देना जरूरी है. साथ ही आप जितने पढ़े-लिखें हैं या आपकी एजुकेशन क्वालिफिकेशन, जॉब पर भी गौर फरमाएं. यदि आप चाहते हैं कि आपका जीवनसाथी आपको समझने के साथ ही आपके काम को भी समझे, सपोर्ट करे तो ऐसा पार्टनर बेस्ट है. शादी के बाद भी आपको काम करने दे ना कि हाउस वाइफ बनाकर रखे, आपके सपनों को पूरा करने में आपको भरपूर सपोर्ट करे तो ऐसा इंसान जीवनसाथी बनने के लिए परफेक्ट है.

5. एक-दूसरे का सम्मान करने वाला, रिश्तों की अहमियत को समझने वाला हो लाइफ पार्टनर. हमेशा अपनी चलाना, हर बात अपनी ही मनवाना, हर चीज में अकेले फैसला लेना, खुद को सही और सामने वाले को गलत ठहराने वाला इंसान ठीक नहीं होता. यदि आपको शादी से पहले कुछ मुलाकातों में ये आभास होता है तो ये रिश्ता बिल्कुल ना जोड़ें वरना आपको बाद में पछताना पड़ सकता है.

लगातार तीसरे दिन शेयर बाजार ने बनाया नया हाई : सेंसेक्स 357 पॉइंट बढ़कर 69,653 पर बंद, निफ्टी में भी 82 अंक की तेजी रही

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार ने आज यानी बुधवार (6 दिसंबर) को फिर नया ऑल टाइम हाई बनाया। सेंसेक्स 69,744.62 के अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी ने भी 20,961.95 का स्तर छुआ। ये लगातार तीसरा दिन है जब सेंसेक्स और निफ्टी ने नया हाई बनाया है।

वहीं आज सेंसेक्स 357 पॉइंट बढ़कर 69,653 के स्तर पर बंद। निफ्टी में भी 82 अंक की तेजी रही, यह 20,937 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और सिर्फ 10 में गिरावट रही। आज IT, एनर्जी और FMCG शेयरों में तेजी रही।

हालांकि बैंक निफ्टी में दबाव देखने को मिला।

अडाणी टोटल गैस के शेयर में 20% की तेजी

आज के कारोबार में अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 7 में तेजी देखने को मिली है। अडाणी टोटल गैस में 20% की तेजी रही है। वहीं अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 2.24% की गिरावट रही। अडाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर भी 16.80% चढ़ा।

एक्सपर्ट बोले- शेयर मार्केट सालाना 20% बढ़ेगा

मॉर्गन स्टेनली इंडिया के एमडी रिधम देसाई बताते हैं कि अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% उछाल का अनुमान है। जीडीपी में लिस्टेड कंपनियों के मुनाफे की हिस्सेदारी बढ़कर 10-11% पहुंच सकती है, जो अभी 5-8% है। इसके पीछे निवेश बढ़ना, सरकारी खर्चों में बढ़ोतरी, बचत में सुधार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इजाफा और कंपनियों का शानदार लाभांश कारण हैं।

कल बाजार ने बनाया था ऑल टाइम हाई

इससे पहले कल यानी मंगलवार को शेयर बाजार नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स ने 69,381.31 का ऑल टाइम हाई बनाया, तो वहीं निफ्टी ने भी 20,864.05 का हाई बनाया। इसके बाद सेंसेक्स 431 पॉइंट (0.63%) बढ़कर 69,296 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में 168 अंक (0.81%) की तेजी रही, यह 20,855 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट मिली थी।

300 प्रतिशत डिविडेंड देने की घोषणा के बाद यह सुपरहिट स्टॉक बाज़ार में मचा रहा है धूम

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंदुस्तान जिंक ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर एक्सचेंज फाइलिंग के दौरान जानकारी दी. कंपनी ने निवेशकों के लिए अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया. कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार हिंदुस्तान जिंक अपने निवेशकों को 6 रुपए प्रति शेयर के आधार पर अंतरिम डिविडेंड दे रही है.

हिंदुस्तान जिंक के शेयर बुधवार के बज़ार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं. कंपनी चालू वित्त वर्ष के लिए 6 रुपये प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा के बाद बीएसई पर बुधवार के कारोबार में हिंदुस्तान जिंक के शेयर 2% से अधिक बढ़कर 331.8 रुपये पर पहुंच गए.

हिंदुस्तान जिंक ने इस तरह अपने निवेशकों को तोहफा देने का ऐलान किया. हिंदुस्तान जिंक ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर एक्सचेंज फाइलिंग के दौरान जानकारी दी. कंपनी ने निवेशकों के लिए अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया. कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार हिंदुस्तान जिंक अपने निवेशकों को 6 रुपए प्रति शेयर के आधार पर अंतरिम डिविडेंड दे रही है. कंपनी ने 6 दिसंबर को एक प्रेस नोट के जरिए एक्सचेंज फाइलिंग के तहत इसकी जानकारी दी. अंतरिम डिविडेंड 2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के फेस वैल्यू पर 300% है.

कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कंपनी के निदेशक मंडल ने बुधवार, 06 दिसंबर, 2023 को सर्कुलेशन द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से वित्तीय वर्ष के लिए 6 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के दूसरे अंतरिम डिविडेंड यानी 2/- रुपये प्रति शेयर के फेस वैल्यू पर 300% को मंजूरी दे दी है, जो वर्ष 2023-24 में 2535.19 करोड़ रुपये की राशि होगी."दूसरे अंतरिम डिविडेंड के भुगतान की रिकॉर्ड तिथि 14 दिसंबर निर्धारित की गई है. कंपनी ने कहा कि डिविडेंड का भुगतान कानून के तहत निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाएगा.

पिछले 12 महीनों में हिंदुस्तान जिंक ने 46 रुपये प्रति शेयर के इक्विटी डिविडेंड का भुगतान किया है, जिसके परिणामस्वरूप डिविडेंड यील्ड 14% है. सुबह 10.49 बजे, बीएसई पर शेयर 0.4% बढ़कर 326.1 रुपये पर कारोबार कर रहा था. इस बीच पिछले एक महीने में स्टॉक 10% से अधिक बढ़ गया है.

रिकॉर्ड स्तर पर सोना, 2024 में कहां जाएगा भाव?

2 साल की सुस्ती के बाद सोने में जबरदस्त तेजी का रुख देखने को मिल रहा है. इस साल गोल्ड रिकॉर्ड स्तरों पर जाकर कारोबार कर रहा है. सोने का रेट 63,000 के स्तर दिखा चुका है इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, फिलहाल सोने का भाव 62,266 रुपये पर कारोबार कर रहा है. अब सवाल है कि क्या इतनी तेजी दिखाने के बाद सोने का भाव और बढ़ेगा?

अक्टूबर में इजराइल और हमास के बीच जंग के बाद फिर से सोने के भाव में तेजी देखने को मिल रही है. वहीं, एक्सपर्ट्स का मानना है कि आगे भी गोल्ड में तेजी का रुख जारी रह सकता है. फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 7 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है.

2024 में कहां जाएगा सोने का भाव

ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं क्योंकि डॉलर में गिरावट का दौर जारी है, फिलहाल यह 3 महीने के निचले स्तर के आसपास है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है. भारत में 24 कैरेट गोल्ड का भाव फिलहाल 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ऊपर ट्रेड कर रहा है. हालांकि, अलग-अलग शहरों में भाव इसके आसपास हो सकते हैं.एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी के हेड अनुज गुप्ता का कहना है कि लंबी अवधि में सोने में तेजी जारी रहने की उम्मीद है. हालांकि, मौजूदा स्तरों से कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है लेकिन तेजी का रुख जारी रहने की संभावना है. अनुज गुप्ता के अनुसार, अगले साल सोने के भाव में 65,000 से 67,000 के स्तर देखने को मिल सकते हैं. ऐसे में सोना मौजूदा स्तरों से अच्छा रिटर्न दे सकता है.

सरकार उठा सकती है ये कदम, जीएसटी को लेकर चुनाव से पहले अहम अपडेट

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)।वर्तमान में कारोबार करने वाले लोगों को जीएसटी बिलिंग का भी काफी ध्यान रखना होता है. सरकार भी जीएसटी की प्रक्रिया को आसान करने में लगी हुई है. इस बीच अब सरकार की ओर से कुछ अहम कदम भी उठाए जा सकते हैं. सरकार अगले दो-तीन वर्षों में सभी व्यवसायों के लिए 'व्यवसाय से उपभोक्ता' (बी2सी) लेनदेन पर इलेक्ट्रॉनिक या ई-बिल जारी करना अनिवार्य कर सकती है.

ई-बिल

वर्तमान में पांच करोड़ रुपये और उससे अधिक के कारोबार वाली कंपनियों का 'व्यवसाय से व्यवसाय' (बी2बी) बिक्री व खरीद के लिए ई-बिल जारी करना अनिवार्य है. सरकार बी2सी लेनदेन के लिए ई-बिल अनिवार्य करने की योजना बना रही है. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य-जीएसटी शशांक प्रिया ने कहा कि जीएसटी प्रणालियों को उन्नत बनाने और बी2सी (व्यवसाय से उपभोक्ता) लेनदेन के लिए ई-बिल अनिवार्य करने पर काम जारी है.

प्रणाली करनी होगी तैयार

एसोचैम के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ''हम बी2सी के लिए ई-बिल की आवश्यकता पर विचार कर रहे हैं. जीएसटीएन क्षमताओं को बढ़ाने की जरूरत है. प्रणाली तैयार करनी होगी. हमें यह देखना होगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जहां से इसकी शुरुआत की जा सकती है. इस पर काम प्रगति पर है. हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हम इसे आगे ले जाने में सक्षम होंगे.'' उन्होंने कहा कि पांच से 10 करोड़ रुपये का कारोबार करने वाले व्यवसाय भी पूरी तरह से ई-बिलजारी नहीं कर रहे हैं.

लगा रहे अंकुश

हालांकि सीबीआईसी अधिकारी अनुपालन न करने वाले व्यवसायों पर अंकुश लगा रहे हैं. एक अप्रैल 2021 से 50 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने वाली कंपनियां बी2बी (व्यवसाय से व्यवसाय) ई-बिल जारी कर रहीं थी. एक अप्रैल 2022 से इस सीमा को घटाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया गया. एक अक्टूबर 2022 से इस सीमा को 10 करोड़ रुपये और एक अगस्त 2023 से पांच करोड़ रुपये कर दिया गया.

बैंकों में 5 दिन ही होगा कामकाज, सरकार ने बताया क्या है पूरा प्लान

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य सभा में वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन की ओर से सभी शनिवार को छुट्टी देने का प्रस्ताव रखा है. इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और बैंकों के यूनियन के बीच समझौतों के बाद साल 2015 से हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी का प्रावधान लाया गया. बैंक में काम करने वाले कर्मचारियों को जल्द ही बड़ी सौगात मिल सकती है. पिछले काफी समय से बैंक कर्मचारियों के यूनियन मांग करते आये हैं कि उन्हें भी 5 दिन वर्किंग की सुविधा का लाभ दिया जाए. अभी बैंक के कर्मचारियों को महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी मिलती है. लेकिन बैंक कर्मचारियों ने मांग की है कि उन्हें हर शनिवार की छुट्टी दी जाए.

सरकार ने पेश किया प्लान

राज्य सभा में वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन की ओर से सभी शनिवार को छुट्टी देने का प्रस्ताव रखा है. इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और बैंकों के यूनियन के बीच समझौतों के बाद साल 2015 से हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी का प्रावधान लाया गया. जिसके बाद देश के सभी पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंकों में हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश अनिवार्य कर दिया गया.अब पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंक सप्ताह में केवल पांच दिन काम करने की मांग कर रहे हैं. विशेष रूप से पब्लिक सेक्टर के बैंक इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं.

फर्टिलाइजर सब्सिडी और रोजगार कार्यक्रम पर 1.29 लाख करोड़ अतिरिक्त खर्च करेगी सरकार, संसद से मांगी मंजूरी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार की ओर से बुधवार को संसद से चालू वित्त वर्ष के लिए अतिरिक्त 1.29 लाख करोड़ खर्च करने की अनुमति मांगी है। इस राशि का इस्तेमाल किसानों को अधिक सब्सिडी और ग्रामीणों इलाकों में रोजगार सृजन कार्यक्रम चलाने के लिए किया जाएगा। ये जानकारी समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए शुद्ध अतिरिक्त खर्च 583.78 अरब रुपये होगा, जबकि बाकी खर्चों में फेरबदल करके समायोजित किया जाएगा।

उर्वरक सब्सिडी पर खर्च किए जाएंगे 133 अरब

उर्वरक यानी फर्टिलाइजर सब्सिडी पर 133.51 अरब रुपये खर्च करेगी और ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन कार्यक्रम में 145.24 अरब रुपये खर्च किए जाएंगे। अगर अतिरिक्त फर्टिलाइजर सब्सिडी को मिला दिए जाए तो सरकार चालू वित्त वर्ष में 1.88 लाख करोड़ रुपये केवल फर्टिलाइजर सब्सिडी पर खर्च करने वाली है। वहीं,न्यूनतम वेतन भुगतान वाली ग्रामीण आय योजना पर सब्सिडी बढ़कर 745.24 अरब रुपये हो जाएगी।

बता दें, फर्टिलाइजर पर अतिरिक्त खर्च के बाद भी चालू वित्त वर्ष में इसकी सब्सिडी पर खर्च पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कम है। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने फर्टिलाइजर सब्सिडी पर 2.51 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

खाद्य सब्सिडी पर 5,500 करोड़ अतिरिक्त खर्च किए जाएंगे

केंद्र सरकार की ओर से खाद्य सब्सिडी पर 5,500 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च किए जाएंगे। यह सरकार द्वारा निर्धारित किए गए 1.97 लाख करोड़ रुपये बजट से अतिरिक्त है। सरकारी आय का एक बड़ा हिस्सा खाद्य और फर्टिलाइजर सब्सिडी पर करती है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि अनुमान से अधिक टैक्स कलेक्शन के चलते राजकोषीय घाटा के लक्ष्य 5.9 प्रतिशत का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आरबीआई एमपीसी की बैठक शुरू 8 तारीख को क्या आ सकता है फैसला

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तीन दिनों तक चलने वाली एमपीसी यानी मौद्रिक नीति समिति की द्वैमासिक मीटिंग आज बुधवार 6 दिसंबर को शुरू हो गई है। इस मीटिंग की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास कर रहे हैं।

इस बैठक में आरबीआई की एमपीसी समिति जो भी फैसला लेगी उसकी घोषणा गवर्नर शक्तिकांत दास शुक्रवार 8 दिसंबर को करेंगे। चलिए जानते हैं इस बैठक से आप और हम क्या उम्मीद कर सकते हैं।

ब्याज दर रह सकता है स्थिर

शुक्रवार को होने वाली घोषणा में गवर्नर शक्तिकांत दास रेपो रेट को अपरिवर्तित रख सकते हैं। विशेषज्ञ की माने तो रेपो रेट इसलिए स्थिर रह सकता है क्योंकि मुद्रास्फीति धीरे-धीरे आरबीआई के लक्ष्य स्तर के करीब आ रही है और आर्थिक विकास बढ़ रहा है।

पिछले चार बार से स्थिर है ब्याज दर

आपको बता दें कि इससे पहले आरबीआई एमपीसी की हुई चार बैठको में रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया गया था। आखिरी बार रेपो रेट को फरवरी 2023 में बढ़ा कर 6.5 प्रतिशत किया गया था। आपको बता दें कि मई 2022 से फरवरी 2023 तक केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 250 बेसिस प्वाइंट यानी 2.5 प्रतिशत की वृद्धि की है।

चार महीने के नीचले स्तर पर महंगाई

खाद्य पदार्थों की कीमतें में कमी के कारण अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर चार महीने के निचले स्तर 4.87 प्रतिशत पर आ गई थी। एमपीसी ने अपनी अक्टूबर की बैठक में 2023-24 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था जो 2022-23 में 6.7 प्रतिशत से कम है।

आरबीआई एमपीसी का क्या है काम?

हर दो महीने में होने वाली इस एमपीसी की बैठक में देश में महंगाई को कम करने से जुड़े नीतिगत फैसले लिए जाते हैं। इनमें रेपो रेट सबसे अहम फैसला होता है। रेपो रेट वह ब्याज दर होता है जिस दर पर आरबीआई देश के बैंकों को कर्ज देती है।

आरबीआई के लिए रेपो रेट कितना महत्वपूर्ण

रेपो रेट आरबीआई के पास ब्रह्मास्त्र की तरह है। दरअसल देश में जब भी महंगाई बढ़ती है तो तब आरबीआई रेपो रेट के बढ़ा देता है। आरबीआई ऐसा इसलिए करता है ताकी इकोनॉमी में मनी फ्लो कम हो जाए।

मनी फ्लो होने से डिमांड कम होगी जिससे महंगाई घट जाएगी। इसके ठीक विपरीत जब इकोनॉमी में डिमांड बढ़ानी होती है तो आरबीआई रेपो रेट को कम कर मनी फ्लो को इकोनॉमी में बढ़ा देती है।

लहसुन 300 तो अदरक 200 रुपये किलो, मटर का भाव 100 रुपये , क्या आपके शहर के हैं ये सब्जी के रेट

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में आज से तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू हो गई है. देश के लिए केंद्रीय नीतिगत दरों और बैंकों के लिए ब्याज दरों को तय करने के लिए प्रत्येक दो महीने में आरबीआई ये मॉनिटरी पॉलिसी मीटिंग करता है. देश में महंगाई की स्थिति को देखते हुए ब्याज दरों को बढ़ाने या घटाने का फैसला लिया जाता है.

8 दिसंबर शुक्रवार को आने वाली क्रेडिट पॉलिसी के लिए ज्यादातर वित्तीय एक्सपर्ट अनुमान दे रहे हैं कि आरबीआई दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और यथास्थिति बरकरार रखेगा. चूंकि देश में पिछले महीने आए रिटेल और थोक महंगाई दर के आंकड़े ठीकठाक रहे जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास को दरें बढ़ाने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

देश के रिटेल बाजार में सब्जियों की बढ़ती कीमतें आम आदमी की जेब पर बड़ा निगेटिव असर डाल रही हैं.

कोलकाता का उदारहण लें तो रिटेल बाजार में टमाटर 60 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट पर बिक रहा है. सर्दियों की पसंदीदा सब्जी मटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास है. रिटेल बाजारों में प्याज का ऐवरेज रेट 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर है.

पश्चिम बंगाल सरकार की टास्क फोर्स के सदस्यों के अनुमान के मुताबिक लगभग सभी सब्जियों की औसत कीमतें 15 से 20 रुपये प्रति किलोग्राम तक ज्यादा बनी हुई हैं. इसके मेंबर्स का अनुमान है कि टमाटर, मटर और प्याज की कीमतें दुर्गा पूजा और काली पूजा के त्योहारी सीजन की तुलना में थोड़ी कम हुई हैं, लेकिन मौजूदा दाम अभी भी सामान्य दरों से ज्यादा हैं. यही बात लहसुन और अदरक के मामले में भी हैं. रिटेल बाजार में जरूरी खाद्य वस्तुओं के दाम को काबू में रखने वाली संस्था टास्क फोर्स ने ये जानकारी दी है.

क्या हैं कोलकाता में सब्जियों के भाव

कोलकाता में लहसुन का भाव 300 रुपये प्रति किलोग्राम है जबकि अदरक की कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम से ज्यादा है. आम जनता और सरकार दोनों के लिए अदरक और लहसुन की आसमान छूती कीमतें वाकई चिंता की बात हो चुकी है क्योंकि ये बंगाली खाने की डिश के लिए जरूरी चीजों में से हैं.

क्यों बढ़े यहां सब्जियों के दाम

टास्क फोर्स के सदस्यों का मानना है कि आम तौर पर कोलकाता के रिटेल बाजारों में खाने-पीने की जरूरी चीजों की कीमतें अभी भी ऊंची चल रही हैं. वजह ये है कि इनका राज्य में पर्याप्त मात्रा में उत्पादन नहीं होता है. टास्क फोर्स के एक सदस्य ने कहा, चूंकि इन उत्पादों के लिए दूसरे राज्यों से आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ता है, इसलिए जब भी आपूर्ति में कोई कमी होती है, इनकी कीमतें बढ़ जाती हैं.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 06-37 | सूर्यास्त - 17-37
भोग्य कति वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 05 -06 - तक उपरान्त एकादशी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , गुरुवार 07 December
नक्षत्र - हस्त - 08- 53 - पूर्ण दूसरे दिन- तक
योग - आयुष्मान - 23 - 59- तक उपरान्त सौभाग्य
करण- वणिज - 16 -09 - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल -16-10 से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	05-05 बजे
चंद्र-	कन्या में	धनु.....	07-18 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	09-24 बजे
बुध-	धनु में	कुंभ...	11-16 बजे
गुरु-	मेष में	मीन ..	12-52 बजे
शुक्र-	तुला में	मेष--	14-29 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	16-14 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	18-14 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	20-26 बजे
		सिंह...	22-39 बजे
		कन्या..	00-45 बजे
		तुला.....	02-54 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 14:53 से 16:16 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:37 - 07:57	अशुभ	काल	17:37 - 19:16	अशुभ
उत्पात	07:57 - 09:20	अशुभ	लाभ	19:16 - 20:53	शुभ
चंचल	09:20 - 10:43	शुभ	उत्पात	20:53 - 22:30	अशुभ
लाभ	10:43 - 12:07	शुभ	शुभ.	22:30 - 24:07	शुभ
अमृत	12:07 - 13:30	शुभ	अमृत	24:07 - 01:44	शुभ
काल.	13:30 - 14:53	अशुभ	चंचल	01:44 - 03:20	शुभ
शुभ.	14:53 - 16:16	शुभ	रोग	03:20 - 04:57	अशुभ
रोग	16:16 - 17:37	अशुभ	काल	04:57 - 06:37	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे ।आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें ।कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा ।आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कितनी तबाही लाएगा साइक्लोन मिचौंग

क्या एमपी-राजस्थान में भी इसका असर, 10 सवालों के जवाब

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बंगाल की खाड़ी में उठा शक्तिशाली चक्रवात मिचौंग मंगलवार यानी आज दोपहर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तट से टकराया। यहां भारी बारिश के साथ 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। 250 ट्रेनें और 70 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। तो जानते हैं कि आखिर क्या है ये साइक्लोन मिचौंग। आंध्र-तमिलनाडु के अलावा किन राज्यों में रहेगा इसका असर।

मिचौंग नाम कैसे पड़ा?

चक्रवात मिचौंग 1 दिसंबर को बंगाल की खाड़ी में उठा था। धीरे-धीरे भारत की तरफ बढ़ने लगा। तट पर टकराने से एक दिन पहले ही आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी में तेज हवाएं चलने लगीं। बंगाल की खाड़ी से चलने वाली ये हवाएं करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ीं। साइक्लोन मिचौंग मंगलवार दोपहर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तटीय इलाकों से टकराया। सबसे पहले चक्रवात नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच तटीय इलाकों से टकराया। 5 दिसंबर की सुबह से शाम तक इसका असर कई राज्यों में दिखा।

इस चक्रवात का असर 7 दिसंबर तक रहने की संभावना है। हालांकि, बिपरजॉय का असर 10 दिनों तक रहा था, जबकि मिचौंग का असर सिर्फ 2 दिनों तक रहेगा। दक्षिण भारत के राज्यों से होकर गुजरने वाले इस चक्रवात को 'मिचौंग' नाम म्यांमार ने दिया था। मिचौंग नाम चक्रवात के दृढ़ता और लचीलेपन को दर्शाता है। ये 2023 में बंगाल की खाड़ी में बनने वाला चौथा चक्रवाती तूफान है।

ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी के कई जिले चक्रवात की चपेट में आए हैं। यहां हैवी रेनफॉल हुआ है। 5 दिसंबर को जिस समय ये चक्रवात भारतीय राज्यों के तट से टकराया, उस समय से 110 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलीं। शाम 6 बजे तक इस चक्रवात की रफ्तार घटकर 50 किलोमीटर प्रति घंटा रह गई।

सोमवार सुबह से ही भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण चेन्नई के कनाथूर में एक नवनिर्मित दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। बारिश के कारण तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कई शहरों में गंभीर जलजमाव हो गया है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने बताया कि भारी बारिश के कारण 14 सबवे बंद कर दिए गए हैं और कम से कम छह स्थानों पर पेड़ गिरने से नुकसान हुआ है।

मिचौंग के टकराने के बाद छप्पर-झोपड़ी वाले ज्यादातर घर तबाह हो गए हैं। कच्चे घरों को काफी नुकसान हुआ है। पक्के मकानों को भी कुछ नुकसान की संभावना है। कच्ची और पक्की सड़कें डैमेज होने का आशंका है। रेलवे परिवहन, बिजली के तारों और सिग्ननलिंग सिस्टम में बाधा का अनुमान है। 250 ट्रेनें और 70 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई थीं। खड़ी फसलों को व्यापक नुकसान होने की संभावना है। फलदार पेड़ झड़ सकते हैं।

मिचौंग से निपटने के लिए तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। अकेले चेन्नई में एनडीआरएफ की 9 और एसडीआरएफ की 14 टीम मुस्तैद हैं। तमिलनाडु के मुख्य सचिव शिव दास मीना ने कहा कि राज्य के उत्तरी भागों में चार जिले चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपेट चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना है।

तमिलनाडु आपदा बचाव दल की 14 टीमों में कुल 350 जवान शामिल हैं। इनमें एनडीआरएफ की नौ टीमों में 225 जवान शामिल हैं। राज्य में 1,500 बिजली कर्मचारियों को अलर्ट पर रखा गया है। 3,00,000 से अधिक बिजली के खंभों का स्टॉक भी जरूरत पड़ने पर

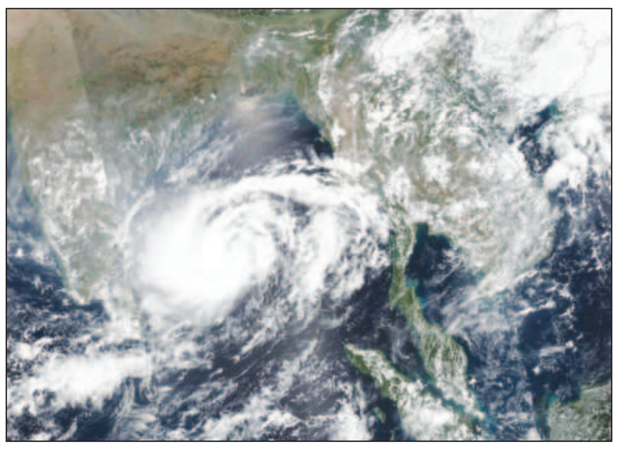

इस्तेमाल करने के लिए रखा गया है।

किसी भी हादसे से निपटने के लिए दूसरे जिलों से भी अधिकारियों को यहां बुलाया गया है। इन राज्यों के 2.50 करोड़ लोगों को प्रशासनिक अधिकारियों ने अलग-अलग माध्यम से अलर्ट किया है।

इतना ही नहीं, बारिश की वजह से जलभराव वाले 150 से ज्यादा स्थानों की पहचान कर वहां पंप लगाए गए हैं और अधिकारियों की तैनाती की गई है।

ओडिशा के 5 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। कई जिलों में हल्की बारिश हो रही है। सीएम नवीन पटनायक ने तटीय इलाकों के अफसरों को अलर्ट पर रखा है। ईस्ट कॉस्ट रेलवे ने बारिश और हवा की संभावना को देखते हुए 60 से ज्यादा ट्रेनों को रद्द कर दिया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि चक्रवात मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और पुडुचेरी को प्रभावित करेगा। इससे जुड़े आसपास के इलाकों में तेज हवाएं और बारिश हो सकती हैं। बाकी देश पर इसका कोई खास असर नहीं होगा। राजस्थान के मौसम वैज्ञानिक राधेश्याम शर्मा के मुताबिक मिचौंग का ज्यादातर असर पूर्वी भारत या तटीय राज्यों में देखने को मिलेगा।

मौसम वैज्ञानिक राधेश्याम के मुताबिक चक्रवात के बाद आमतौर पर बारिश होती है। इस बारिश की वजह से कुछ राज्यों में पारा गिर सकता है। राजस्थान और इसके आसपास इलाके में अभी तक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की हवाएं बह रही थीं। अब नॉर्मल हवाएं बहेंगी। इससे थोड़ा पारा गिर सकता है, लेकिन इसका कोई ज्यादा असर यहां नहीं पड़ेगा। मौसम विभाग के मुताबिक बाकी राज्यों में भी बारिश की वजह से पारा गिर सकता है।

चक्रवात क्या होते हैं और ये बनते कैसे हैं?

साइक्लोन शब्द ग्रीक भाषा के साइक्लोस से लिया गया है, जिसका अर्थ है सांप की कुंडलियां। इसे ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में ट्रॉपिकल साइक्लोन समुद्र में कुंडली मारे सांपों की तरह दिखाई देते हैं। चक्रवात एक गोलाकार तूफान (सर्कुलर स्टॉर्म) होते हैं, जो गर्म समुद्र के ऊपर बनते हैं। जब ये चक्रवात जमीन पर पहुंचते हैं, तो अपने साथ भारी बारिश और तेज हवाएं लेकर आते हैं। ये हवाएं उनके रास्ते में आने वाले पेड़ों, गाड़ियों और कई बार तो घरों को भी तबाह कर सकती हैं।

साइक्लोन बनने का प्रोसेस कुछ इस तरह है

चक्रवात समुद्र के गर्म पानी के ऊपर बनते हैं। समुद्र का तापमान बढ़ने पर उसके ऊपर मौजूद हवा गर्म और नम होने की वजह से ऊपर उठती है। इससे उस हवा का एरिया खाली हो जाता है और नीचे की तरफ हवा का प्रेशर यानी वायु दाब कम हो जाता है। इस खाली जगह को भरने के लिए आसपास की ठंडी हवा वहां पहुंचती है। इसके बाद ये नई हवा भी गर्म और नम होकर ऊपर उठती है। इसका एक साइकिल शुरू हो जाता है, जिससे बादल बनने लगते हैं। पानी के भाप में बदलने से और भी बादल बनने लगते हैं। इससे एक स्टॉर्म साइकिल या तूफान चक्र बन जाता है, जो धरती के घूमने के साथ ही घूमते रहते हैं।

साइक्लोन आमतौर पर ठंडे इलाकों में नहीं बनते हैं, क्योंकि इन्हें बनने के लिए गर्म समुद्री पानी की जरूरत होती है। लगभग हर तरह के साइक्लोन बनने के लिए समुद्र के पानी के सरफेस का तापमान 25-26 डिग्री के आसपास होना जरूरी होता है। इसीलिए साइक्लोन को ट्रॉपिकल साइक्लोन भी कहा जाता है। ट्रॉपिकल इलाके आमतौर पर गर्म होते हैं, जहां साल भर औसत तापमान 18 डिग्री से कम नहीं रहता।

चक्रवात, टाइफून, हरिकेन और टॉरनेडो में क्या अंतर है?

स्ट्रॉर्म या तूफान वातावरण में एक तरह का डिस्टर्बेंस होता है, जो तेज हवाओं के जरिए सामने आता है और उसके साथ बारिश, बर्फ या ओले पड़ते हैं। जब ये धरती पर होते हैं तो आम तूफान कहलाते हैं, लेकिन समुद्र से उठने वाले स्टॉर्म को साइक्लोन कहते हैं। साइक्लोन आम स्टॉर्म से ज्यादा तीव्र और खतरनाक होते हैं। साइक्लोन, हरिकेन और टाइफून तीनों एक ही चीज होते हैं और इन्हें ट्रॉपिकल साइक्लोन भी कहा जाता है। दुनिया भर में साइक्लोन को अलग-अलग नामों से बुलाया जाता है। जैसे- उत्तरी अमेरिका और कैरेबियन आइलैंड में बनने वाले साइक्लोन को हरिकेन, फिलीपींस, जापान और चीन में आने वाले साइक्लोन को टाइफून और ऑस्ट्रेलिया और हिंद महासागर यानी भारत के आसपास आने वाले तूफान को साइक्लोन कहा जाता है। समुद्रों के लिहाज से देखें तो अटलांटिक और उत्तर पश्चिम महासागरों में बनने वाले साइक्लोन हरिकेन कहलाते हैं।

उत्तर पश्चिम प्रशांत महासागर में बनने वाले साइक्लोन टाइफून कहलाते हैं। वहीं दक्षिण प्रशांत महासागर और हिंद महासागर में उठने वाले तूफान साइक्लोन कहलाते हैं। इसी वजह से भारत के आसपास के इलाकों में आने वाले समुद्री तूफान साइक्लोन कहलाते हैं।

वहीं टॉरनेडो भी भयानक तूफान होते हैं, लेकिन ये साइक्लोन नहीं होते हैं क्योंकि ये समुद्र के बजाय ज्यादातर धरती पर ही बनते हैं। टॉरनेडो सबसे ज्यादा अमेरिका में आते हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सांसद अरुण साव और गोमती साय ने दिया इस्तीफा

बने रहेंगे विधायक

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभ चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है। इस चुनाव में बीजेपी ने कई सांसद को भी टिकट दिया था, जिसमें उन्होंने अपनी सीट पर जीत हासिल की है।

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद सभी सांसद आज बुधवार को सांसद पद से इस्तीफा दे रहे हैं। इस दौरान सांसद अरुण साव और सांसद गोमती साय आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास अपना इस्तीफा सौंपने पहुंचे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इसके बाद अपना-अपना इस्तीफा दे दिया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में भारतीय जनता पार्टी ने लोरमी विधानसभा सीट से सांसद अरुण साव को टिकट दिया था। सांसद साव ने इस सीट पर बीजेपी का परचम लहरा दिया है। वे इस सीट से जीत हासिल कर मुख्यमंत्री पद के रेस में हैं। इसलिए उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास अपना इस्तीफा सौंफ दिया है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। फिर अपना इस्तीफा दे दिया।

इसी क्रम में सांसद गोमती साय ने भी विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की है। वो पत्थलगांव विधनासभा सीट से चुनाव लड़ी, जहां बीजेपी प्रत्याशी साय ने चुनाव जीतने में सक्षम रही। वो भी दिल्ली पहुंचकर आज बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास अपना इस्तीफा सौंफ दी है।

वहीं एक तरफ देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला सशक्तिकरण को ओर फोकस जमाये हुए हैं। ऐसे में चर्चा है कि गोमती साय के इस इस्तीफा के बाद सीएम चहरे के लिए हल-चल तेज हो गया है। फिलहाल यह आने वाला दिन ही बताएगा कि छत्तीसगढ़ में कौन मुख्यमंत्री बन रहा है।

भाजपा समर्थक ने निभाया वादा

भाजपा प्रत्याशी की हार पर मुंडवाया आधा सिर और मूंछ

महासमुन्द, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। महासमुंद में चुनाव के दौरान कुछ दिलचस्प चीजें भी सामने आती हैं उनमें से एक अजीबो गरीब शर्त लगाना भी शामिल है।

इस बार के विधानसभा चुनाव में महासमुंद जिले की खल्लारी विधानसभा में जीत हार को लेकर हैरान करने वाली शर्त लगी। शर्त लगाने वाले भाजपा कार्यकर्ता ने शर्त हारने के बाद अपने वादे को निभाया और लोगों में आकर्षण का केंद्र बन गया। खल्लारी विधानसभा के ग्राम बिहाझर के रहने वाले 48 वर्षीय डेरहा राम यादव, जो कि इलेक्ट्रिशियन का काम करते है। उन्होनें ने खल्लारी विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी अल्का चंद्राकर की जीत का दावा करते हुए अपने दोस्तों से शर्त लगाई थी कि अल्का चंद्राकर के चुनाव हारने पर वह अपने सिर के आधे बाल और आधी मूंछ साफ करा लेंगे। इसके बाद चुनावी नतीजों में अल्का चंद्राकर की हार के बाद डेरहा राम ने अपना वादा पूरा किया और सुर्खिया का केंद्र बन गए। डेरहा राम यादव का ये वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है। डेरहा राम का कहना है कि हम कांग्रेस की तरह वादाखिलाफी करने वालों में से नहीं है। डेरहा राम ने कहा कि हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं जो वादा करते हैं उसे निभाते हैं।

महादेव सट्टा ऐप केस, आरोपी के पिता ने किया सुसाइड

ईडी ने दुर्ग से बेटे असीम दास को 5 करोड़ के साथ पकड़ा था

रायपुर/दुर्ग, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप मामले में गिरफ्तार कोरियर असीम दास के पिता सुशील दास (65) ने आत्महत्या कर ली है। दुर्ग पुलिस ने सुशील दास का शव मंगलवार को गांव के ही कुएं से बरामद किया है। बताया जा रहा है कि बेटे की गिरफ्तारी के बाद से सुशील दास काफी परेशान चल रहा था। मामला अंडा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक सुशील दास 5 साल से अछोटी में चौकीदार था और रूपेश गौतम के फॉर्म हाउस में काम करता था। ड्यूटी के बाद जब वह अपने कमरे में नहीं मिला और घर नहीं लौटा तो उसकी तलाश शुरू की गई। इस पर फॉर्म हाउस में बने कुएं में ही उसका शव बरामद हुआ।

अंडा थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने बताया कि कुएं से एक डेड बॉडी मिली है, जिसकी पहचान 62 वर्षीय सुशील दास के रुप में की गई है। मामले की जांच की जा रही है। 2 नवंबर को ईडी ने रायपुर के ट्रायटॉन होटल में और भिलाई के एक मकान में छापेमारी की थी। इस दौरान 5 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद हुई। ड्राइवर असीम दास और पुलिस कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी असीम दास ने करोड़ों रुपए कांग्रेस नेताओं को पहुंचाने की जानकारी दी थी। दोनों आरोपी फिलहाल जेल में हैं।

मकान का ताला तोड़कर घुसी थी ईडी की टीम

ईडी को आशंका है कि उसके घर से मिला पैसा ऑनलाइन सट्टा एप का है, जिसे चुनाव में खर्च करने के लिए रखा गया था। ईडी के अधिकारी कार्रवाई के लिए असीम दास के घर का ताला तोड़कर उसके मकान में घुसे थे। असीम दास और कॉन्स्टेबल दोनों पर दुबई में मौजूद सट्टा केस में फरार सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के साथ मिलकर काम करने का आरोप है।

'जबरन साइन कराया गया'

असीम दास और कांस्टेबल भीम सिंह के वकील शोएब अल्वी ने बताया कि असीम दास ने कोर्ट में कहा है कि उसे फंसाया जा रहा है। बिना बताए उसके साइन लिए गए। असीम ने 10वीं तक ही पढ़ाई की है और अंग्रेजी नहीं आती है लेकिन अंग्रेजी में लिखे स्टेटमेंट में जबरन साइन कराया गया है। असीम ने कोर्ट में बताया कि वो शुभम सोनी को बस जनता था। साथ ही उसके पुराने परिचित को भी जानता है। शुभम सोनी ने उसे कंस्ट्रक्शन काम के लिए पैसे दिए और उसे पैसे रखने के लिए कहा था। असीम और भीम सिंह के वकील ने न्यायिक रिमांड पर आपत्ति भी जताई है।

नई सरकार को लेकर हलचल तेज

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नई सरकार को लेकर हलचल तेज होती जा रही है। चर्चा है कि 8 दिसंबर को बीजेपी के पर्यवेक्षकों का दल रायपुर आ सकता है। इसी के बाद विधायक दल की बैठक होगी और 10 दिसंबर को शपथ ग्रहण हो सकता है। इधर, पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह ने प्रशासनिक अफसरों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि, अफसर बैक डेट में फाइल साइन नहीं करें। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

इसमें लिखा है कि, कुछ सूत्रों से जानकारी मिली है कि प्रदेश के कुछ अधिकारी महत्वपूर्ण फाइलों को बैक डेट में स्वीकृत कर रहे हैं। ऐसे अधिकारियों को अनुचित कार्य से बचने की सलाह भी दी है। वहीं, पाटन सीट से भूपेश बघेल के खिलाफ बीजेपी प्रत्याशी रहे दुर्ग सांसद विजय बघेल ने आयोग से शिकायत करते हुए उनका निर्वाचन रद्द करने की मांग की है। सांसद विजय बघेल एक बार फिर भूपेश बघेल के खिलाफ निर्वाचन आयोग पहुंच गए हैं। उन्होंने शिकायत देकर भूपेश बघेल की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की है। विजय बघेल ने कहा कि, मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए भूपेश बघेल ने आचार संहिता का उल्लंघन किया है। उन्हें 2 साल की सजा होनी चाहिए। अगर आयोग सुनवाई नहीं करेगा तो कोर्ट जाएंगे। दरअसल पाटन विधानसभा सीट से भूपेश बघेल के साथ ही विजय बघेल भी प्रत्याशी थे। इस चुनाव में विजय बघेल को हार मिली है। इससे पहले भी विजय बघेल ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर आचार संहिता के उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी।

छत्तीसगढ़ को मिल सकता है आदिवासी सीएम

रेणुका सिंह, रामविचार नेताम, विष्णुदेव साय का नाम टॉप पर पीएम का महिला सशक्तिकरण पर फोकस

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भाजपा को बहुमत मिलने के बाद सीएम पद की रेस जारी है। चर्चा है कि आदिवासी कोटे से प्रदेश को मुख्यमंत्री मिल सकता है। इनमें रेणुका सिंह, विष्णुदेव साय और रामविचार नेताम का नाम टॉप पर है। रेणुका सिंह को सीएम बनाने के लिए तो उनके समर्थक हवन-पूजन तक कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी का महिला सशक्तिकरण पर फोकस है।

वहीं दूसरी ओर सांसद विजय बघेल को भी दिल्ली बुलाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव पहले से ही पहुंच चुके हैं। वहां पार्टी ने चुनावी राज्यों की बैठक बुलाई है। बैठक में छत्तीसगढ़ के लिए पर्यवेक्षक का नाम तय किया जा सकता है। इसके बाद एक-दो दिन

में विधायक दल की बैठक होगी। सत्ता परिवर्तन की इस प्रक्रिया के बीच भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रशासनिक अफसरों को चेतावनी दी है। उन्होंने लिखा है कि, कुछ सूत्रों से जानकारी मिली है कि प्रदेश के कुछ अधिकारी महत्वपूर्ण फाइलों को बैक डेट में स्वीकृत कर रहे हैं। ऐसे अधिकारियों को अनुचित कार्य से बचने की सलाह भी दी है। राज्य में भाजपा बहुमत के साथ सरकार बना रही है।

नई सरकार के आने से पहले ही कांग्रेस में पावरफुल मंत्रियों के बंगले खाली होना शुरू हो गए हैं। बंगले के बाहर लगी नेम प्लेट भी उखाड़ी जा रही है। मंगलवार को मंत्री मोहम्मद अकबर ने अपना बंगला खाली कर दिया है। वहीं रवींद्र चौबे ने अपने नाम के आगे पूर्व मंत्री लिखवा दिया है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस इस बार विपक्ष की भूमिका निभाने वाली है।

मैनपाट झरने में सेल्फी लेते खाई में गिरी महिला

सरगुजा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर से मैनपाट घूमने के लिए परिवार के साथ पहुंची महिला सेल्फी लेने के चक्कर में दलदली झरने में फिसलकर नीचे खाई में गिर गई। करीब 25 फुट नीचे खाई में गिरते समय वह झाड़ियों से टकराते हुए नीचे गिरी, जिससे उसकी जान बच गई। चिकित्सक डॉ.संदीप भगत ने बताया कि नीचे गिरने से अदिति का दायां पैर घुटने के नीचे से टूट गया है। बायां कंधा उखड़ गया है और अंदरूनी चोटें आई हैं। मैनपाट में प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक इंदौर के निपनिया निवासी अदिती गुप्ता (31 वर्ष) अपने पति राहुल गुप्ता एवं 4 वर्षीय पुत्र के साथ रायपुर रिश्तेदार के घर आई थी। वहां से उन्होंने किराए की गाड़ी बुक की और घूमने के लिए मैनपाट पहुंचे। मंगलवार को पूरे दिन मैनपाट घूमने के बाद वे शाम को दलदली पहुंचे। दलदली में स्पोटर्स बाइक राइडिंग करते हुए वे झरने के पास पहुंच गए। अदिती गुप्ता दलदली झरने के पास अपनी सेल्फी कैमरे में कैद कर रही थी। इस दौरान आज हुई बारिश के कारण गिली मिट्टी में उसका पैर फिसल गया और वह सीधे नीचे गिर गई। गिरने के दौरान वह झाड़ियों से टकराई, जिससे गिरने की रफ्तार कम हो गई। नीचे रेत में गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

अफसरों-कर्मचारियों ने भाजपा को दिए ज्यादा वोट

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिले बहुमत के बाद कांग्रेस नेताओं ने हार का आकलन शुरू कर दिया है। आंकड़े बताते हैं कि कांग्रेस की सरकार और उनके विधायकों से न केवल जनता, बल्कि अफसर और कर्मचारी भी नाराज थे। इस बात का खुलासा निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से हुआ है। आंकड़ों का आकलन करने पर पता चलता है कि चुनाव में 103753 डाक मतपत्र निर्वाचन आयोग को प्राप्त हुए थे। इनमें से 43023 में बीजेपी के लिए मुहर लगी थी। वहीं 40768 डाक मत-पत्र कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में थे। प्रदेश में बीजेपी को 54, कांग्रेस को 35 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को एक विधानसभा सीट पर जीत मिली है। इसके अलावा शेष डाकमत पत्र अन्य पार्टियों और निर्दलीय को भी प्राप्त हुए है। इस विधानसभा चुनाव में अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा 80 वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग, दिव्यांग और अनिवार्य सेवा ड्यूटी में लगे मतदाताओं ने डाक मतपत्र के जरिए वोट किया था। डाकमत पत्र डालने वाले मतदाताओं ने बीजेपी के पक्ष में ज्यादा वोट दिया है। डाकमत में कांग्रेस को वोट भाजपा की अपेक्षा करीबन 22 प्रतिशत कम मिले हैं। लेकिन प्रत्याशीवार इस आंकड़े को देखे तो सबसे ज्यादा डाक मत पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को मिला है। पूर्व डिप्टी सीएम को 1041 डाक मत मिले है।

मुखबिर की सूचना पर हुई गिरफ्तारी

रिम्स से भागने में कैदी की पत्नी मास्टर माइंड, 10 हजार देने पर गोद में ले भाग गया था दोस्त

रांची, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। रिम्स के ऑर्थो वार्ड से पैर टूटे होने के बावजूद दिन-दहाड़े भागे शातिर चेन स्नैचर मो. शाकिब उर्फ देबा को पुंदाग पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। वह डुगडुगिया बस्ती पुंदाग में अपनी पत्नी शबनम परवीन उर्फ जोया उर्फ चांदनी के साथ किराए के एक मकान में छुपा हुआ था। देबा को रिम्स से भगाने का पूर प्लान उसकी पत्नी जोया ने ही बनाया था। जोया ने अपने पति के एक बाइक मैकेनिक दोस्त को अपने प्लान में शामिल किया। रिम्स से देबा को लेकर भागने के लिए जोया ने बाइक मैकेनिक को 10 हजार रुपए देने का लालच दिया था। 3 दिसंबर को प्लान के तहत वह स्कूटी लेकर रिम्स पहुंचा और ऑर्थो वार्ड में भर्ती देबा को गोद में उठाकर स्कूटी तक लाया। इसके बाद स्कूटी पर बैठाकर उसे हिंदपीढ़ी ले गया। उधर, जोया पति को छुपाने के लिए पुंदाग में एक घर किराये पर ली हुई थी। हिंदपीढ़ी से वह उसे पुंदाग ले गई थी। जोया और देबा की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उसके दोस्त की तलाश कर रही है। गिरफ्तार जोया का भी आपराधिक रिकॉर्ड है। वह पहले भी जेल जा चुकी है। पुलिस जांच में पता चला है कि जोया भी पति देबा के गिरोह में शामिल थी।

सूरज पर बना 60 पृथ्वी जितना बड़ा गड्ढा

इससे तेज सोलर तरंगें धरती की तरफ आ रहीं सेटेलाइट और रेडियो कम्युनिकेशन टूटने का खतरा

वॉशिंगटन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। नासा के वैज्ञानिकों ने सूरज की सतह पर एक बहुत बड़े गड्ढे का पता लगाया है। इसकी चौड़ाई 8 लाख किलोमीटर है। आसान भाषा में समझें तो यह इतना बड़ा है कि इसमें हमारी 60 पृथ्वी समा सकती हैं। इस बड़े गड्ढे को कोरोनल होल नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक कोरोनल होल से सोलर विंड पृथ्वी की तरफ आ रही हैं। इससे रेडियो और सैटेलाइट कम्युनिकेशन टूट सकता है। लाइव साइंस न्यूज के मुताबिक कोरोनल होल सूरज की भूमध्यरेखा यानी इक्वेटर पर बना है। इसकी खोज 2 दिसंबर 2023 को ही हो गई थी, लेकिन अगले 24 घंटे में इसकी चौड़ाई बढ़कर 8 लाख किमी हो गई। कोरोनल होल से पृथ्वी की तरफ सोलर विंड आने का सिलसिला 4 दिसंबर से लगातार जारी है। इसके असर से लोगों को आसमान में चमकदार रोशनी देखने मिल सकती है।

पृथ्वी पर जीपीएस सिग्नल पर असर पड़ सकता है

एक वैज्ञानिक ने बताया- कोरोनल होल का अचानक बड़ा होना चिंता की बात है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इससे रेडिएशन निकल रहे हैं और तेज रेडिएशन वाली तरंगें तेजी से पृथ्वी की तरफ आ रही हैं। इससे पृथ्वी पर जीपीएस सिस्टम और वायरलेस उपकरण प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि इससे मोबाइल नेटवर्क, इंटरनेट और बिजली की लाइनों पर असर होने की आशंका नहीं है।

धरती पर रेडियो कम्युनिकेशन भी टूट सकता है

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बड़े गड्ढे की वजह से पृथ्वी पर जियोमैग्नेटिक तूफान आ सकता है। इस तूफान का सीधा असर पृथ्वी के केंद्र में बनने वाले चुंबकीय क्षेत्र यानी पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड पर होगा। यही चुंबकीय क्षेत्र हमें सूर्य पर आने वाले तूफानों के प्रभावों (सोलर विंड) से बचाता है।

अगर सूर्य पर जियोमैग्नेटिक तूफान आया, तो मैग्नेटिक फील्ड पर असर होने की वजह से धरती सोलर विंड को नहीं रोक पाएगी। इससे पृथ्वी पर रेडियो ब्लैकआउट हो सकता है। यानी रेडियो कम्युनिकेशन पूरी तरह टूट सकता है।

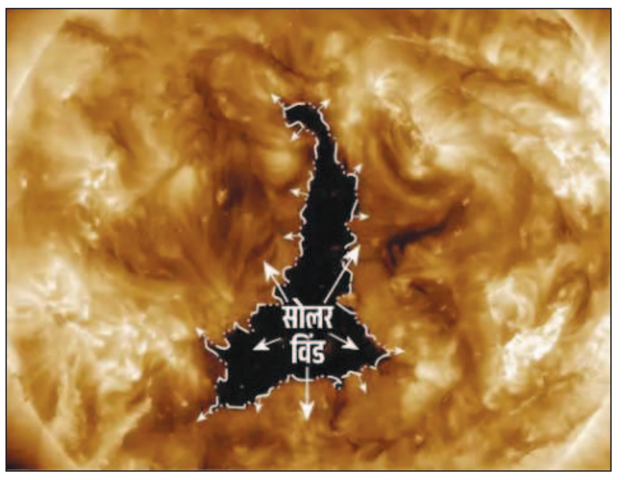

इस तस्वीर में सूरज की सतह पर बने कोरोनल होल से निकलने वाली सोलर विंड की दिशा को दिखाया गया है। (इमेज क्रेडिट - नासा)

सूर्य की मैग्नेटिक फील्ड फटने से बनते हैं कोरोनल होल

नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के मुताबिक कोरोनल होल्स तब बनते हैं जब सूरज को एक ही जगह पर थामे रखने वाली मैग्नेटिक फील्ड अचानक फट जाती है। इससे उतने एरिया में गैप हो जाता है। इस गैप वाली जगह पर गहरे रंग का गड्ढा हो जाता है। फिर इससे तेजी से रेडिएशन निकलते हैं। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है।

कोरोनल होल को देखने के लिए अल्ट्रावायलेट लाइट जरूरी

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक कोरोनल होल आमतौर पर सनस्पॉट की तरह होते हैं, लेकिन जहां सोलर स्पॉट्स को विशेष तरह के उपकरणों के जरिए देखा जा सकता है, वहीं कोरोनल होल्स को देखने के लिए अल्ट्रावॉयलेट लाइट की जरूरत होती है।

कोरोनल होल कितने दिन रहेगा, वैज्ञानिक भी नहीं जानते

साइंटिस्ट फिलहाल यह नहीं जानते कि कोरोनिल होल सूरज पर कितने समय तक रहने वाला है। पिछली बार यानी मार्च में जो कोरोनल होल बना था वह 27 दिनों तक सूरज पर रहा था। अगर कोरोनल होल लंबे समय तक बना रहता है, तो इसका असर भी उतने ही समय तक बरकरार रहेगा।

लिंग-भेद घोषित हो मानवता के खिलाफ अपराध

मलाला यूसुफजई ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से की अपील

जोहान्सबर्ग, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। नोबल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने लिंग और रंग भेद को मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में नेल्सन मंडेला व्याख्यान के 21वें संस्करण में बोलते हुए उन्होंने ये बात कही। इस दौरान मलाला ने अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं पर तालिबान द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के तहत काले लोगों के साथ किए जाने वाले व्यवहार की तरह ही हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हुए मलाला ने 'लिंग भेद' को मानवता के खिलाफ अपराध घोषित करने की भी मांग की।

गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में हर साल नेल्सन मंडेला की पुण्य तिथि पर वार्षिक नेल्सन मंडेला व्याख्यान समारोह का आयोजन किया जाता है। इसमें अंतरराष्ट्रीय विचारक अपने विचार साझा करते हैं। इस कार्यक्रम में नेल्सन मंडेला फाउंडेशन बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर नजाबुलो नेडेबेले ने कहा कि इस वर्ष का विषय 'न्यायसंगत भविष्य के लिए, नेतृत्व' रखा गया है।

अंतराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हुए मलाला ने 'लिंग भेद' को मानवता के खिलाफ अपराध घोषित करने की भी मांग की

यूसुफजई ने अपने संबोधन में कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा और काम के अधिकार से वंचित करके लैंगिक रंगभेद को लागू कर रहा है। जिस तरह दक्षिण अफ्रीका में गोरों का मानना था कि अश्वेतों को अलग करना चीजों के प्राकृतिक क्रम में है, उसी तरह अफगानिस्तान में तालिबान का कहना है कि लड़कियों और महिलाओं पर अत्याचार करना धर्म का मामला है। इसे लेकर मेरा कहना है कि यह सच नहीं है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान सहित कई मुस्लिम देशों के विद्वानों ने साफ कर दिया है कि इस्लाम लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा और काम करने के अधिकार से वंचित करने की इजाजत नहीं देता है।

गौरतलब है कि मलाला यूसुफजई को साल 2014 में 17 साल की उम्र में पाकिस्तान में लड़कियों की शिक्षा के लिए लड़ाई के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

टेरर कैम्प में जन्मे बच्चों को गोद लेंगे ब्रिटिश

सीरिया के आईएसआईएस कैम्प में मौजूद ये बच्चे अनाथ, पिता आतंकी थे, मां का पता नहीं

लंदन/दमिश्क, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया के कैम्प्स में मौजूद आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के 10 अनाथ बच्चों को चुपचाप ब्रिटेन लाया जा रहा है। सभी बच्चों के पिता मारे जा चुके हैं। मां भी या तो मारी जा चुकी हैं या फिर लापता हैं। ब्रिटिश नागरिक इन बच्चों को एडॉप्ट कर सकेंगे। 2014 के आसपास आईएसआईएस के आतंकियों से निकाह के लिए ब्रिटेन की कई लड़कियां सीरिया और इराक चली गईं थीं। 2019 में इस संगठन का खात्मा हो गया। तब से सैकड़ों महिलाएं और बच्चे सीरिया के कैम्प्स में कैद हैं।

खास बात यह है कि ब्रिटेन सरकार आतंकियों से शादी करने वाली ब्रिटिश लड़कियों को वापस लेने को तैयार नहीं है। ब्रिटिश अखबार 'द टाइम्स' की रिपोर्ट में यह तमाम खुलासे किए गए हैं।

कौन हैं ये बच्चे

रिपोर्ट के मुताबिक- 10 में से ज्यादातर बच्चों के पेरेंट्स काफी पहले मारे जा चुके हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जिनके पेरेंट्स के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ऋषि सुनक सरकार गुपचुप तरीके से इन बच्चों को ब्रिटेन ला रही है। यहां इन्हें अनाथालय में रखा जाएगा। बाद में ब्रिटेन के नागरिक गोद ले सकेंगे। 2014 के करीब आईएसआईएस बेहद खूंखार आतंकी संगठन था। इसने सीरिया और इराक के कुछ हिस्सों में अपना अलग देश और शासक (खलीफा) बनाया था। बाद में दुनिया के कई देशों ने मिलकर इस संगठन का करीब-करीब खात्मा कर दिया। अफगानिस्तान, इराक, सीरिया और लीबिया में इसके कुछ आतंकी जरूर बचे हैं, लेकिन बतौर संगठन अब इसका वजूद नहीं के बराबर है।

हमास ने बंधकों को छोड़ने से पहले ड्रग्स दिए

दुनिया के सामने इन्हें खुश दिखाना था, अमेरिका बोला- कट्टरपंथी इजराइलियों को वीजा नहीं देंगे

तेल अवीव, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल की हेल्थ मिनिस्ट्री ने संसद में बताया है कि हमास ने जो बंधक छोड़े, उन्हें रिहाई से पहले ड्रग्स दिए गए थे। दरअसल, हमास दुनिया को ये दिखाना चाहता था कि सभी बंधक स्वस्थ और बहुत खुश हैं। इसकी वजह यह थी कि कैद में इनको खतरनाक तरीके से टॉर्चर किया गया था।

अफसरों ने आगे कहा- कई बंधक गहरे सदमे या ट्रॉमा में हैं और इन्हें इससे निकालना मुश्किल काम है। वहीं अमेरिका ने मंगलवार को घोषणा की है कि वो उन कट्टरपंथी इजराइलियों को वीजा नहीं देगा जो वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों को टारगेट कर रहे हैं। दरअसल, करीब एक महीने पहले अमेरिका ने इजराइलियों के लिए वीजा फ्री एन्ट्री की घोषणा की थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर हो रहे हमलों को देखते हुए अमेरिकी सरकार ने

ये फैसला लिया है। इसके तहत पहले से ही अमेरिकी वीजा ले चुके कट्टरपंथियों के वीजा को खारिज कर दिया जाएगा।

लेबनान के सैनिक की मौत पर इजराइली सेना ने माफी मांगी

लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकियों के साथ झड़प में इजराइली सेना ने लेबनान के एक सैनिक को भी मार दिया। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक सेना हिजबुल्लाह की लॉन्च साइट पर हमला कर रही थी। लेकिन इसमें लेबनान के कई सैनिक घायल हो गए और एक की मौत हो गई।

घटना के बाद आईडीएफ ने लेबनान से माफी मांगी है। सेना ने कहा- सैनिक हमारा टारगेट नहीं थे। हमें इस घटना पर खेद है, इसकी जांच करवाई जाएगी। सीएनएन के मुताबिक, अमेरिका का मानना है कि इजराइल जनवरी तक साउथ गाजा में हमास को निपटाने के अपने ऑपरेशन को पूरा कर लेगा। इसके बाद वो हमास नेताओं को निशाना बनाएगा।

नेतन्याहू ने कहा- बंधकों को छुड़ाने का फिलहाल कोई रास्ता नहीं

दूसरी तरफ मंगलवार को इजराइली पीएम नेतन्याहू ने रिहा हुए बंधकों और उन लोगों के परिजनों से मुलाकात की जो अब भी हमास की कैद में हैं। इस दौरान उनमें जमकर बहस भी हुई। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, परिजनों ने बताया कि नेतन्याहू उनकी बात नहीं सुन रहे थे। वो सिर्फ अपना लिखा हुआ भाषण पढ़ रहे थे।

मीटिंग के लीक हुए अंशों के मुताबिक, नेतन्याहू ने लोगों को बताया कि फिलहाल बंधकों को वापस लाने का कोई रास्ता नहीं है। ये समझौता इजराइल नहीं बल्कि हमास ने खत्म किया। वो अब ऐसी शर्तें रख रहे हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस दौरान नेतन्याहू के भाषण से गुस्साए कई लोग मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले गए। लोगों ने नेतन्याहू पर झूठ बोलने का भी आरोप लगाया।

एक्स में आईएसआई और खालिस्तानी आतंकियों की पंचायत

इस्लामाबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में आतंकियों की हो रही हत्याओं पर अब आईएसआई और खालिस्तानी आतंकियों में दहशत मची हुई है। इसी दहशत के बीच में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तान के कनाडा में बैठे आतंकियों की एक गुप्त और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पिछले महीने के आखिरी सप्ताह में एक्स के स्पेस में आईएसआई और खालिस्तानी आतंकियों समेत कुछ अन्य लोगों के बीच हुई। इस दौरान खालिस्तानी आतंकियों ने कनाडा में मौजूद आईएसआई के एजेंट से होने वाली लगातार मुलाकातों का जिक्र किया। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक इस्लामाबाद से कनाडा के खालिस्तानी आतंकियों को विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें आपसी रंजिश को कम करके अंडरग्राउंड रहने का भी एक अहम आदेश है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक कनाडा के अलग-अलग शहरों से लगातार खालिस्तानी आतंकी और चरमपंथी पाकिस्तान के संपर्क में हैं। इसका खुलासा नवंबर के आखिरी सप्ताह में आयोजित तथाकथित बुद्धिजीवियों के आयोजन के नाम पर सोशल मीडिया एक्स पर बुलाई गई स्पेस की बैठक में हुआ। जानकारी के मुताबिक खालिस्तान के नाम पर कनाडा के युवाओं को गुमराह करने वाले खालिस्तानी लिबरेशन फोर्स से जुड़े प्रभजीत सिंह ने बाकायदा पाकिस्तान के इस्लामाबाद से जुड़े आईएसआई के एक एजेंट से खुलकर बातचीत की। सूत्रों के मुताबिक इस बातचीत के दौरान प्रभजीत ने देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले खालिस्तानी आतंकियों की मौत पर आईएसआई से सहयोग मांगा। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े जानकार बताते हैं कि इस पूरी बातचीत में आईएसआई की ओर से दी जाने वाली लगातार मदद का न सिर्फ भरोसा दिया बल्कि कुछ हिदायतें देकर माहौल को शांत होने तक चुप रहने की राय भी दी गई।

निकाह के लिए भारत पहुंची पाकिस्तानी महिला

जावेरिया-समीर की शादी जनवरी 2024 में, दो बार रिजेक्ट हुआ था वीजा

अमृतसर/कराची, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची शहर की जावेरिया खानुम मंगलवार को अटारी-वाघा बार्डर के जरिए भारत पहुंचीं। जावेरिया कोलकाता के रहने वाले समीर खान से अगले महीने शादी करने जा रही हैं।

जावेरिया और समीर की शादी कभी कोविड तो कभी वीजा न मिलने की वजह से करीब 5 साल टली। उन्हें दो बार पहले भी वीजा के लिए कोशिश की थी। हालांकि, कामयाबी तीसरी बार में यानी अब मिली।

ढोल के साथ स्वागत

जावेरिया ने जैसे ही अटारी-वाघा इंटरनेशनल बॉर्डर से भारत की सरजमीं पर कदम रखा तो समीर और उनके परिवार ने इस पाकिस्तानी मेहमान का ढोल की थाप के साथ स्वागत किया। दोनों की शादी अगले साल या कहें अगले महीने यानी जनवरी 2024 में होगी। इसके लिए कोलकाता में समीर का परिवार तैयारियां कर रहा है।

जावेरिया को फिलहाल 45 दिन का वीजा मिला है। उनके लिए यह काफी मायने रखता है। वजह ये कि कभी कोरोना की वजह से तो कभी वीजा से जुड़े किसी और कारण के चलते वो शादी के लिए भारत नहीं आ सकीं। इस दौरान करीब पांच साल तक उनका समीर से निकाह टलता रहा।

क्या कहते हैं जावेरिया और समीर

अटारी-वाघा बॉर्डर पर जावेरिया ने मीडिया से बातचीत की। कहा- यह इंतजार का बेहतर अंत और एक खुशखबरी की बेहतर शुरुआत है। मुझे शादी करने के लिए आखिरकार भारत आने का मौका मिल ही गया। पाकिस्तान में मौजूद मेरी फैमिली भी अब बहुत खुश है। मुझे तो यकीन ही नहीं होता कि भारत आने के लिए मुझे पांच साल के इंतजार के बाद आखिरकार वीजा मिल ही गया।

समीर से पूछा गया कि उनकी जावेरिया से मुलाकात या रिश्ते की बात कैसे हुई? इस पर उन्होंने कहा- 2018 में यह मामला शुरू हुआ। मैं जर्मनी से कोलकाता लौटा था और एक दिन मैंने मां के मोबाइल फोन में जावेरिया का फोटो देखा। उसी वक्त मैंने अम्मी से कहा- मैं इस लड़की से शादी करना चाहता हूं।

समीर आगे कहते हैं- यह आसान नहीं था। दो बार तो वीजा रिजेक्ट हो गया। इसके बाद कोविड शुरू हो गया। अब मैं भारत सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि उन्होंने जावेरिया को वीजा जारी कर दिया। मां भी बहुत खुश हैं, क्योंकि जनवरी में शादी भी हो जाएगी।

समीर ने ये भी बताया कि शादी में जर्मनी, अफ्रीका, स्पेन और अमेरिका में रहने वाले उनके दोस्त भी बतौर मेहमान शामिल होंगे। समीर परिवार और जावेरिया के साथ फ्लाइट के जरिए कोलकाता जा रहे हैं।

तानाशाह किम जोंग रो पड़े

नॉर्थ कोरिया की महिलाओं से ज्यादा बच्चे पैदा करने को कहा, बोले- ये देशभक्ति का काम

प्योंगयांग, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन मंगलवार रात देश की महिलाओं को संबोधित करते वक्त रो दिए। उन्होंने देश में गिरती जन्म दर को देखते हुए, महिलाओं से ज्यादा बच्चे पैदा करने की गुहार लगाई। नॉर्थ कोरिया के स्टेट मीडिया कोरियन सेंट्रल टेलीविजन पर इसका वीडियो शेयर किया गया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

11 सालों में पहली बार राजधानी प्योंगयांग में हुई कॉन्फ्रेंस ऑफ मदर्स में किम के अलावा कई महिलाएं भी रोती नजर आ रही हैं। किम जोंग ने कहा- जब सभी माताएं यह समझ लेंगी कि कई बच्चों को जन्म देना देशभक्ति है तभी एक शक्तिशाली समाजवादी देश बनाने का हमारा लक्ष्य आगे बढ़ पाएगा। तानाशाह ने समाज-विरोधी व्यवहार को जड़ से उखाड़ने और उत्तर कोरिया के विकास में मदद करने के लिए माताओं को धन्यवाद भी दिया। किम ने मंगलवार को कहा कि कई

बच्चे पैदा करने वाले परिवारों को घर, खाना और मेडिकल फेसेलिटी के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने उन माताओं के लिए, सब्सिडी और इलाज में प्राथमिकता की भी बात की जिनके ज्यादा बच्चे हैं। किम ने कहा- जब मुझे पार्टी और राज्य के काम से निपटने में कठिनाई होती है तो मैं भी हमेशा माताओं के बारे में सोचती हूं। किम जोंग उन ने नॉर्थ कोरियाई महिलाओं से सतर्क मां, आभारी पत्नियां और दयालु बहू बनने की अपील की। उन्होंने कहा- जब तक कोई मां कम्युनिस्ट नहीं बनती, उसके लिए अपने बच्चों को कम्युनिस्ट के तौर पर पालना और अपने परिवार के सदस्यों को क्रांतिकारियों में बदलना नामुमकिन है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, एक गरीब देश के तौर पर नॉर्थ कोरिया में सिर्फ 1.6 जन्म दर है, जो बेहद कम है। ये अफ्रीकी देशों की तुलना में आधी ही है, जबकि उनकी आर्थिक स्थिति काफी हद तक एक जैसी है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, देश में जनसंख्या को बनाए रखने के लिए बर्थ रेट 2.1 तक पहुंचना जरूरी है। नॉर्थ कोरिया पर दुनिया भर में लगे प्रतिबंध की वजह से उसे कोरोना महामारी के दौरान काफी दिक्कतें हुईं। यहां करीब 2.50 करोड़ लोग रहते हैं, जो भुखमरी से पीड़ित हैं। इसके अलावा देश के नागरिकों और खास तौर पर महिलाओं के खिलाफ मानवाधिकार अपराध भी बढ़ते जा रहे हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक, पैट्रिआर्कल सोसाइटी होने की वजह से नॉर्थ कोरिया में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के ज्यादातर मामले दर्ज ही नहीं होते हैं। तानाशाह किम जोंग इससे पहले भी ऐसे कई आदेश दे चुके हैं। 2 साल पहले किम जोंग ने अपने पिता और देश के पूर्व तानाशाह किम जोंग-इल की 10वीं बरसी पर लोगों के हंसने, शॉपिंग करने और शराब पीने पर रोक लगा दी थी। प्रतिबंध के 11 दिन के दौरान अगर किसी की मौत हो जाती है तो उसका परिवार जोर से रो भी नहीं सकता था। इसी साल मार्च में किम ने बच्चों के हॉलीवुड मूवी या सीरीज देखने पर बैन लगा दिया था। उन्होंने कहा था- अगर बच्चे हॉलीवुड मूवी या सीरीज देखते हैं तो उन्हें और उनके माता-पिता को जेल हो सकती है।

भारतीय मूल की क्रिस्टल कौल लड़ेंगी अमेरिकी संसद के लिए चुनाव

वाशिंगटन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा में विशेषज्ञता रखने वाली क्रिस्टल कौल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ेंगी। भारत के कश्मीर से संबंध रखने वाली कौल वर्जीनिया के कांग्रेस जिले से अपनी दावेदारी पेश करेंगी। अगर क्रिस्टल कौल 2024 में होने वाला यह चुनाव जीत जाती हैं तो वे ऐसी दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला होंगी। उनसे पहले भारतीय मूल की प्रमिला जयपाल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी गई थीं। वहीं, प्रमिला जयपाल की बहन सुशीला जयपाल ने भी ओरेगॉन के तीसरे कांग्रेसनल जिले से कांग्रेस की दौड़ में अपनी किस्मत आजमाई है। क्रिस्टल कौल ने अपने फैसले के बारे में बताते हुए कहा कि वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट के लिए चुनाव लड़ने का उनका फैसला डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य जेनिफर वेक्सटन के फैसले के बाद आया है।

पूर्व पीएम इमरान को झटका

इस्लामाबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब पाकिस्तान की इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अयोग्यता के खिलाफ याचिका को वापस लेने की पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका खारिज कर दी है। इसमें उन्होंने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अपनी अयोग्यता के खिलाफ अपनी अपील वापस लेने की मांग की थी। गौरतलब है कि इमरान खान पांच अगस्त से जेल में बंद हैं। पूर्व पीएम इमरान को तोशाखाना मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन्हें तोशखाना (राज्य भंडार) से मिले उपहारों की बिक्री से मिली आय का खुलासा न करने के मामले में पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

ट्रंप की मुश्किलें नहीं हो रहीं कम

वाशिंगटन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले से ही कई मुकदमों का सामना कर रहे डोनाल्ड ट्रंप पर अब 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद यूएस कैपिटल में हुई हिंसा के मामले में अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत के अभियोजकों ने बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनावों के बारे में झूठ बोला और हिंसा को प्रोत्साहित भी किया। इतना ही नहीं ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 को अपने समर्थकों को यूएस कैपिटल में भेजा था ताकि आपराधिक तरीके से चुनाव परिणामों को रोक सकें। बता दें कि संघीय अपीलीय अदालत ने पहले ही इस मामले में ट्रंप के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ाने का आदेश दे दिया है। अब इसी मामले में विशेष वकील जैक स्मिथ के अभियोजकों ने अदालत में ट्रम्प के खिलाफ कुछ नए आरोप लगाए हैं। अदालत में दाखिल किए गए कुछ नए दस्तावेजों में उन्होंने कहा कि वाशिंगटन में ट्रम्प के आपराधिक मुकदमे में वे नवंबर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले उनके कृत्यों और उनके बाद की कथित धमकियों को लेकर व सबूत पेश करना चाहते हैं।

करणी सेना अध्यक्ष को गोली मारने वाला सेना का जवान

कानून व्यवस्था पर राज्यपाल ने की अमित शाह से बात; घटना को लेकर राजस्थान में विरोध

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर में 5 दिसंबर को उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों की पहचान कर ली है। इनमें एक शूटर मकराना का रोहित और दूसरा हरियाणा के महेंद्रगढ़ का निवासी नितिन फौजी है। नितिन अभी सेना में है। उसी ने गोगामेड़ी के सिर में गोली मारी थी।

बताया जा रहा है कि नितिन नवंबर में छुट्टी लेकर घर (महेंद्रगढ़) आया था। फिर वो चला गया। घरवालों को इसकी जानकारी नहीं थी कि नितिन कहां गया। जब गोगामेड़ी हत्याकांड का वीडियो आया तो परिवारवालों ने नितिन को पहचाना।

शूटर नितिन पंजाब की बठिंडा जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर संपत नेहरा के कॉन्टैक्ट में था। संपत नेहरा पर ही इस हत्याकांड की साजिश को अंजाम देने का शक जताया जा रहा है। इसका पता चलने के बाद राजस्थान पुलिस ने हरियाणा में छापे मारे। साथ ही राजस्थान समेत उत्तर प्रदेश, पंजाब और मध्य प्रदेश में भी घटना से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

इस हत्याकांड की जांच के लिए राजस्थान पुलिस ने एसआईटी भी गठित कर दी है। वहीं, राज्यपाल कलराज मिश्र ने कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत की और राजस्थान के हालातों के बारे में जानकारी दी।

उधर, इस हत्याकांड के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने राजस्थान बंद बुलाया है। इसको लेकर प्रदेशभर में बाजार बंद हैं। जयपुर शहर में चलने वाली लो-फ्लोर बसें बंद करवा दी गई हैं। प्राइवेट स्कूलों ने भी बंद को समर्थन दिया है। (पूरी खबर पढ़िए)

सूत्रों के मुताबिक, नितिन फौजी सेना में है और महेंद्रगढ़ जिले के गांव दोंगड़ा जाट का रहने वाला है। वह नवंबर में ही छुट्टी पर आया था। इसके बाद 9 नवंबर को वह अपने घर से गाड़ी ठीक कराने की बात कहकर निकला था, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटा। उसके बाद से ही उसका परिजन से भी कोई संपर्क नहीं हो पाया। नितिन का नाम सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में सामने आने के बाद पुलिस ने भी यहां दबिश दी है।

हरियाणा में रेड करने पहुंची पुलिस टीम से यह भी पता चला कि सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या के बारे में 10 महीने पहले इनपुट मिला था। पंजाब पुलिस ने यह इनपुट राजस्थान पुलिस को भेजा था। इसमें बताया गया था कि बठिंडा जेल में बंद गैंगस्टर संपत नेहरा गोगामेड़ी की हत्या की साजिश रच रहा है। पंजाब पुलिस ने यहां तक बताया था कि उसने हत्या के लिए एक AK-47 तक का इंतजाम कर लिया है।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड की साजिश एक साल पहले सीकर में हुए राजू ठेहट हत्याकांड से मिलती-जुलती है। जिस तरह सेल्फी के बहाने करीब पहुंचे बदमाशों ने ठेहट की हत्या की थी, उसी तर्ज पर गोगामेड़ी मर्डर को अंजाम दिया गया। सुखदेव के करीब जाने के लिए शूटर दो साफे खरीदकर साथ लाए थे। डीजीपी उमेश मिश्रा ने बताया- राजस्थान पुलिस के घटना के बाद से एक्टिव हो गई है। बीकानेर सहित बदमाशों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। हरियाणा सहित पास के सभी राज्यों की पुलिस से बदमाशों को लेकर फीडबैक ले रही है। राजस्थान पुलिस ने यूपी, हरियाणा, पंजाब और एमपी पुलिस के साथ बदमाशों की फोटो शेयर की है। हालांकि अभी तक बदमाशों के बारे में कोई लीड नहीं मिली है।

डीजीपी ने हत्याकांड की जांच के लिए एडीजी क्राइम दिनेश एमएन के पर्यवेक्षण में एसआईटी का गठन किया है। दोनों अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और दोनों पर पर 5-5 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है।

बीजेपी के 10 सांसदों ने दिया इस्तीफा

दो केंद्रीय मंत्री भी शामिल, क्या है वजह?

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमार और प्रह्लाद पटेल चुनाव जीत गए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी एमपी में इनमें से किसी को सीएम बना सकती है। 5 राज्यों के लिए हुए विधानसभा चुनावों में तीन राज्यों में बीजेपी को भारी बहुमत मिला है। इसके बाद अब 10 बीजेपी सांसदों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसमें से 5 सांसद मध्य प्रदेश, 3 राजस्थान और 2 छत्तीसगढ़ से हैं। इसबार बीजेपी ने कुल 21 सांसदों को विधानसभा का टिकट दिया था। इसमें से 12 सांसदों को जीत मिली है, जबकि 9 सांसद चुनाव हार गए हैं। इस्तीफा देने वाले सांसद विधायक बने रहेंगे। चुनाव जीते सभी 12 सांसदों में अभी तक रेणुका सिंह और बालकनाथ ने इस्तीफा नहीं दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे भी आज या कल में इस्तीफा दे देंगे।

एमपी से किसने दिया इस्तीफा

सांसदों के इस्तीफे के बाद अब इस बात के कयास लगने तेज हो गए हैं कि इन राज्यों में बीजेपी किसे सीएम बनाएगी। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमार और प्रह्लाद पटेल चुनाव जीत गए हैं। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी एमपी में इनमें से किसी को सीएम बना सकती है। शिवराज सिंह चौहान पहले ही कर चुके हैं कि वे मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं।

कयास लगाए जा रहे हैं कि महंथ बालकनाथ राजस्थान के सीएम बन सकते हैं। राजस्थान में वसुंधरा राजे और दीया कुमारी भी सीएम पद की दावेदार हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ बीजेपी नेता रमन सिंह सीएम बन सकते हैं। छत्तीसगढ़ से इस्तीफा देने वाले सांसदों में अरुण साव और गोमती साई हैं। राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीना ने भी इस्तीफा दे दिया है।

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने भी इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी सांसदों ने इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद दिया है। राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक ने भी इस्तीफा दे दिया है।

माउंट आबू में पारा तीन डिग्री गिरकर माइनस में आया

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद अब बर्फ जमा देने वाली सर्दी शुरू हो गई। मंगलवार रात कई शहरों के न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ गई। प्रदेश के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान माइनस में आ गया, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। यहां पेड़ की पत्तियों, घास के मैदान और फूलों पर बर्फ जम गई। गाड़ियों की छत, कांच पर ओस की बूंदें जमकर बर्फ में तब्दील हो गई।

माउंट आबू में तापमान -1 डिग्री मापा गया है। सीकर के फतेहपुर में भी बुधवार को सीजन में पहली बार पारा पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। सरहदी इलाके जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर में भी बीती रात तेज सर्दी रही। यहां तापमान में एक डिग्री सेल्सियस का उतार-चढ़ाव रहा। चूरू में न्यूनतम तापमान करीब दो डिग्री सेल्सियस गिरकर 7.4 पर आ गया। श्रीगंगानगर में तापमान 10.8, बीकानेर में भी 10.8 और जैसलमेर में 11.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। जयपुर समेत अन्य शहरों में आज मौसम बिल्कुल साफ है। सुबह से तेज धूप निकलने से लोगों को सर्दी से राहत मिली। जयपुर में मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा, न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रहा था।

गहलोत ने दिए संकेत, नहीं बनेंगे नेता प्रतिपक्ष

अलाकमान पर छोड़ा फैसला, पायलट ने कही ये बात

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सत्ता वापसी करने में नाकाम रहीं कांग्रेस ने जयपुर में विधायक दल की बैठक की। इस बैठक में पार्टी के सभी विधायक शामिल हुए। जिसमें नेता प्रतिपक्ष चुनने के लिए एक लाइन का प्रस्ताव पास कर कांग्रेस आलाकमान पर ये निर्णय छोड़ दिया गया। इसके अलावा बैठक में कांग्रेस की हार के कारणों और आगे की रणनीति पर भी मंथन किया गया।

गहलोत बोले- मेरी भूमिका कार्यकर्ता की होगी

विधायक दल की बैठक के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संकेत दे दिए कि वे नेता प्रतिपक्ष नहीं बनेंगे। गहलोत ने कहा- कि नेता प्रतिपक्ष के चयन का फैसला हमनें हाईकमान पर छोड़ा है। पार्टी मेरी भूमिका साधारण कार्यकर्ता के रूप में रहेगी। मेरा मानना था कि प्रदेश में हमारी सरकार बन जाएगी। हमनें योजनाओं और विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा ने अलग तरह से चुनाव लड़ा। उन्होंने तरह-तरह की अपवाह फैलाई। कन्हैयालाल को लेकर चुनाव लड़ा। भाजपा ध्रुवीकरण करने में सफल हुई।

पायलट बोले- लोकसभा चुनाव की तैयारी अभी से करनी होगी

वहीं, सचिन पायलट ने कहा- हमें उम्मीद थी कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी। सब लोगों ने मेहनत की, इसके बाद भी कुछ कमियां रहीं। इन्हें स्वीकार करना पड़ेगा। क्या कमियां रहीं और कामयाबी के लिए क्या सुधार हों इस पर लंबी चर्चा की जरूरत है। अगर, कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जनता का मन जीत पाते तो चुनाव भी जीत पाते। सत्ता बदलने की परंपरा पुरानी है, हमारा प्रयास था कि हम सत्ता में वापसी करें। अभी भी हम मजबूती से जनता की आवाज बनकर जनता के बीच में रहेंगे। मेहनत करेंगे। हमें पुरानी बातों को छोड़कर, भविष्य की बात करनी है। लोकसभा चुनाव की तैयारी अभी से करनी होगी। जल्द ही पार्टी निर्णय लेगी कि आगे का रास्ता किस तरह तय किया जाएगा।

सचिन पायलट के फोन टैप कर रही थी गहलोत सरकार

सीएम ओएसडी लोकेश शर्मा का दावा

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेष कर्तव्य अधिकारी लोकेश शर्मा ने दावा किया कि राज्य कांग्रेस सचिन पायलट की गतिविधियों पर नजर रख रही है। लोकेश शर्मा ने कहा कि जब वह 2020 में 18 पार्टी विधायकों के साथ मानेसर गए थे तब उनका उनका फोन टैप किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि राजस्थान में उपजे राजनीतिक संकट के दौरान कांग्रेस सरकार को बचाने के लिए अशोक गहलोत के निर्देश पर ये सब किया जा रहा था।

एएनआई से बात करते हुए लोकेश शर्मा ने कहा- "जब सचिन पायलट 18 विधायकों के साथ मानेसर के होटल में गए थे, तो राज्य सरकार ऐसे मामलों में नजर रखने के लिए एक्टिव थी। राज्य सरकार सचिन पायलट और उनसे मिलने वाले लोगों पर नजर रख रही थी।" सचिन पायलट कहां जा रहे हैं और किससे फोन पर बात कर रहे हैं, इस पर लगातार नजर रखी जा रही थी, ताकि गहलोत सरकार उसके अनुसार कदम उठा सके।" बता दें कि जब सचिन पायलट ने कहा था कि गहलोत सरकार अल्पमत में है, तब सीएम ने अपने विधायकों की बाड़ेबंदी कर सरकार बचा ली थी। गहलोत ने बीजेपी पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप भी लगाया था।

लोकेश शर्मा ने आगे कहा कि पायलट की मॉनिटरिंग के कारण ही कांग्रेस अपनी सरकार बचाने में सफल रही। शर्मा ने कहा- "निगरानी के कारण ही हम कुछ लोगों को वापस ला सके।

भाजपा में दो महारानियों में टक्कर

किसे मिलेगा राजस्थान में नेतृत्व का मौका

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, इस पर तमाम कयासबाजी जारी है। सबसे ज्यादा संभावना इस बात की जताई जा रही है कि भाजपा आगामी चुनौतियों को देखते हुए किसी नए चेहरे पर दांव लगाएगी। ऐसे में राजस्थान में गजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व राजस्थान अध्यक्ष सतीश पूनिया, सांसद बाबा बालक नाथ, राज्यवर्धन सिंह राठौर सहित कई नामों की चर्चा चल रही है। इसके साथ ही जयपुर राजघराने की दिया कुमारी को भी इस दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है।

यदि पार्टी किसी महिला को मुख्यमंत्री बनाने की रणनीति पर अमल करती है, तो दिया कुमारी इस रेस में सबसे आगे निकल सकती हैं। लेकिन चूंकि वसुंधरा राजे सिंधिया पहले ही इस पद पर अपनी दावेदारी ठोंक रही हैं, आने वाले दिनों में राजस्थान भाजपा में दो महारानियों के बीच टक्कर देखने को मिल सकती है। दिया कुमारी नए चेहरे के तौर पर भाजपा आलाकमान की पहली पसंद हो सकती हैं तो वसुंधरा राजे सिंधिया अपने अनुभव और विधायकों-संगठन पर पकड़ के कारण उन पर भारी पड़ सकती हैं।

भाजपा को तीन राज्यों में मिली शानदार जीत में महिला मतदाताओं की विशेष भूमिका मानी जा रही है। इसके पहले भी महिला मतदाता भाजपा की बड़ी ताकत बनकर उभरी हैं। चूंकि, अगले छह महीने के अंदर ही लोकसभा चुनाव भी होने हैं, भाजपा किसी महिला को मुख्यमंत्री बनाकर महिला मतदाताओं को आकर्षित करने की एक और कोशिश कर सकती है।

महिला समीकरणों में वसुंधरा राजे सिंधिया का नाम सबसे ताकतवर है, वे पहले भी दो बार राजस्थान की कमान संभाल चुकी हैं। राजनीतिक-प्रशासनिक अनुभव, संगठन पर पकड़ और पूरे राजस्थान में मतदाताओं में लोकप्रिय होने के कारण वे इस पद की बड़ी दावेदार हो सकती हैं। जयपुर स्थित अपने आवास पर नवनिर्वाचित विधायकों को भोजन पर आमंत्रित कर उन्होंने अपनी दावेदारी भी पेश कर दी है। इसके पहले वे राजस्थान के राज्यपाल से भी मुलाकात कर चुकी हैं। इसे भी उनकी मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी के तौर पर देखा जा रहा है।

लेकिन कहा जा रहा है कि जिस तरह भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें राजस्थान में मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं किया, यह संकेत स्पष्ट है कि पार्टी अब नए जमाने की राजनीति को देखते हुए किसी नए चेहरे पर दांव खेल सकती है। यह समीकरण पूरी तरह दिया कुमारी के साथ जा सकता है, जो पार्टी नेतृत्व के करीब बताई जाती हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव का आगाज 11 जनवरी से

जमावड़ा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बीकानेर की पहचान बना इंटरनेशनल कैमल फेस्टिवल 11 से 14 जनवरी तक होगा। इस बार आइकंस ऑफ बीकानेर की थीम पर ऊंट उत्सव आयोजित होगा।

बीकानेर में अन्तराष्ट्रीय ऊंट उत्सव का आयोजन 11 से 14 जनवरी तक किया जाएगा। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में इस संबंध में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी अंतराष्ट्रीय ऊंट उत्सव-आइकंस ऑफ बीकानेर की थीम पर आयोजित किया जाएगा। इसमें स्थानीय कला, संगीत और संस्कृति में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले कलाकारों को इस उत्सव के माध्यम से एक वैश्विक मंच उपलब्ध करवाया जाएगा।

जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि ऊंट उत्सव में 11 जनवरी को क्लासिकल फॉर्म्स ऑफ आर्ट्स के संबंध में विशेष आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शास्त्रीय संगीत व शास्त्रीय नृत्य से जुड़े कलाकारों द्वारा विशेष प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उत्सव के दौरान 12 जनवरी को धरणीधर स्टेडियम में कला व संस्कृति का फ्यूजन शो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय लोक कला संस्कृति के रंगों के साथ-साथ कंटेंपरेरी आर्ट भी जोड़कर आयोजित होगा। स्थानीय व्यंजन भी इस शो के आकर्षण रहेंगे। सहायक निदेशक पर्यटन कृष्ण कुमार ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दौरान रायसर में सेलिब्रिटी नाइट आयोजित की जाएगी, जिसमें अग्नि नृत्य के साथ-साथ एक विशेष सेलिब्रिटी को प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रायसर के धोड़ों में घुड़दौड़ और घोड़ों के नृत्य भी इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव में आकर्षण के विशेष केंद्र होंगे।

ईडी के बाद राजस्थान के जलदाय विभाग में सीएजी की एंट्री

आरडब्ल्यूएसएससी प्रोजेक्ट की जांच शुरू

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ईडी के बाद अब सीएजी ने भी पेयजल से जुड़ी सरकारी परियोजनाओं में खर्च प्रक्रिया को लेकर जांच बिठा दी है। वित्त (मार्गोपाय) विभाग ने पेयजल परियोजना आरडब्ल्यूएसएससी में पेयजल के यूजर चार्जेज की राशि बिना विधानसभा से अनुमति सीधे पीडी खातों में ट्रांसफर करने की अनुमति दे दी। यह न सिर्फ विधायिका का विशेषाधिकार हनन के दायरे में आता है, बल्कि संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ भी है। सीएजी ने एक बार इस आपत्ति जातते हुए वित्त (मार्गोपाय) विभाग से स्पष्टिकरण देने को कहा है। हालांकि इस संबंध सीजीए पहले भी राज्य सरकार को तीन चिट्ठी लिख चुका है लेकिन वित्त (मार्गोपाय) विभाग के अधिकारियों ने इस पर कोई जवाब तक देना जरूरी नहीं समझा।

इससे नाराज होकर सीएजी ने अब स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस प्रकार नियम विरुद्ध खर्च की गई राशि की सूचना तत्काल प्रस्तुत करें। साथ ही यह भी हिदायत दी है कि जल राजस्व एवं व्यय का लेखांकन पूर्व प्रक्रिया के अनुसार नियमानुसार बजट शीर्ष क्रमशः 2015 एवं 4215 के अंतर्गत ही किया जाए।

तत्कालीन गहलोत सरकार में वित्त (मार्गोपाय) विभाग ने विधानसभा को बताए बिना ही बजट मद 0215 में प्राप्त राजस्व को राजस्थान जल प्रदाय एवं सीवरेज निगम (आरडब्लू एसएससी) के पीडी अकाउंट में जमा करवाकर इसे विधायिका की अनुमति लिए बिना सीधे खर्च करने संबंधित आदेश पारित कर दिया गया था जो कि नियम विरुद्ध है। विधानसभा भी इस मामले को लेकर वित्त (मार्गोपाय) विभाग के अधिकारियों पर विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई कर सकती है।

आरडब्लूएसएससी के गठन का उद्देश्य?

आरडब्लूएसएससी का गठन गजट नोटिफिकेशन के द्वारा आरडब्लूएसएसी एक्ट 1979 के अंतर्गत 22 अगस्त 1988 को हुआ था। जिसका मुख्य कार्य जल वितरण एवं सीवरेज हेतु योजनाएं तैयार करना, उन्हें लागू करना और उनको आगे बढ़ाना है। नियमानुसार पानी के बिलों से संबंधित यूजर चार्जेज एवं अन्य सभी प्रकार की प्राप्तियों को नियमानुसार बजट शीर्ष 0215 के तहत राज्य के खजाने में जमा किया जाता है इसके बाद विधानसभा में विधायका इस बजट को पास करती है। इसके बाद ही यह राशि खर्च की जा सकती है।

विधायिका को बायपास करने वाला आदेश

मामले को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह तो विधायका को सीधे बायपास करने वाला आदेश है।

नोटा से 13 सीटों के नतीजे प्रभावित

हार-जीत के अंतर से अधिक वोट पड़े

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में 13 सीटें ऐसी रहीं, जहां नोटा ने नतीजों को काफी हद तक प्रभावित किया। इन सीटों पर नोटा के वोट हार-जीत के अंतर से अधिक रहा। अगर नोटा को चुनने वालों ने किसी प्रत्याशी को चुना होता तो परिणाम बदल सकते थे। कई सीटें तो ऐसी रहीं, जहां जीतने-हारने वाले उम्मीदवार के वोटों में महज 300 से 400 वोटों का अंतर रहा। जबकि नोटा पर पड़े वोट की संख्या 700 से एक हजार मतों तक थी।

हवामहल में रोचक मुकाबला

जयपुर की हवामहल सीट भाजपा के संत बालमुकुंदाचार्य ने 974 मतों से जीती। 19 राउंड की मतगणना में 18वें राउंड तक वह कांग्रेस प्रत्याशी से पीछे रहे। समर्थकों ने भी आस छोड़ दी थी, मगर अंतिम राउंड में उन्हें बढ़त मिल गई। इस सीट पर नोटा पर 1463 मत पड़े। जहाजपुर में कांग्रेस नेता धीरज गुर्जर 580 वोट से हारे, जबकि यहां नोटा को 2542 वोट पड़े। कोटपुतली में मंत्री राजेंद्र यादव की हार का अंतर महज 321 था, जबकि 1344 वोट नोटा को मिले।

इन सीटों पर नोटा ने बिगाड़ा गणित

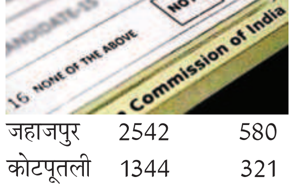

सीट	नोटा	हार जीत का अंतर
नसीराबाद	1392	1135
कठूमर	738	409
बांसवाड़ा	3528	1400
बायतू	2173	910
चौहटन	3901	1428
आसींद	2029	1526
जहाजपुर	2542	580
कोटपूतली	1344	321
हवामहल	1463	974
भीनमाल	4084	1027
जायल	2200	1565
खींवसर	2130	2059
मावली	2411	1567

साइबर ठगों ने बुजुर्ग से ठगे पौने दो लाख रुपये

साइबर इंस्पेक्टर बनकर किया था ब्लैकमेल

बीकानेर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकानेर में साइबर ठगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बता कर पीड़ित बुजुर्ग से बात की थी। पीड़ित ने अश्लील वीडियो डिलीट कराने के लिए साइबर ठगों को लाखों का भुगतान कर दिया। पीड़ित बुजुर्ग ने मुक्ता प्रसाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

राजस्थान के बीकानेर में साइबर ठगों ने ब्लैकमेल कर एक बुजुर्ग से 1.75 लाख रुपये ठगी की है। बताया जा रहा है कि ठगों ने बुजुर्ग को यूट्यूब और फेसबुक पर अश्लील वीडियो वायरल होने के मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाकर मोटी रकम ऐंठी है। इसके लिए अपराधियों ने सोशल मीडिया से वीडियो हटाने के नाम पर यह ठगी की। जानकारी के मुताबिक, ठगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बता कर पीड़ित बुजुर्ग से बात की थी। पीड़ित ने अश्लील वीडियो डिलीट कराने के लिए साइबर ठगों को लाखों का भुगतान कर दिया। पीड़ित बुजुर्ग ने मुक्ता प्रसाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में रामपुरा निवासी बुजुर्ग ने बताया कि है कि कुछ दिन पहले उसके पास अनजान नंबर से वीडियो कॉल आई। वीडियो कॉल करने वाली युवती कॉल शुरू होते ही निर्वस्त्र हो गई। उसके बाद उसके बाद से उसके पास फोन आने शुरू हो गए। सामने वालों ने खुद को साइबर इंस्पेक्टर, यूट्यूब मैनेजर बताते हुए कहा कि यूट्यूब पर तुम्हारे कई अश्लील वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिस पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उसके बाद बुजुर्ग से इस मामले में मदद के नाम पर एक लाख 76 हजार रुपये की ठगी कर ली।

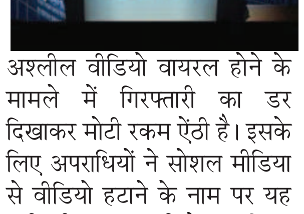

अपने साथ हुई इस ठगी का पता चलने पर बुजुर्ग ने मुक्ता प्रसाद थाना पुलिस को इस बाबत शिकायत दी। फिलहाल पुलिस बुजुर्ग द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

विश्वास ही मनुष्य को अपने कठिन समय में पार लगाता है : प्रो. सर्राजु

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर व हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व सम-कुलपति प्रो.आर.एस.सर्राजू की सेवानिवृत्ति और पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. गजेन्द्र पाठक को उनके यशस्वी कार्यकाल के लिए आभार ज्ञापन के निमित्त "सेवानिवृत्ति एवं आभार ज्ञापन समारोह' का आयोजन मानविकी संकाय के सभागार किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभाग की परास्नातक-छात्रा रोजी दंडसेना द्वारा की गई सरस्वती वंदना हुई। तदुपरान्त विभाग के अध्यक्ष प्रो. आलोक पाण्डेय व अन्य आचार्यों ने प्रो. आरएस सर्राजू व प्रो. गजेन्द्र पाठक को शॉल, पुष्प-गुच्छ व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। प्रो.आरएस सर्राजू ने अपने अध्यापकीय जीवन की शुरुआत आंध्र विश्वविद्यालय से शुरु की थी। बाद में वे हैदराबाद विश्वविद्यालय में आये और यहीं से वे विजिटिंग प्रोफ़ेसर के रूप में अध्यापन के लिए मॉस्को भी गए। बिहार सरकार द्वारा "जॉर्ज ग्रियर्सन पुरस्कार' से सम्मानित प्रो.आरएस सर्राजू, देश की अनेक संस्थाओं में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए हिन्दी भाषा के प्रसार व समृद्धि के लिए सतत कार्यरत हैं। कार्यक्रम में प्रो. सर्राजू ने अपने विभिन्न उतार-चढ़ावों से भरे जीवनानुभवों को साझा करते हुए कहा कि एक गैर-हिन्दी भाषी छात्र द्वारा हिन्दी भाषा को अपनी जीविका का साधन बनाने की यात्रा सहज नहीं रही। इस दौरान उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा और अंततः उन्होंने उससे पार पाते हुए अपना सम्पूर्ण जीवन हिन्दी-सेवा में अर्पित कर दिया। प्रो. सर्राजू ने कहा कि उनके हिन्दी-प्रेम के प्रस्फुटन का कारण उनकी दादी माँ थीं, जिनकी बदौलत वे हिन्दी की ओर उन्मुख हुए। अपने सम्बोधन के दौरान उन्होंने कहा कि हिन्दी राष्ट्र-प्रेम के भाव को उद्धुत करने वाली भाषा है। प्रो. सर्राजू ने अपने शैक्षणिक जीवनानुभवों को साझा कर उपस्थित विद्यार्थियों को बेहतरी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा जब हमारे पास सब कुछ खत्म हो जाता है, तो "विश्वास' ही हमें आगे ले जाता है। अपने वक्तव्य का समापन करते हुए उन्होंने भविष्य में हिन्दी के क्षेत्र में-प्रयोजनमूलक हिन्दी, साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन, अनुवाद विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने व विज्ञान-गल्प जैसे क्षेत्रों में कार्य करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक पाण्डेय ने कहा कि प्रो. सर्राजू ने न केवल एक बेहतरीन शिक्षक के रूप में बल्कि एक बेहतरीन अकादमिक-प्रशासक के रूप में भी अपने दायित्वों का शुचितापूर्ण ढंग से सम्यक निर्वहन किया है। अपने सम्बोधन के दौरान प्रो. पाण्डेय ने कोरोना-काल की विभीषिका के दौरान विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए विभाग और उसके विद्यार्थियों के प्रति अपने सारे उत्तरदायित्वों का बेहद कुशलता के साथ निर्वहन करने के लिए पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. गजेन्द्र पाठक के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। विभाग के अन्य आचार्यों ने प्रो. सर्राजू के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के क्रम में उनके यशस्वी शैक्षणिक कार्यकाल को याद करते हुए उनकी विद्वता, मितभाषिता, मृदुभाषिता व सहयोगी-स्वभाव की चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत में हिन्दी विभाग के ही शोध-छात्र बाबा साहब "सारथी' के सद्यः प्रकाशित कविता-संग्रह "पंछी उड़ना सीख ले' का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रकाश कोपर्डे व कार्यक्रम का संचालन डॉ. सेतु वर्मा ने किया तथा व्यवस्था में सहयोग विभाग के छात्र-आदित्य रंजन, विनोद, अदिति सागर, स्वप्नेश्वरी प्रधान, वीरेंद्र अहिरवार, श्रीकृष्ण यादव आदि ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की भूतपूर्व विभागाध्यक्षा प्रो. शशि मुदिराज, प्रो. गजेन्द्र पाठक, प्रो. सी. अन्नपूर्णा, प्रो. विष्णु सरवदे, प्रो.एम.अंजनेयुलु, प्रो.एम.श्यामराव, डॉ. प्रकाश कोपर्डे, डॉ. भीम सिंह, डॉ.जे.आत्माराम, पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. विजय रोड़े, डॉ. नागेश्वर राव, डॉ. नरसिम्हा, डॉ. शशिकांत मिश्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक के आचार्य डॉ. संदीप रणभीरकर, डॉ. एम. दत्ता व विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

तेलंगाना ने 30 लाख टन ख़रीफ़ धान ख़रीदा

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में खरीफ की फसल करीब आने के साथ, सभी प्रमुख धान उत्पादक जिलों में धान की खरीद ने गति पकड़ ली है। नागरिक आपूर्ति निगम ने 7040 धान क्रय केंद्र खोलने का प्रस्ताव दिया है। हालाँकि, किसान इतने केंद्र खोलने पर जोर नहीं दे सकते क्योंकि खुले बाजार में कीमतें आकर्षक हैं। निगम ने अब तक 6000 से अधिक धान क्रय केंद्र खोले और लगभग 30 लाख मीट्रिक टन की खरीद की। भूपालपल्ली और मुलुगु जैसे जिलों से धान की आवक में देरी की उम्मीद को देखते हुए धान खरीद केंद्र एक और महीने तक चालू रह सकते हैं, जहां सीजन के अंत में रोपाई हुई थी। अच्छी किस्म के धान उगाने वाले किसान अब तक बाजार की स्थितियों से काफी खुश थे। वे किसी भी बाजार हस्तक्षेप की तलाश में नहीं हैं क्योंकि भारी मांग के कारण उन्हें दरवाजे पर बेहतर कीमत मिल सकती है। अधिकारियों ने कहा कि धान, विशेष रूप से अच्छी किस्मों को अच्छा बाजार मिल रहा है और प्रस्तावित कीमत उत्पादकों के लिए थोड़ी लाभकारी है।

सरकार ने ग्रेड-ए किस्म के लिए 2203 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य किस्मों के लिए 2183 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य पेश किया है। लेकिन खुले बाजार में निजी खिलाड़ी बेहतर किस्मों के मामले में कथित तौर पर 2600 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीद रहे हैं।

बाजार प्रांगणों में धान की आवक लगभग एक महीने पहले शुरू हुई और नवंबर के मध्य में उठान शुरू हो गई। नलगोंडा और करीमनगर जैसे धान उत्पादक जिलों में फसल की कटाई लगभग समाप्त हो गई है। इस तथ्य के बावजूद कि प्रवाह के अभाव में नागार्जुन सागर परियोजना की बाईं नहर अयाकट के लगभग छह लाख एकड़ में पानी नहीं छोड़ा जा सका, इस खरीफ सीजन में रिकॉर्ड 65 लाख एकड़ में धान की खेती की गई।

नगरकुर्नूल, सिद्दीपेट, संगारेड्डी, निर्मल, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, यदाद्री-भोंगिर, नारायणपेट, वनपर्ती, महबूबनगर और रंगारेड्डी जिलों में खासकर कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना द्वारा समर्थित सभी प्रमुख परियोजनाओं के तहत बड़े पैमाने पर धान उगाया गया। केंद्र सरकार ने 70 लाख मीट्रिक टन तक खरीद की अनुमति दी थी, लेकिन चालू सीजन में सरकारी खरीद केंद्रों के जरिए खरीद 55 लाख टन से ज्यादा नहीं हो पाएगी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति -4, हैदराबाद की बैठक सम्पन्नन

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यक्ष, नराकास-4, हैदराबाद एवं महाप्रबंधक/दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4, हैदराबाद की बैठक बुधवार को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुई। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर दक्षिण मध्य रेलवे जी. के. द्विवेदी, समिति के सदस्य सचिव-1 एवं उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ.श्याम सुंदर साहु तथा सदस्य सचिव-II एवं राजभाषा अधिकारी एम. के. नागराजु, सहायक निदेशक व हिंदी शिक्षण योजना संतोष कुमार तथा नराकास-4 के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे। इनके अलावा कई सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधि अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक(कान्यान्वयन)/राजभाषा , क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरु और रविचंद्र राव, उप निदेशक/हिंदी शिक्षण योजना ने ऑनलाइन माध्यम से इस बैठक में सहभागिता की। उपाध्यक्ष ने बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत किया और महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे के तत्त्वावधान में नराकास के सफल संचालन के लिए सभी सदस्य कार्यालयों से सहयोग की आशा की। सदस्य सचिव डॉ. साहु ने 28 जून को आयोजित पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि करते हुए तिमाही प्रगति रिपोर्ट/छमाही प्रगति रिपोर्ट, नराकास द्वारा आयोजित किए जानेवाले विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की। सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने चर्चा के दौरान अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक/दक्षिण मध्य रेलवे ने अपने भाषण में कहा कि समिति की बैठकों में सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस बैठक में कार्यालयों के प्रमुखों के भाग न लिए जाने को ससंदीय राजभाषा समिति काफी गंभीरता से लेती है। अतः अगली बैठक में सभी कार्यालय प्रमुख अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने का कष्ट करें. अध्यक्ष ने कहा कि समिति के तत्वावधान में समय-समय पर और अधिक संख्या में राजभाषा गतिविधियों का आयोजन किया जाए। इससे सदस्य कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति व नियमों का अनुपालन सुनिश्चित हो पाता है, कार्यालयों के बीच समन्वय बढ़ता है, विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। परिणामस्वरूप राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सही दिशा-निर्देश मिलते है। इस बैठक में वर्ष 2022-23 के दौरान राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन के लिए 13 कार्यालयों को विभिन्न वर्गों में शील्ड, सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिकाओं के लिए 09 कार्यालयों को शील्ड प्रदान किए गए, साथ ही नराकास के तत्त्वावधान में सदस्य कार्यालयों द्वारा आयोजित हिंदी वाक् और निबंध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए हैं। सदस्य सचिव-II एवं राजभाषा अधिकारी श्री एम.के.नागराजु के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक का समापन हुआ।

चुंबकीय सामग्री और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मैग्नेटिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसआई) द्वारा रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद और मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) के सहयोग से अपने स्वर्ण जयंती वर्ष (2023) के उपलक्ष्य में चुंबकीय सामग्री और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएजीएमए-2023) का आयोजन किया गया है। सम्मेलन का उद्देश्य उन सभी लोगों के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करना है जो चुंबकत्व, चुंबकीय सामग्री और उसके अनुप्रयोगों में एक कैरियर के रूप में लेते हैं, चुंबकत्व के क्षेत्र में हाल के विकासों पर एक साथ आने, चर्चा करने, प्रसार करने और मूल्यांकन करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है। इस प्रयास में, एमएसआई युवा शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के बीच जागरूकता फैलाने के अपने दायित्व को पूरा कर रहा है। हाल के दिनों में यह संस्था ने चुंबकत्व में प्रगति पर शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास संगठनों के साथ मिलकर एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रही है। आईसीएमएजीएमए-2023 इस श्रृंखला का 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है। कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात प्रोफेसरों और वैज्ञानिकों द्वारा स्थायी चुंबक सामग्री अनुसंधान जैसे चुंबक सामग्री के क्षेत्र में अपने शोध को प्रस्तुत किया। इन उल्लेखनीय है-जापान से प्रो. कज़ुहिरो होनो द्वारा एनआईएमएस में स्थायी चुंबक सामग्री अनुसंधान; आईआईटी मद्रास से डॉ. आर. गोपालम द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन और अन्य अनुप्रयोगों के लिए दुर्लभ एर्थ मैग्नेट में अवसर और चुनौतियाँ, एएलडी इंडिया के डॉ. सैमुअल बोगनर द्वारा वैक्यूम प्रक्रिया का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले भागों के लिए विनिर्माण मार्ग शामिल है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डीआरडीओ, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने वीसी के माध्यम से कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की और प्रबुद्ध जनों की सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि यू. राजा बाबू, डीएस एवं महानिदेशक (एमएसएस), डीआरडीओ रहे। उद्घाटन सत्र के दौरान एमएसआई के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार झा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि ने इस तरह के सम्मेलन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। सह-अध्यक्ष, आई सी एम ए जी एम ए-2023 डॉ. आर बालामुरलीकृष्णन, ओएस एवं निदेशक, डीएमआरएल ने चुंबकीय सामग्री और अनुप्रयोग विषय पर डीएमआरएल को मिश्र धातु निगम लिमिटेड (एमआईडीएचएएनआई) के साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का अवसर प्रदान करने के लिए मैग्नेटिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसआई) के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी सौंपा जाना वास्तव में एक बड़ा सौभाग्य और सम्मान की बात है।

कार्यक्रम के दौरान सम्मेलन के गणमान्य व्यक्तियों ने स्मारिका और सार-संक्षेप की पुस्तक का विमोचन किया। सम्मेलन का समापन डॉ. एम. मणिवेल राजा, वैज्ञानिक जी, डीएमआरएल के धन्यवाद प्रस्ताव और प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न से सम्मानित करने के साथ हुआ।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा बड़ी धूमधाम से हुई। इसमें भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, संध्या, संतोष अग्रवाल, अनिता विजया, विजय कुमार, लायन सुधाकर, मोहनलाल मित्तल, अशोक रुंगटा, भोज रेड्डी, गोपाल बल्देवा, पीसी जैन, प्रमोद कुमार अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल व अन्य।

सुल्तानशाही के दलित बंधुओं ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की। अवसर पर पी.राजेश व अन्य उपस्थित थे।

कृष्णपक्ष नवमी पर बजरंग सेना तेलंगाना टीम ने राम मंदिर गौलीगुडा में अन्नप्रसादम कार्यक्रम किया। उपस्थित हैं एन.आर. लक्ष्मण राव, सूर्य शुक्ला, एम. मनोज, वाई.श्रीनिवास राव, करण वोरा, सुनील अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल व अन्य।

चहुमुंखी विकास करेंगे रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी राजपूत समाज व राजस्थानी प्रवासी समाज के युवा पदाधिकारी डॉ. किशोर सिंह चौहान ने कहा कि तेलंगाना के नए बनने वाले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य का चहुंमुखी विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के लोगों को रेवंत से विकास की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मैं रेवंत रेड्डी को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि वे पूरे तेलंगाना के साथ ही राजस्थानी समाज के लिए कार्य करेंगे। व्यापारियों और आम लोगों के हितों का विशेष ख्याल रखेंगे।

चंद्रबाबू की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर हाईकोर्ट में सुनवाई टली

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व एपी सीएम चंद्रबाबू नायुडू की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर हाईकोर्ट में सुनवाई टली है। इस संदर्भ में एपी हाईकोर्ट के सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, इनर रिंग रोड मामले में चंद्रबाबू को अग्रिम जमानत दी गयी है तथा मुफ्त रेती के मामले में भी चंद्रबाबू ने जमानत याचिका दायर की है। इन दोनों याचिकाओं पर सुनवाई 12 दिसंबर 2023 तक स्थगित की गयी है।

चक्रवात मिचौंग कमजोर, हैदराबाद में बारिश नहीं होगी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मिचौंग का मंडराता खतरा काफी कमजोर हो गया है, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गंभीर चक्रवाती तूफान को डिप्रेशन में बदल दिया है। नतीजतन, आने वाले दिनों में हैदराबाद पर चक्रवात का प्रभाव कम होने का अनुमान है। परिणामस्वरूप, हैदराबाद में छिटपुट लेकिन तीव्र बारिश में काफी कमी आने की उम्मीद है। आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ-साथ सुबह के समय धुंध का प्रभाव अभी भी महसूस किया जा सकता है। आईएमडी का पूर्वानुमान अगले चार दिनों के दौरान हैदराबाद में अपेक्षाकृत स्थिर तापमान की भविष्यवाणी करता है। दिन का तापमान 28 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस बीच, न्यूनतम तापमान 18 और 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

चक्रवात मिचौंग : आदिलाबाद में खड़ी कपास व अरहर की फसल को नुकसान पहुंचा

आदिलाबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को तत्कालीन आदिलाबाद जिले के कुछ हिस्सों में चक्रवात मिचौंग के कारण हुई हल्की बारिश से कपास और अरहर की खड़ी फसल को नुकसान हुआ। कपास और अरहर की फसल के उत्पादकों ने कहा कि चक्रवात के कारण हुई बारिश से फसलें तब क्षतिग्रस्त हो गईं जब वे कटाई के चरण में पहुंच गईं। उन्होंने अफसोस जताया कि खेतों में रखी कपास की उपज भी भीग गई, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश और कुछ कीटों के कारण दोनों फसलों की पैदावार में गिरावट आई है। किसानों ने सरकार से फसल क्षति का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण कराने और मुआवजा देने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया है। इस बीच, खरीद केंद्रों पर पहुंची धान की उपज भी बारिश से भीग गई। किसानों ने बताया कि केंद्रों पर अनाज को बारिश से बचाने के लिए पर्याप्त तिरपाल नहीं है।

'फोर्ब्स 100 मोस्ट पावरफुल वुमन' में 4 भारतीय

निर्मला सीतारमण लगातार पांचवीं बार लिस्ट में शामिल, जर्मनी की उर्सुला वॉन डेर लेयेन टॉप पर

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतवंशी महिलाओं ने भी जगह बनाई है। इस लिस्ट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 32वें स्थान पर हैं। लिस्ट में तीन अन्य भारतीय महिलाएं एचसीएल कॉर्पोरेशन की सीईओ रोशनी नाडर मल्होत्रा (रैंक 60), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन सोमा मंडल (रैंक 70), और बायोकॉन की फाउंडर किरण मजूमदार-शॉ (रैंक 76) भी शामिल हैं।

ये लगातार 5वीं बार है जब निर्मला सीतारमण ने इस लिस्ट में जगह बनाई है। वे पिछले साल इस लिस्ट में 36वें स्थान पर रही थीं। यानी इस बार वो 4 पायदान ऊपर हैं। वहीं 2021 में उनको 37वां स्थान मिला था।

टॉप पर यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन

फोर्ब्स की पावरफुल महिलाओं की सालाना लिस्ट में में यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन टॉप स्पॉट पर हैं। उनके बाद यूरोपीय सेंट्रल बैंक की बॉस क्रिस्टीन लेगार्ड दूसरे स्थान पर और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमल हैरिस तीसरे स्थान पर हैं।

हर साल जारी होती है लिस्ट

अमेरिकी बिजनेस मैगजीन हर साल दुनिया की 100 ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी करती है। फोर्ब्स के अनुसार, यह चार प्रमुख मैट्रिक्स के आधार पर रैंकिंग निर्धारित करता है: पैसा, मीडिया, प्रभाव और प्रभाव के क्षेत्र।

पॉलिटिकल लीडर्स के लिए पत्रिका ने GDP और पॉपुलेशन को मानक के रूप में लिया है वहीं कॉर्पोरेट लीडर्स के लिए राजस्व, मूल्यांकन और एंप्लॉयीज की संख्या को लिया है।

ममता बनर्जी ने भाजपा को बताया 'सबसे बड़ा जेबकतरा' दल

जनता को धोखा देने का भी लगाया आरोप

कोलकाता, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने बुधवार को भगवा पार्टी को सबसे बड़ा जेबकतरा बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले किए गए अपने वादों को पूरा नहीं करके मतदाताओं को धोखा दिया है। उत्तर बंगाल के लिए रवाना होने से पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग को लेकर भी केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के लिए 'राजनीतिक भोजन' की तलाश में केंद्रीय एजेंसियां बार-बार राज्य का दौरा कर रही हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि वे (भाजपा) देश के सबसे बड़े जेबकतरे हैं और लोगों को इसके कारण सबसे ज्यादा परेशानी हुई है। प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये ट्रांसफर करने के उनके वादे, फिर नोटबंदी, और फिर महामारी के दौरान मुफ्त राशन को अचानक बंद करके भाजपा सरकार ने जनता को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी भाजपा से अलग हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

क्या धोनी-युवी की जगह ले सकते हैं रिंकू

अभिषेक नायर बोले- कंसिस्टेंसी उनकी सबसे बड़ी ताकत, हमेशा सीखने पर देते हैं ध्यान

मुंबई, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल-2023 में गुजरात के खिलाफ आखिरी 5 बॉल पर 5 छक्के...ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध पहले टी-20 की आखिरी बॉल पर छक्का और दूसरे में 9 बॉल पर 31 रन। ये पारियां भारत के भावी फिनिशर के तौर पर रिंकू सिंह की दावेदारी को मजबूत कर रही हैं।

अलीगढ़ के 26 साल के रिंकू ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में 175.00 के स्ट्राइक रेट और 52.50 के औसत से 105 रन बनाए। रिंकू ने सीरीज में 60 बॉल खेलीं और 17 बाउंड्री (13 चौके और 4 छक्के) जमाई। यानी कि उन्होंने हर चौथी बॉल पर बाउंड्री मारी। करियर की शुरुआत में फिनिशर के तौर पर उभरे रिंकू क्या एमएस धोनी और युवराज सिंह जैसे दिग्गज फिनिशर्स की जगह ले पाएंगे। आईपीएल के दौरान जब मैं उससे मिला था। उनकी टेक्निक में थोड़ी समस्या थी, वह कोशिश कर रहे थे कि तकनीकी रूप से बेहतर हो सके। शॉर्ट गेंद के खिलाफ खेलने में उन्हें परेशानी थी। रिंकू सीखने के लिए हमेशा आगे रहते थे, ज्यादा सवाल नहीं पूछते और ज्यादा से ज्यादा सीखने पर ध्यान देते हैं।

रिंकू जो भी कहते हैं, वो करते हैं और खुद में विश्वास रख कर पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें अगर ट्रेनिंग में कुछ टास्क दिया जाता है तो काम खत्म किए बिना ग्राउंड से जाते नहीं हैं। कोच की बातों को वे ओपन माइंड से सुनते हैं और कमजोरियों पर काम भी करते हैं।

टी-20 में सबसे मुश्किल रोल फिनिशर का ही है। जिस अंदाज से वह खेल रहे हैं, मुझे लगता है थोड़ा इंतजार करना चाहिए। क्योंकि उन्हें शुरुआती दिनों में सक्सेस तो मिल रही है लेकिन आने वाले दिनों में वह फेल भी होंगे।

उनकी कंसिस्टेंसी इस वक्त बेहद अच्छी रही है। उनका टी-20, रणजी या IPL प्रदर्शन देखें तो उन्होंने करीब 50 से ज्यादा की औसत से रन बनाए हैं। मुझे लगता है कि इस वक्त इंडिया में अगर कोई कंसिस्टेंटली गेम को फिनिश कर रहे हैं तो वह रिंकू ही हैं। रिंकू प्रेजेंट में रहना पसंद करते हैं और मुझे भी यही लगता है। वह फिलहाल अच्छा कर रहे हैं और उन्हें अभी के मैचों पर भी ध्यान देना चाहिए और ज्यादा आगे का नहीं सोचना चाहिए।

कार्तिक ने की रिंकू-नायर की तारीफ

दिनेश कार्तिक ने रिंकू-नायर की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- 'यह बहुत ही आश्वस्त करने वाली तस्वीर है। यह तस्वीर दोनों के संबंधों को बयां करती है, जिसकी शुरुआत 2018 में केकेआर में मेरे टाइम में हुई थी। नायर को हमेशा लगता था कि रिंकू में क्षमता है। वे हमेशा कहते थे कि रिंकू को मौके मिलने का इंतजार है और वह कुछ स्पेशल करेंगे।

रिंकू बड़ा करें इसके लिए जरूरी था कि उन्हें कोई मदद करे। मुझे लगता है कि रिंकू के बड़ा सोचने के पीछे नायर ने बहुत काम किया है। उसकी स्किल और सोच को मजबूत करने में अभिषेक ने कोई कसर नहीं छोड़ी।'

दिनेश कार्तिक की वह पोस्ट। जो उन्होंने रिंकू के आखिरी बॉल पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिक्स जमाने के बाद की। दिनेश कार्तिक की वह पोस्ट। जो उन्होंने रिंकू के आखिरी बॉल पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिक्स जमाने के बाद की।

आंकड़ों में रिंकू का करियर और फिनिशर की पोजिशन पर प्रदर्शन...

> 'रिंकू प्रेजेंट में रहते हैं, भविष्य की चिंता नहीं करनी चाहिए'
> **अभिषेक नायर, पूर्व क्रिकेटर**

रिंकू का आईपीएल डेब्यू 2017 में हो गया था, लेकिन वे पिछले सीजन से सुर्खियों में आए। वे 31 मैचों में 142.16 की स्ट्राइक रेट से 725 रन बना चुके हैं।बतौर फिनिशर उनकी क्षमता आगे कुछ पॉइंट्स में जानिए...

आईपीएल डेथ ओवर्स में 28 छक्के लगाए रिंकू ने आईपीएल में अब तक 38 छक्के लगाए हैं, जिनमें से 28 छक्के उन्होंने पिछले 2 सीजन के डेथ ओवर्स में ही लगा दिए। डेथ ओवर्स यानी 16 से 20 ओवर का फेज, जहां टीम को तेजी से रन बनाने की जरूरत होती है और खिलाड़ी बड़े शॉट्स लगाने पर ही फोकस करते हैं। रिंकू ने इस दौरान 187 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 394 रन बनाए। जो दिनेश कार्तिक, टिम डेविड और मार्कस स्टॉयनिस जैसे फिनिशर्स से ज्यादा हैं। आईपीएल के 20वें ओवर में धोनी-रसेल से ज्यादा छक्के मारे टी-20 क्रिकेट में पारी का 20वां ओवर बैटिंग और बॉलिंग दोनों ही टीमों के लिए अहम रहता है। बैटिंग टीम यहां ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहती है, जबकि बॉलिंग टीम कम से कम रन देना चाहती है। आईपीएल के पिछले 2 सीजन से इस ओवर में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वालों में रिंकू ही टॉप पर हैं। उन्होंने 20वें ओवर में 217 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और कुल 11 सिक्स लगाए। 20वें ओवर में सिक्स के मामले में आंद्रे रसेल (10) और एमएस धोनी (9) जैसे दिग्गज प्लेयर्स भी उनसे पीछे हैं।

घरेलू टी-20 क्रिकेट में भी सिक्सर किंग रिंकू रिंकू ने घरेलू क्रिकेट में भी खूब रन बनाए। वे यूपी के कप्तान हैं। पिछले 2 सीजन में घरेलू टी-20 टूर्नामेंट के डेथ ओवर्स में रिंकू ने सबसे ज्यादा 14 सिक्स लगाए हैं। 16 से 20 ओवर के बीच उन्होंने 6 पारियों में 231 के स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए हैं। जो 38 टीमों के बाकी प्लेयर्स में सबसे ज्यादा है।

रिंकू के बल्ले से निकली कुछ अहम पारियां

18 अगस्त को इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले रिंकू 10 मैचों में 5 अहम पारियां खेल चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट 187 से ज्यादा है। आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी बैटिंग नहीं आई, लेकिन उन्होंने दूसरे ही मैच में 21 बॉल पर 38 रन की पारी खेली। फिर उन्हें एशियन गेम्स में मौका मिला, यहां उन्होंने पहले ही मैच में 15 बॉल पर 37 रन की पारी खेली।

उन्हें पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज का भी हिस्सा बनाया गया। यहां उन्होंने 14 बॉल पर 22 रन, 9 बॉल पर 31 रन और 29 गेंद पर 46 रन की 3 अहम पारियां खेलीं। तीनों ही बार उन्होंने टीम को मुश्किल सिचुएशन से निकालकर मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। प्रेशर सिचुएशन में आया छक्का 23 नवंबर को विशाखापट्टनम में भारत को आखिरी बॉल पर एक रन की जरूरत। टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में टीम 5 गेंदों में 3 विकेट गंवा चुकी थी। ऑस्ट्रेलियाई बॉलर शॉन एबट ने यॉर्कर की कोशिश में फुलर लेंथ बॉल फेंकी और रिंकू ने लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर टीम को जिता दिया। प्रेशर सिचुएशन में आया यह शॉट रिंकू की मानसिक मजबूती को दर्शाता है।

दबाव में 29 बॉल पर 46 रन बनाए रायपुर में चौथे टी-20 में टीम इंडिया ने 63 रन पर 3 बड़े विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में रिंकू ने 29 बॉल पर 46 रन की संयमित पारी खेलीं और टीम का स्कोर 160 के पार पहुंचाया। उन्होंने इस दबाव पूर्ण पारी में 2 चौके और 2 छक्के समेत 158.62 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

5 छक्के लगाने के बाद लाइमलाइट में आया रिंकू का नाम क्रिकेट की दुनिया में 9 अप्रैल 2023 को किया रिंकू का एक कारनामा अमर हो गया। आईपीएल-2022 की चैंपियन गुजरात टाइटंस के सामने कोलकाता नाइट राइडर्स को आखिरी 5 बॉल पर 28 रन की जरूरत। इससे पहले, ऐसा टारगेट टी-20 क्रिकेट के इतिहास में कभी हासिल नहीं हुआ था। गुजरात के लेफ्ट आर्म पेसर यश दयाल की बॉल पर रिंकू ने एक के बाद एक लगातार 5 छक्के लगाए और अपनी टीम को असंभव जीत दिला दी। बस फिर क्या था घरेलू क्रिकेट की मेहनत के बाद एक ही ओवर के कारनामे उनका नाम दुनिया के

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया रवाना

10 दिसंबर को पहला टी-20; टेस्ट टीम में शामिल रोहित-विराट 20 दिसंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे

डरबन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया बुधवार सुबह रवाना हो गई। टीम के साथ मुख्य कोच राहुल द्रविड़, बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ और उनका सहयोगी स्टाफ भी गया है। साउथ अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम को पहले तीन टी-20, उसके बाद तीन वनडे और आखिर में 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को इस दौरे की टी-20 और वनडे सीरीज के लिए आराम दिया गया है। उन्होंने खुद इन दो सीरीज से ब्रेक मांगा था। इनके अलावा रोहित शर्मा को भी टी-20 और वनडे से ब्रेक दिया है। विराट और रोहित 20 दिसंबर को इंट्रा-स्क्वाड मैच से पहले टीम में शामिल होंगे।

तीनों फॉर्मेट के लिए साउथ अफ्रीका के लिए 31 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। केवल 3 खिलाड़ी ऋतुराज गायकवाड, श्रेयस अय्यर और मुकेश कुमार को तीनों फॉर्मेट में शामिल किया गया है।

तीनों फॉर्मेट के लिए तीन कप्तान

साउथ अफ्रीका दौरे पर तीनों फॉर्मेट के लिए तीन कप्तान तय किए गए हैं। टी-20 के लिए सूर्य कुमार यादव को कप्तान बनाया गया है। वनडे में केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे। टेस्ट सीरीज की कमान रोहित शर्मा के हाथों में ही है।

टी-20 टीम साथ इंडिया ए के खिलाड़ी भी गए

राहुल द्रविड़ सहित उनके कोचिंग स्टाफ का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप तक के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल ने बढ़ा दिया है। टी-20 वर्ल्ड कप अगले साल जुलाई में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होना है। द्रविड़ और उनके कोचिंग स्टाफ का कार्यकाल वनडे वर्ल्ड कप की समाप्ति के साथ ही खत्म हो गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज में मुख्य कोच की जिम्मेदारी नेशनल क्रिकेट अकादमी के डायरेक्टर वीवीएस लक्ष्मण को दी गई थी। इनके अलावा टीम इंडिया के खिलाड़ी भी दौरे के लिए साथ ही गए हैं। वनडे टीम में शामिल संजू सैमसन और मोहम्मद सिराज भी जल्द ही रवाना होंगे।

सूर्याकुमार यादव टी-20 सीरीज के बाद लौट आएंगे

सूर्यकुमार टी-20 सीरीज के बाद वापस लौट आएंगे। टी-20 सीरीज 10 दिसंबर से शुरू हो रही है। जबकि पहला वनडे 17 दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होगा।

साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है भारत

साउथ अफ्रीका में भारतीय टीम का टेस्ट प्रदर्शन खास नहीं रहा है। टीम इंडिया अब तक साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। टीम ने अफ्रीकी मैदानों पर अब तक 8 टेस्ट सीरीज खेली हैं। इनमें से एक ड्रॉ रही, जबकि 7 सीरीज में टीम इंडिया को पराजय का सामना करना पड़ा।

टीम ने वहां 23 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से टीम को महज 4 में जीत मिली है, जबकि 7 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। शेष 12 मुकाबले में भारतीय टीम को पराजय का सामना करना पड़ा है।

खेलो इंडिया: भारोत्तोलक शरबानी ने जीता स्वर्ण ओडिशा की स्नेहा को परास्त किया

कोलकाता, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इस वर्ष जूनियर विश्व चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहने वाली शरबानी ने कुल 186 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 80 और क्लीन एंड जर्क में 106 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नेहा को सिर्फ एक किलो के अंतर से हराया।

ग्रेटर नोएडा में इस वर्ष हुई राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली पश्चिम बंगाल की शरबानी दास ने अश्मिता खेलो इंडिया महिला वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया। 55 भार वर्ग के मुकाबले में शरबानी ने दक्षिण एशियाई खेलों की विजेता और 2019 की राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में रजत

जीतने वाली ओडिशा की स्नेहा सोरेन को पराजित किया।

इस वर्ष जूनियर विश्व चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहने वाली शरबानी ने कुल 186 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 80 और क्लीन एंड जर्क में 106 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नेहा को सिर्फ एक किलो के अंतर से हराया। स्नेहा ने कुल 185 किलो वजन उठाया। स्नेहा ने स्नैच में 79 और क्लीन एंड जर्क में 106 किलो वजन उठाया। मणिपुर की नीलम देवी ने 178 किलो के साथ कांस्य पदक जीता।

59 भार वर्ग में अरुणाचल प्रदेश की यालम बालो ने 175 किलो के साथ स्वर्ण, मणिपुर की शाखेनबी देवी ने 171 के साथ रजत पदक जीता। 64 भार वर्ग में असम की दितिमोनी सोनोवाल ने 185 किलो के साथ स्वर्ण, छत्तीसगढ़ की सोनाली यादू ने 181 किलो के साथ रजत जीता। 71 भार वर्ग में छत्तीसगढ़ की अक्ता बंजारे ने 71 भार वर्ग में 175 किलो के साथ स्वर्ण और असम की सोंगिता ने 174 किलो वजन के साथ रजत पदक जीता।

ऋषभ पंत ने शेयर किया रिकवरी का लेटेस्ट वीडियो

जिम में वेट उठाते नजर आए, जल्द वापसी के संकेत दिए; एक साल पहले एक्सीडेंट हुआ था

बेंगलुरु, 8 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट से काफी तेजी से रिकवर हो रहे हैं। पिछले साल 30 दिसंबर को दिल्ली से रूड़की जाने के दौरान पंत के कार का एक्सीडेंट हो गया था। पंत को सिर और पैर में चोट आई थी। उनके घुटने का भी ऑपरेशन हुआ था। पंत अभी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में विशेषज्ञों की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं। पंत ने वेट उठाते हुए इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है।

पंत एक्सीडेंट के बाद करीब 1 साल से क्रिकेट से दूर हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने बतौर कप्तान 2024 आईपीएल के लिए रिटेन किया है। उम्मीद है कि पंत आईपीएल 2024 से वापसी कर सकते हैं। आईपीएल का अगला सीजन मार्च-अप्रैल में हो सकता है। ऐसे में 3-4 महीने ही बचे हैं। उम्मीद है कि पंत IPLसे पहले पूरी तरह से रिकवर कर लेंगे। 2024 आईपीएल के लिए मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होना है।

कुश्ती संघ के चुनाव का रास्ता साफ

उच्चतम न्यायालय की रोक हटी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनावों के लिए अधिसूचना आठ दिसंबर को या इसके बाद जारी की जा सकती है। इस साल की शुरुआत में प्रकाशित निर्वाचन सूची में किसी भी तरह के बदलाव को भी आठ दिसंबर को ही शामिल किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चुनावों पर लगाई गई रोक को हाल में हटा दिया था जिससे डब्ल्यूएफआई की नई संचालन इकाई को चुनने की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। भारत के शीर्ष पहलवानों द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद खेल मंत्रालय ने बृजभूषण शरण सिंह की अगुआई वाले महासंघ को निलंबित कर दिया था और भारतीय वुशु संघ के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा की अगुवाई में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ पैनल अभी डब्ल्यूएफआई का दैनिक कामकाज देख रहा है। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित कई पहलवानों ने बृजभूषण द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ यहां जंतर-मंतर पर दो महीने से अधिक समय तक धरना दिया था।

उच्चतम न्यायालय के चुनावों का रास्ता साफ करने के बाद निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एमएम कुमार ने 30 नवंबर को एक बैठक की और बाजवा से पूछा कि क्या 12 अगस्त को निर्धारित चुनावों के लिए शुरू में 25 जुलाई 2023 को अधिसूचित निर्वाचक मंडल में कोई बदलाव हुआ है। जुलाई में शुरू हुई चुनाव प्रक्रिया में अदालत में मामले दायर होने से विलंब हुआ। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय महासंघ (यूनाईटेड वर्ल्ड रेसलिंग) ने भी निर्धारित समय में चुनाव नहीं कराने के लिए डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया।

अश्विनी-तनीषा बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में 28वें स्थान पर

रजावत को भी एक स्थान का फायदा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सैयद मोदी टूर्नामेंट में पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचे प्रियांशु राजावत भी एक पायदान के फायदे से शीर्ष 30 में पहुंच गए। एच एस प्रणय आठवें, पी वी सिंधू 12वें, लक्ष्य सेन 17वें और किदांबी श्रीकांत 24वें स्थान पर हैं।

भारतीय महिला युगल टीम अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रेस्टो ताजा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में चार पायदान चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गई। 36 वर्ष की अश्विनी और 20 वर्ष की तनीषा ने इस साल जनवरी में ही साथ खेलना शुरू किया था। दोनों रविवार को सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं थी। दोनों ने नेट्स इंटरनेशनल चैलेंज और अबु धाबी मास्टर्स सुपर 100 भी जीता था।

सैयद मोदी टूर्नामेंट में पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचे प्रियांशु राजावत भी एक पायदान के फायदे से शीर्ष 30 में पहुंच गए। एच एस प्रणय आठवें, पी वी सिंधू 12वें, लक्ष्य सेन 17वें और किदांबी श्रीकांत 24वें स्थान पर हैं। सात्विक साइराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी दूसरे स्थान पर हैं। वहीं त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 19वें स्थान पर हैं।

जूनियर वर्ल्ड बॉक्सिंग: पिता का संघर्ष यादकर

निशा ने बरसाए मुक्के, जीता स्वर्ण; पायल-आकांक्षा ने जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। निशा ने कुछ माह पहले ही एशियाई जूनियर मुक्केबाजी में भी स्वर्ण जीता। यहां उन्होंने फाइनल में ताजिकिस्ताान की अब्दुल्लाओएवा फारिनोज को 5-0 से पराजित किया। पायल ने आर्मेनिया की पट्रोसियान और आकांक्षा ने रूस की ताइमाजोवा को हराकर स्वर्ण जीते।

फाइनल से पहले बड़ी बहन और एशियाई यूथ मुक्केबाजी की पदक विजेता ललिता से निशा ने फोन पर यही कहा, मैं मर भले ही जाऊं, लेकिन स्वर्ण पदक नहीं छोड़ूंगी। मुझे यह स्वर्ण पापा के लिए जीतना है। उन्होंने हमारी मुक्केबाजी के लिए बहुत त्याग किया है। मैं जीती तो पापा बहुत खुश होंगे। निशा ने यही करके दिखाया और येरेवान (आर्मेनिया) में खेली गई जूनियर विश्व मु क्के बा जी चैंपियनशिप में 52 भार वर्ग का स्वर्ण जीत लिया। भारत ने चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण, नौ रजत और पांच कांस्य पदक जीते। निशा के अलावा पायल (48) और आंकाक्षा (70 किलो) में स्वर्ण जीते।

तीनों बहनें हैं मुक्केबाज

निशा ने कुछ माह पहले ही एशियाई जूनियर मुक्केबाजी में भी स्वर्ण जीता। यहां उन्होंने फाइनल में ताजिकिस्ताान की अब्दुल्लाओएवा फारिनोज को 5-0 से पराजित किया। पायल ने आर्मेनिया की पट्रोसियान और आकांक्षा ने रूस की ताइमाजोवा को हराकर स्वर्ण जीते। चुरू (राजस्थान) की निशा के पिता विनोद कुमार दूसरों की जमीन पर खेती कर परिवार चलाते हैं।

निशा तीन बहनों में सबसे छोटी हैं और तीनों बहनें मुक्केबाज हैं। विश्व चैंपियनशिप में पदक जीत चुकीं अर्जुन अवॉर्डी बॉक्सर कविता चहल उनकी मौसी हैं। कविता ही तीनों को भिवानी बॉक्सिंग क्लब लेकर गईं।

लियोनल मेसी टाइम एथलीट ऑफ द ईयर 2023 बने

यह अवॉर्ड पाने वाले पहले फुटबॉलर ; पिछले महीने मिला था प्रतिष्ठित अवॉर्ड बैलोन डी ओर

लंदन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। लियोनल मेसी टाइम एथलीट ऑफ द ईयर 2023 चुने गए हैं। यह सम्मान पाने वाले वह पहले फुटबॉलर हैं। मेसी ने यह अवॉर्ड पीएससी के किलियन एम्बापे और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड के साथ ही टेनिस के नोवाक जोकोविच और मेजर लीग बेसबॉल स्टार आरोन जज को पीछे छोड़ कर हासिल किया है।

पिछले महीने आठवीं बार बैलोन डी ओर अवॉर्ड जीते थे

लियोनल मेसी को पिछले साल फीफा वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के लिए पिछले महीने बैलोन डी ओर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। वह सबसे ज्यादा आठवीं बार बैलोन डी' ओर अवॉर्ड पाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019 और 2021 में भी बैलोन डी'ओर पुरस्कार जीते थे।

फीफा वर्ल्ड कप में दूसरी बार गोल्डन बॉल अवॉर्ड जीता था

लियोनल मेसी ने पिछले साल कतर में खेले गए वर्ल्ड कप में दूसरी बार वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल का अवॉर्ड मिला। हालांकि, गोल्डन बूट फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे को मिला। जिन्होंने टूनामेंट में 8 गोल किए।

वहीं मेसी ने इस वर्ल्ड कप में 7 गोल किए थे। फाइनल में मेसी ने 2 गोल किए। वे अब तक वर्ल्ड कप में 26 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 16 गोल करने में सफल हुए हैं। इनमें 12 फील्ड गोल हैं और 4 गोल पेनाल्टी से किए हैं।

मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना पिछले साल जीता वर्ल्ड कप फाइनल में हराया

पिछले साल 18 दिसंबर को कतर में खेले गए फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना टीम ने पेनल्टी शूटऑउट में फ्रांस को 4-2 से हराया। इससे पहले तय समय तक दोनों टीमें 2-2 गोल की बराबरी पर थीं। उसके बाद मैच हाफ टाइम में गया। हाफ टाइम में भी दोनों टीमों ने 1-1 गोल किए। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर रहा। जिसके बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ।

टाइम मैगजीन 2019 से एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार दे रहा है। हालांकि, 1927 पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार टाइम मैगजीन की ओर दिया जाता है। वहीं एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार पूरे साल खेल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले एथलीट को दिया जाता है।

मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर हैदराबाद में यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी स्टेडियम में गुरुवार दोपहर को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी के शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की। एलबी स्टेडियम और उसके आसपास सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच यातायात प्रतिबंध लगाया जाएगा। तदनुसार, एआर पेट्रोल पंप जंक्शन (सार्वजनिक उद्यान) से बीजेआर स्टैच्यू की ओर आने वाले यातायात को एआर पेट्रोल पंप पर नामपल्ली और चैपल रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा और एबिड्स से यातायात को एसबीआई गनफाउंड्री पर चैपल रोड/नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। बशीरबाग से बीजेआर स्टैच्यू की ओर आने वाले यातायात को बशीरबाग से किंग कोटि/ओल्ड एमएलए क्वार्टर रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा और सुजाता स्कूल लेन से खान लतीफ खान (केएलके) भवन की ओर जाने वाले वाहनों को सुजाता स्कूल जंक्शन से नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। रवींद्र भारती से एबिड्स की ओर जाने वाली आरटीसी बसों को एलबी स्टेडियम के मुख्य द्वार यानी खान लतीफ खान बिल्डिंग के सामने से बचना चाहिए और एआर पेट्रोल पंप (पब्लिक गार्डन) से नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर जाना चाहिए। आवागमन में किसी भी असुविधा के मामले में, पुलिस ने लोगों से हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन 9010203626 पर संपर्क करने को कहा।

रेवंत आज दोपहर 1.04 बजे एलबी स्टेडियम में लेंगे मुख्यमंत्री की शपथ

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के आने वाले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार को दोपहर 1.04 बजे यहां एलबी स्टेडियम में शपथ लेंगे। समारोह के तुरंत बाद पार्टी की छह गारंटियों के क्रियान्वयन से जुड़ी पहली फाइल पर उनके हस्ताक्षर होंगे। वह सदन में घोषणा करेंगे कि छह गारंटी कब लागू होंगी। रेवंत रेड्डी फिलहाल दिल्ली में व्यस्त हैं। वह अपने शपथ ग्रहण समारोह में कई बड़े नेताओं को आमंत्रित कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने एआईसीसी नेताओं और अन्य राज्यों के नेताओं को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और एआईसीसी नेताओं जैसे पार्टी के शीर्ष कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित किया गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य राज्य मंत्रियों को भी आमंत्रित किया गया था। रेवंत रेड्डी ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चौहान, पूर्व प्रभारी दिग्विजय सिंह, वीरप्पा मोइली, खुंटिया, वायलार रवि, मणिक्कम टैगोर और कुछ अन्य प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया। रेवंत रेड्डी ने चिदंबरम, मीरा कुमारी, सुशील कुमार शिंदे, कुरियन और कुछ अन्य नेताओं को भी आमंत्रित किया, जिन्होंने तेलंगाना के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तेलंगाना के शहीदों के परिजनों को भी बुलाया गया। इसके साथ ही प्रो. कोदंडारम, गाडे इनैया, हरगोपाल, कांचा इलैया और कुछ अन्य कार्यकर्ताओं और राज्य के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया था। पूर्व सीएम केसीआर को भी निमंत्रण भेजा जाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू और फिल्म अभिनेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। रेवंत रेड्डी ने अपने शपथ ग्रहण समारोह के लिए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, विभिन्न जाति संगठनों के नेताओं और बुद्धिजीवियों को आमंत्रित किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रेवंत रेड्डी को दी शुभकामनाएं

हैदराबाद, 6 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना का भावी सीएम बनने पर रेवंत रेड्डी को शुभकामनाएं दी। इस संदर्भ में, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, तेलंगाना टीपीसीसी अध्यक्ष एवं राज्य के भावी सीएम रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली के कार्यालय पर एआयसीसी अध्यक्ष मल्लीकार्जुन खडगे से मुलाकात की। इसके चलते कांग्रेस एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कांग्रेस की तेलंगाना में जीत पर टीपीसीसी अध्यक्ष रेवन्त रेड्डी को की बधाई दी। इसके चलते रेवन्त रेड्डी ने उन पर भरोसा करने और राज्य की जिम्मेदारियां सौंपने के लिए मल्लिकार्जुन खडगे को धन्यवाद दिया। इस दौरान टीपीसीसी अध्यक्ष रेवन्त रेड्डी ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं जैसे एआयसीसी अध्यक्षा सोनिया गांधी व नेता राहुल गांधी, नेता प्रियंका गांधी से भी मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस बात की पुष्टि की कि भावी तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य के लोगों से किया गया वादा जरूर पूरा करेंगे। साथ ही उन्होने आगे कहा कि, रेवंत रेड्डी की सरकार तेलंगाना के लोगों को दी गई गारंटी को बेशक पूरा करेगी

पदभार ग्रहण करते ही विकलांग महिलाओं को नौकरी देने का वादा निभाएंगे रेवंत

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कांग्रेस की जीत पर तेलंगाना सीएम के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद रेवंत रेड्डी राज्य में कांग्रेस शासन की वापसी पर विकलांग महिलाओं को नौकरी देने वादा निभाएंगे तथा रजनी नामक दिव्यांग लडकी को पहली नौकरी दिये जाने पर हस्ताक्षर करेंगे। इस संदर्भ में, तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, रेवंत रेड्डी व्दारा कल सीएम का पदभार ग्रहण करते ही सीएम के रूप में रजनी नामक दिव्यांग लडकी को पहली नौकरी दिये जाने पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके चलते उन्होंने महिलाओं के लिए नौकरी गारंटी कार्ड पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि, तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनने के बाद पहली नौकरी किसी दिव्यांग महिला को दी जाएगी। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद रेवंत रेड्डी द्वारा रजनी नामक एक दिव्यांग महिला को नौकरी देंगे। उक्त दिव्यांग महिला ने बताया कि पीजी की पढाई पूरी करने के बावजूद भी उसे निजी या सरकारी नौकरी नहीं मिल रही है। इसके चलते नवनियुक्त सीएम रेवंत रेड्डी ने उसे गारंटी कार्ड दिया।

सीएस ने एलबी स्टेडियम में व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएस शांति कुमारी के नेतृत्व में आज सुबह एलबी स्टेडियम में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक सी.वी.आनंद, शिवधर रेड्डी, शहर के पुलिस आयुक्त संदीप सांडिल्य, मुख्य सचिव शैलजा रामयार, रिजवी, जल बोर्ड के एमडी दाना किशोर, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज, सड़क और भवन विभाग के सचिव श्रीनिवास राजू, सूचना विभाग उपस्थित थे। आयुक्त अशोक रेड्डी, हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप, राजभवन सचिव सुरेंद्र मोहन, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, जन प्रतिनिधि मल्लू रवि, वेन नरेंद्र रेड्डी, अंजन कुमार यादव, श्रीमती मुंसी और अन्य उपस्थित थे। सीएस शांति कुमारी ने संबंधित अधिकारियों को राज्य के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के लिए व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आने वाले लोगों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए बिना किसी परेशानी के समुचित व्यवस्था की जाए तथा उन्होंने कहा कि स्टेडियम में ताजा पानी तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि इस शपथ ग्रहण समारोह में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, जन प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य लोग भाग ले रहे हैं और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए दीर्घाओं सहित विशेष सावधानियां बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाहन पार्किंग एवं सुरक्षा पर विशेष उपाय किये जाएं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.